डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

गुरुवार

16 मई 2024

आपकी आवाज

नीतीश कुमार जैसा न कोई सीएम बना है, न बनेगा : अनंत सिंह

2

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे का निधन

ॐ शांति

- दिल्ली एम्स में बुधवार की सुबह 9 बजकर 28 मिनट पर राजमाता ने ली अंतिम सांस
- आज ग्वालियर में किया जाएगा अंतिम संस्कार

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दो महीने से दिल्ली एम्स में भर्ती केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया का निधन हो गया। पिछले कई दिनों से वो वेंटिलेटर पर थी। बुधवार की सुबह 9 बजकर 28 मिनट पर उन्होंने एम्स में अंतिम सांसें लीं। इस घटना की जानकारी ज्योतिरादित्य के कार्यालय ने एक्स पर दिया। यह बताया गया कि बड़े दुःख के साथ ये साझा करना चाहते हैं कि राजमाता साहब नहीं रहीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता व ग्वालियर राजघराने की राजमाता माधवी राजे सिंधिया जी का इलाज पिछले दो महीनों से दिल्ली के एम्स अस्पताल में चल रहा था। पिछले दो सप्ताह स्थिति बेहद क्रिटिकल थीं। बुधवार सुबह 9.28 बजे उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में आखिरी सांस ली। ॐ शान्ति। पार्थिव शरीर को दिल्ली एम्स से उनके दिल्ली स्थित आवास में लाया जाएगा। अगले दिन गुरुवार की सुबह 11 बजे शव को ग्वालियर ले जाया जाएगा जहां अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह को रखा जाएगा और शाम में 5 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां राजमाता माधवी राजे सिंधिया के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे सिन्धे, शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह समेत कई नेताओं ने दुख व्यक्त किया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंधिया के दिल्ली स्थित आवास पहुंचकर राजमाता को श्रद्धांजलि दी।

नेपाल राजघराने से रहा है राजमाता का नाता

नेपाल राजघराने से ताल्लुक रखने वाली माधवी राजे सिंधिया के दादा जुद्ध शमशेर जंग बहादुर नेपाल के प्रधानमंत्री रहे हैं। शादी से पहले उनका नाम किरण राजलक्ष्मी देवी था। साल 1966 में उनकी शादी ग्वालियर के महाराजा यानी स्वर्गीय माधवराव सिंधिया से हुई थी। माधवराव से विवाह के उपरांत मराठी परंपरा के अनुसार उनका नाम बदलकर माधवी राजे सिंधिया हो गया था। यह उस दौर की एक शाही शादी थी जो दिल्ली में हुई थी। इसमें देश-विदेश के मेहमान शामिल हुए थे। इस शाही शादी की खूब चर्चा हुई थी। माधवी राजे के पति पूर्व केंद्रीय मंत्री माधव राव सिंधिया का 30 सितम्बर 2001 को यूपी के मैनपुरी के पास विमान हादसे में निधन हुआ था।

सीएए के तहत 14 शरणार्थियों को मिली भारत की नागरिकता

एजेंसी/नई दिल्ली

सीएए को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने इसके तहत नागरिकता प्रमाण पत्र का वितरण शुरू कर दिया है। इस कानून के तहत बुधवार को पहली बार केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने दिल्ली में 14 शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपा। इसके साथ ही देश भर के करीब 31 हजार गैर मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने का सिलसिला शुरू हो गया है।

भाजपा ने इस बार के अपने घोषणा पत्र में सीएए का वादा किया था। करीब दो महीने पहले कानून लागू होने के बाद शरणार्थियों को नागरिकता देने का सिलसिला शुरू कर भाजपा ने बीच चुनाव में ही अपना वादा पूरा कर दिया है।

सीएए को बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने के लिए दिसंबर 2019 में अधिनियमित किया गया था, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे। नागरिकता अधिनियम में देशीयकरण द्वारा नागरिकता का प्रावधान किया गया है। आवेदक को पिछले 12 महीनों के दौरान और पिछले 14 वर्षों में से आखिरी साल 11 महीने भारत में रहना चाहिए।

ईडी का शिकंजा: मंत्री के सचिव के नौकर के घर से मिले थे 37 करोड़ रुपए

कैश कांड में पूछताछ के बाद झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

- 37 करोड़ रुपए कैश बरामदगी मामले में ईडी मंत्री के निजी सचिव व नौकर को पहले ही कर चुकी है गिरफ्तार
- आलमगीर आलम पाकुड़ से कांग्रेस के 4 बार विधायक रहे हैं और अभी ग्रामीण विकास मंत्री हैं

एजेंसी/रांची

झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आलमगीर आलम के सचिव के नौकर के घर से 37 करोड़ रुपए से अधिक कैश बरामद हुआ था इसी सिलसिले में उनसे पहले पूछताछ की गई, इसके बाद ईडी ने उन्हें अरेस्ट कर लिया है। बता दें कि आलमगीर आलम से ईडी ने मंगलवार को भी 10 घंटे तक पूछताछ की थी। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम से आज सुबह 11 बजे से पूछताछ की जा रही थी, इसके बाद ईडी ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है। ईडी ने रविवार को आलमगीर को तलब किया था। उन्हें 14 मई को रांची स्थित जोनल कार्यालय में एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। वह मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए थे। इसके बाद उन्हें बुधवार को फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

6 मई को ईडी ने आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू नौकर जहांगीर आलम के अपार्टमेंट पर छापा मारा था और 37 करोड़ रुपए से अधिक कैश बरामद किया था। छापेमारी के बाद आलम और संजीव लाल दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। बीते दिनों ईडी ने रांची में कई जगहों पर छापेमारी की, जिस दौरान यह कैश बरामद किया गया। कैश को गिनने के लिए कई मशीनें भी लाई गई थीं, सभी 500 के नोट थे। इसके अलावा, एजेंसी के अधिकारियों ने जहांगीर आलम के फ्लैट से कुछ आभूषण भी बरामद किए थे।

गिरफ्तारी के बाद आलम का बीपी हाई, परिजन भी पहुंचे

मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद मेडिकल चेकअप के लिए सदर अस्पताल की टीम ईडी ऑफिस पहुंची। स्वास्थ्य जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि मंत्री आलमगीर आलम का ब्लड प्रेशर थोड़ा हाई है, वहीं शुगर नार्मल है। डॉक्टरों ने बताया कि आलमगीर आलम पहले से ही बीपी और शुगर की दवाईयां लेते हैं।मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद उनके परिजन भी ईडी ऑफिस पहुंचे। दो महिला सदस्य भी आलमगीर आलम से मिलने ईडी दफ्तर पहुंची।

मंत्री आलमगीर आलम को विरासत में मिली है राजनीति

आलमगीर आलम पाकुड़ विधानसभा से कांग्रेस के 4 बार विधायक रहे हैं और अभी राज्य सरकार में संसदीय कार्य और ग्रामीण विकास मंत्री हैं। इससे पहले आलमगीर आलम 20 अक्टूबर 2006 से 12 दिसंबर 2009 तक झारखंड विधानसभा अध्यक्ष भी रहे थे। विरासत में राजनीति मिलने के बाद आलमगीर ने सरपंच का चुनाव जीतकर राजनीति में प्रवेश किया था। 2000 में पहली बार वह विधायक बने और तब से लेकर अभी तक 4 बार विधायक बन चुके हैं. 2005 में आलमगीर आलम पाकुड़ से विधायक चुने गए थे। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अकील अख्तर को 18066 वोटों से हराया था। 2009 में झामुमो के अकील अख्तर विधायक बन गए थे। लेकिन 2014 में अचानक राजनीतिक बदलाव हो गया। कांग्रेस से विधायक रहे आलमगीर आलम ने तब झारखंड मुक्त मोर्चा के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत गए थे। कांग्रेस में आलमगीर आलम के कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद हाल ही में झारखंड में बनी नई सरकार में आलमगीर आलम सीएम चंपई सोरेन के साथ ही मंत्री पद की शपथ ली थी।

कांग्रेस अध्यक्ष का दावा... मजबूत स्थिति में है इंडिया गठबंधन, पीएम मोदी की विदाई तय

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता की। उसमें दोनों ने जोर देकर कहा कि 4 जून को पीएम नरेंद्र मोदी की विदाई होने जा रही है। यहां तक कहा गया कि बीजेपी डराकर वोट हासिल करना चाहती है, लेकिन जनता अब गुमराह नहीं होने वाली। कांग्रेस अध्यक्ष का तो सारा फोकस इस बात पर रहा कि कांग्रेस ने इस देश के लिए काफी काम किया।

खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हमने (कांग्रेस) देश को बहुत कुछ दिया है। महात्मा गांधी ने आजादी दिलाई, जवाहर लाल नेहरु ने लोकतंत्र की बुनियाद डाली, डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान लिखा। ये लोग (भाजपा) इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हम ये नहीं कहते कि हमारे पास इसे साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। पहली बार पहले के नेता मोहन भागवत ने कहा था कि अगर हम आएंगे तो हम संविधान में बदलाव लाएंगे। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा नेता संविधान बदलने की बातें करते ही रहते हैं और मुझे हैरानी होती है कि पीएम मोदी इस पर चुप बैठे रहते हैं। ये देश, संविधान और लोकतंत्र को बचाने का विषय है। इस पर आप (पीएम मोदी) क्यों नहीं बोलते?

इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा दावा: कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन की स्थिति काफी मजबूत है और चार चरणों के बाद बीजेपी की तुलना में वे काफी आगे चल रहे हैं। खड़गे ने कहा कि चार चरण के चुनाव संपन्न हो चुके हैं, इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है। जनता ने पीएम मोदी की विदाई तय कर दी है। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 4 जून को इंडिया गठबंधन नई सरकार बनाने जा रही है। 2024 का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है, यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। यह दो विचारधाराओं के बीच का चुनाव है।

बीजेपी राज में बच्चे और उनके माता-पिता परेशान हैं : अखिलेश

वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पेपर लीक मुद्दे को उठाया। उनकी तरफ से दो टूक कहा गया कि बीजेपी राज में बच्चे परेशान हैं, उनके माता-पिता परेशान हैं, समय से पहले पेपर लीक हो रहे हैं, नौकरियां नहीं हैं। इसके ऊपर अखिलेश ने बहुजन समाज पार्टी पर भी बड़ा हमला करने का काम किया। उनकी तरफ से कहा गया कि संविधान बचाने के लिए देश की जनता को अपना वोट खराब नहीं करना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि मैं यही अपील करूंगा कि बहुजन समाज के लोग जो बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर में आस्था रखते हैं, जो उनके बनाए हुए संविधान को बचाना चाहते हैं वे अपना वोट खराब न करें। इंडिया गठबंधन की मदद करें जिससे लोकतंत्र को मजबूत किया जा सके।

बता दें कि अभी चार चरण की वोटिंग संपन्न हो चुकी है। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार हर चरण में वोटिंग कम हुई है, पहले दो चरण में तो ज्यादा गिरावट देखने को मिली थी। सभी पार्टियों के अपने दावे चल रहे हैं, कोई मान रहा है कि कम वोटिंग का उन्हें फायदा होने वाला है तो कोई इसे सत्ता परिवर्तन का संकेत मान रहा है।

प. बंगाल के गवर्नर पर ओड़िशी डांसर से दुर्व्यवहार का केस दर्ज

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राजभवन में छेड़खानी के आरोपों का सामना कर रहे गवर्नर सीवी आनंद बोस की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। कोलकाता पुलिस ने ओडिसी डांसर के साथ दुर्व्यवहार करने पर एक नई एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह शिकायत डांसर की शिकायत पर दर्ज की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि अक्टूबर, 2023 में सीवी आनंद बोस ने दिल्ली में ओडिशी डांसर के साथ दुर्व्यवहार किया। डांसर ने अपनी शिकायत में कहा है कि यह घटना दिल्ली के एक होटल में हुई थी। कोलकाता पुलिस ने राज्य सरकार को दी एक रिपोर्ट में इस एफआईआर का उल्लेख किया है।

चुनावी ड्यूटी पर सारण जा रही असम राइफल्स टीम की बस मुजफ्फरपुर में दुर्घटनाग्रस्त, 30 जवान घायल

केटी न्यूज/पटना

सारण में चुनाव के लिए ड्यूटी पर जाने के दौरान असम राइफल्स टीम की बस मुजफ्फरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हादसे के बाद वहां काफी अफरा-तफरी मच गई. बस में सवार 30 जवान घायल हो गए. दो की हालत गंभीर बनी हुई है, सभी घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक जिले के सकरा थाना क्षेत्र में असम राइफल्स के जवानों को लेकर जा रही बस की टक्कर एक ट्रक से हो गई, जिससे बस में सवार कई जवान घायल हो गए। इसमें दो जवानों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों को जब इसकी खबर मिली तब तत्काल ही लोगों ने घटनास्लथ पर पहुंच कर राहत और बचाव का काम किया और स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दी।

ये हादसा मुजफ्फरपुर के सकरा थाना इलाके के सबहा गांव के पास एनएच-28 पर हुआ है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वहां उपस्थित लोगों के सहयोग से दुर्घटना में घायल असम राइफल्स के लोगों को तत्काल प्राथमिक इलाज करवा कर गंभीर रूप से घायल जवानों को एसकेएमसीएच भेज दिया, जहां डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है।

सीएम योगी ने हमीरपुर लोकसभा में चुनावी जनसभा को किया संबोधित, बोले...

सपा ने बुंदेलखंड में माफिया व डकैत पैदा किये, जनता का किया शोषण

केटी न्यूज/महोबा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केंद्र और प्रदेश की सरकार ने सबसे अधिक बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास पर फोकस किया है। इस क्षेत्र को नोएडा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिसके बाद यहां के नौजवान पलायन नहीं करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया से लोग यहां नौकरी और रोजगार के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि पिछली सरकारों में बुंदेलखंड के क्षेत्र में माफिया और डकैत पैदा किये गये थे। बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया गया। ऐसे लोगों की जमानत जब्त होनी चाहिए। सीएम योगी बुधवार को यहां डाक बंगला मैदान में हमीरपुर लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के लिए

जनता से वोट की अपील की।

भाजपा सरकार गोरखगिरी में पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान कर रही: सीएम योगी ने आल्हा-उदल और वीर चंदेलों की भूमि को नमन करते हुए कहा कि उनके लिए महोबा उनकी अपनी भूमि लगती है। बाबा गोरखनाथ ने यहीं गोरखगिरी में तपस्या की थी और आल्हा उदल को यहीं अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार गोरखगिरी में पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के साथ पिछली सरकारों ने बहुत अन्याय किया था। यह क्षेत्र प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है, यहां नदी, नाले, खनन और पर्यटन की संभावना है। सपा सरकार ने यहां माफिया और डकैत पैदाकर के जनता का शोषण किया।

महोबा वाले बड़े लड़इया...: मुख्यमंत्री ने महोबा के बारे में कही जाने वाली प्रसिद्ध कहावत का जिक्र करते हुए कि 'महोबा वाले बड़े लड़इया, इनकी मार सही ना जाए।' सीएम योगी ने जनता से अपील की कि अपने वोट की मार से सपा, बसपा और कांग्रेस की जमानत जब्त करें। उन्होंने कहा कि चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा है। भाजपा का विरोध केवल दो लोग कर रहे हैं एक वो जो रामद्रोही हैं और दूसरे जो पाकिस्तान का राग अलापते हैं। पाकिस्तान प्रेमियों को वहां जाकर कटोरा लेकर भीख मांगना चाहिए। सीएम ने कहा कि रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों को वोट देकर पाप का भागीदार नहीं बनना चाहिए।

बुंदेलखंड के लिए ऐसा करूंगा कि आने वाली पीढ़ियां याद करेंगी: मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले जबसे देश में मोदी जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनी तबसे बड़े बड़े विकास के कार्य और परिवर्तन हुए। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनी। पहली बार जब मैं बुंदेलखंड आया तो यहां के नेताओं ने मुझसे कहा था कि बुंदेलखंड के लिए कुछ होना चाहिए। तब मैंने कहा था कि बुंदेलखंड के लिए ऐसा करूंगा कि आने वाली पीढ़ियां याद करेंगी। आज बुंदेलखंड एक्सप्रेस को देखकर अच्छा लगता है। हमारा बुंदेलखंड अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर है। हर घर नल योजना से घर घर आरओ का पानी पहुंचाने का काम हो रहा है।

लालू यादव भी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। ये लोग सनातन विरोधी है

जेपी नड्डा बोले... आरजेडी का नया फूल फॉर्म रिश्वतखोरी, जंगलराज, दलदल

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए भाजपा एक्शन मोड में नजर आ रही है। यही वजह है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद बिहार आकर चुनावी जनसभा कर रहे हैं। ऐसे में आज मोतिहारी में लवली आनंद के लिए वोट अपील करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। नड्डा ने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राजद यानी आरजेडी का असली मतलब है। आर से रिश्वतखोरी,जे से जंगलराज और डी से दलदल। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस के घोटालों का भी जिक्र करते हुए कहा कि, चाहे पाताल हो या समुद्र, अंतरिक्ष और जमीन में कांग्रेस ने हर जगह घोटाले किए। इन्होंने ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी जहां घोटाला ना किया हो। हद तो तन हो गई जब इनके सहयोगी लालू जी चारा तक खा गए। नौकरी के नाम पर जमीन ली। इसके आगे नड्डा ने कहा कि, यह लोग मुसलमानों को आपका आरक्षण देना चाहते हैं।

संविधान बदलना चाहते हैं। राहुल जी को संविधान की समझ नहीं है। वो पढ़े-लिखे नहीं है। लालू यादव भी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। ये लोग सनातन विरोधी है। उदयनिधि, ए राजा के बयान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि उनके बयान पर राहुल, सोनिया और प्रियंका गांधी आंखें बंद कर लेते हैं।नड्डा ने कहा कि ये लोग राष्ट्र विरोधी भी हैं। नड्डा ने कहा कि, कांग्रेस के बराबर धोखेबाज और गुमराह करने वाला कोई नहीं। इन्होंने कोरोना वैक्सीन के नाम पर लोगों को गुमराह किया। खुद टीका लगवाते थे। आपसे कहते थे कि मोदी जी का टीका है। कहते थे भारत तो गरीबों का देश है। इंटरनेट का क्या होगा। आज 2 लाख गांवों में कॉमन सर्विस सेंटर हैं। सब्जी वाला भी डिजिटल ट्रांजेक्शन करता है। उन्होंने कहा कि आरजेडी के शासन काल में कभी भी विकास की बात नहीं हुई है। बस केवल भ्रष्टाचार हुआ है। यह पार्टी सिर्फ और सिर्फ अपना विकास करना चाहती है। इसी कारण जनता का विश्वास आरजेडी से उठा है। जनता इस बार एनढडीए गठबंधन को चार सौ के पार ले जाएगी। जनता कार्य देख रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज सीतामढ़ी और मधुबनी में करेंगे विशाल चुनावी सभा

पटना। 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान होगा। बिहार के 5 लोकसभा सीट सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सारण और हाजीपुर में मतदान अगले सोमवार को होगा। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 15 मई को पटना आ रहे हैं और 16 मई को वो सीतामढ़ी और मधुबनी में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। 16 मई को अमित शाह की रैली की तैयारी की जा रही है। 15 मई को पटना आने के बाद अमित शाह होटल मौर्या में रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन सीतामढ़ी और मधुबनी के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां पहुंचकर वो एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे और लोगों से एनडीए प्रत्याशी को वोट देने की अपील करेंगे। इस दौरान विशाल सभा का आयोजन भी करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री का जहां पर भी कार्यक्रम होने वाला है। वहां पर प्रशासन की ओर से अपनी पूरी तैयारी कर ली गई है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है। सुरक्षा बलों की तैनाती हर चौक-चौराहों पर की गई है। साथ ही सभी होटल व लॉज का चेकिंग किया जा रहा है। ताकि वांछितों की पहचान की जा सके।

शादी में आए चार बच्चे नदी में डूबे, तीन की मौत; एक बालक की लगातार तलाश जारी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले से एक शादी समारोह में आए चार बच्चे गंडक नदी में डूब गए। इनमें से तीन बच्चों की मौत हो गई। इसमें तीन के शव निकाले जा चुके हैं जबकि एक अन्य की तलाश जारी है। यह घटना अरेराज के गोविंदगंज थाना इलाके में सरेया गांव की बताई जा रही है। मरने वालों में एक किशोरी भी शामिल है। वहीं, मृतकों की पहचान गोविंदगंज के सरेया गांव निवासी शिबू कुमारी (19), सुगौली के सेनवरिया गांव के मुरारी कुमार (17) और यूपी के कुशीनगर के तरैया की रहने वाली आशा कुमारी (16) के रूप में हुई है। आशा का सात साल का भाई शिवम अभी लापता है। यह गोविंदगंज में शादी समारोह में आए चार बच्चे गंडक नदी में नहाने के दौरान डूब गए। इनमें से तीन की मौत हो गई है। एक अन्य की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि, शादी समारोह 9 मई को था। इसके बाद अधिकांश रिश्तेदार अपने घरों को लौट गए और कुछ यहीं रुक गए। सोमवार को 10-12 लोग गंडक दियारा में सैर सपाटे के लिए निकले। तभी वे नदी में उतरकर स्नान करने लगे। उसी दौरान बच्चों के डूबने की घटना हुई। सभी एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में गहरे पानी में समा गए और चार लोग डूब गए हैं। उधर, एसडीएम अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि तीन शवों को बरामद कर लिया गया है। लापता बच्चे की तलाश जारी है। सरेया गांव में अमावस्या सहनी के यहां शादी में यूपी से लोग आए थे। गांव के समीप गंडक नदी में बच्चे नहाने चले गए। इस दौरान चारों डूब गए। सूचना पर गांव के लोग पहुंचे तो सभी लापता मिले। लोगों ने खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। एसडीआरएफ की टीम ने पांच घंटे के सर्च अभियान के बाद शवों को बरामद किया।

असम राइफल्स के 3 जवान गंगा नदी में डूबे, 2 बचने में सफल, एक गायब

पटना। समस्तीपुर में गंगा नदी में स्नान के दौरान असम राइफल्स के तीन जवान डूब गए। जिसमें से दो को लोगों ने बचा लिया गया जबकि तीसरे की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोर सहित एसडीआरएफ की टीम के द्वारा लगभग 16 घंटे बाद शव को निकाला गया। मृत जवान की पहचान मिंटू राय के रूप में की गई है। लोगों का अनुमान है कि जवान पानी की लहर में बहकर पटना के इलाके में चला गया होगा क्योंकि नदी के दूसरी तरफ पटना जिला है। चुनाव ड्यूटी के लिए आए हुए असम राइफल के तीन जवान मोहनपुर कैंप से निकलकर गंगा नदी में स्नान करने निकले थे। स्नान करने के दौरान तीनों गहरे पानी में जाकर डूबने लगे। जवानों को पानी में डूबते देख स्थानीय लोगों ने पानी में कूदकर दो जवानों को बाहर निकाल लिया था। मिंटू के साथ गए दोनों असम राइफल्स के जवानों के अनुसार जौनपुर स्थित कैंप से तीनों पैदल ही 10 किलोमीटर दूर दियारा क्षेत्र में गंगा नदी में नहाने के लिए निकले थे।

कुमार आर्थोपेडिक क्लिनिक

डा० अजित किशोर

M.B.B.S (N.M.C.H. Patna) M.D. (P.M.C.H. Patna)

Consultant Physician, Medical Officer (Bihar Govt.)

चिकित्सा पदाधिकारी अनुमण्डलीय अस्पताल, डुमरांव

छाती, पेट एवं शुगर रोग विशेषज्ञ

सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवानी मोड़, डुमरांव, मो०-9122226720

नवादा में टीसी न मिलने से गुस्साए छात्रों ने स्कूल में जड़ा ताला

नवादा। नवादा जिले के रोह प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बारापंडेया में छात्रों और ग्रामीणों ने ताला जड़ दिया। इस दौरान छात्रों ने जमकर बवाल काटा। स्थिति को देखते हुए विद्यालय में पुलिस को भी बुलाना पड़ा। इधर, घटना की सूचना मिलते ही बीईओ बिन्दु कुमारी और प्रखंड परियोजना प्रबंधक नमन कुमार स्कूल पहुंचे। उसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझा कर ताला खुलवाया। दरअसल, विद्यालय में ताला जड़ने का कारण बच्चों को टीसी नहीं मिलना बताया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही बीईओ विद्यालय की सभी तरह की गतिविधि से अवगत हुए। इसके बाद कार्रवाई में जुटे है।

अग्निशमन दस्ते का पानी खत्म, आग बुझा रहे हवलदार की मौत

सीवान। सीवान में घर में भीषण आग लग गई। आग बुझाने गए अग्निशमन विभाग के हवलदार इसकी चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने से उनकी मौत हो गई। घटना नौतन मुख्य बाजार इलाके की है। बताया जा रहा है कि एक मकान में मौजूद आरा मशीन में आग लग गई। आग देखते ही देखते पूरे मकान में फैल गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।जलती आग में गिर गए रविकांत मंडल्इधर, सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग इतनी भयंकर थी कि दमकल की पांच गाड़ियों को बुलाया गया। इसी दौरान हवलदार रविकांत मंडल (40) घर की छत पर चढ़कर आग बुझाने में जुट गए। भीषण आग के कारण छत का टूटकर गिर गई। रविकांत जब तक संभलते तब तक वह भी जलती आग में गिर गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि रविकांत बुरी तरह झुलस गए। अग्निशमन कर्मियों ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक रविकांत की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अग्निशमन की टीम आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही रही थी। अचानक एक दमकल की गाड़ी का पानी खत्म हो गया था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगो ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आरा मशीन सहित मकान में आग लगी गई।

नीतीश कुमार जैसा न कोई सीएम बना है और न बनेगा: अनंत सिंह

केटी न्यूज/पटना

पैरोल के दसवें दिन बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी से सजायफ्ता पूर्व विधायक अनंत सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई। बता दें कि जब से अनंत सिंह पैरोल पर जेल से बाहर आए हैं तभी से वो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ के कसीदे पढ़ रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर कहा कि ना तो नीतीश कुमार जैसा कोई मुख्यमंत्री बना है और ना ही आगे बनेगा। नीतीश कुमार की तारीफ करते वो नहीं थक रहे हैं। उनका कहना है कि नीतीश कुमार की तरह ना तो कोई मुख्यमंत्री बिहार में पैदा हुआ है और ना ही कभी पैदा होगा। अनंत सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार शुरू से ही जनता के दीवाने थे वे जनता की सेवा में दिन रात लगे रहते थे और भी बिहार के लोगों की सेवा में लगे हैं। उनके जैसा बिहार में विकास कार्य किसी ने नहीं किया। अनंत सिंह ने मीडिया से कहा कि आपने लालू यादव का शासन नहीं देखा है तब दिल्ली में नौकरी करने वालों के परिजनों को उठा लिया जाता था। अनंत सिंह ने फिर कहा कि मैं किसी की पार्टी में नहीं हूं लेकिन फिर भी कहता हूं कि नीतीश कुमार की तरह ना कोई नेता बिहार में पैदा हुआ है और ना ही होगा। बाहुबली अनंत सिंह से मुलाकात के बाद बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने एक्स पर लिखा कि आज आवास पर मोकामा विधानसभा से पूर्व विधायक भाई अनंत सिंह जी का आगमन हुआ। इस दौरान उनसे समाजहित व क्षेत्रहित सहित कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।आर्म्स एक्ट में सजायाफ्ता मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह 5 मई को पटना के बेऊर जेल से पैरोल पर बाहर आए थे। पुस्तैनी संपत्ति के बंटवारे के लिए 15 दिनों की पैरोल बाहुबली अनंत सिंह को मिली है। पैरोल पर बाहर आए मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह बुधवार को बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री से मिलने पहुंचे। सत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चुनाव को लेकर मंत्री अशोक चौधरी व अनंत सिंह के बातचीत हुई। विदित हो कि अशोक चौधरी के बेटी शांभवी चौधरी इस बार के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन से मैदान में है। उनकी टक्कर इंडी गठबंधन के प्रत्याशी है। दोनों दलों ने अपनी जीत के लिए पूरा दमखम लगा दिया है। ताकि किसी तरह से मतदाताओं को अपनी ओर लुभा सके। अब देखना है कि 4 जून को क्या परिणाम आता है।

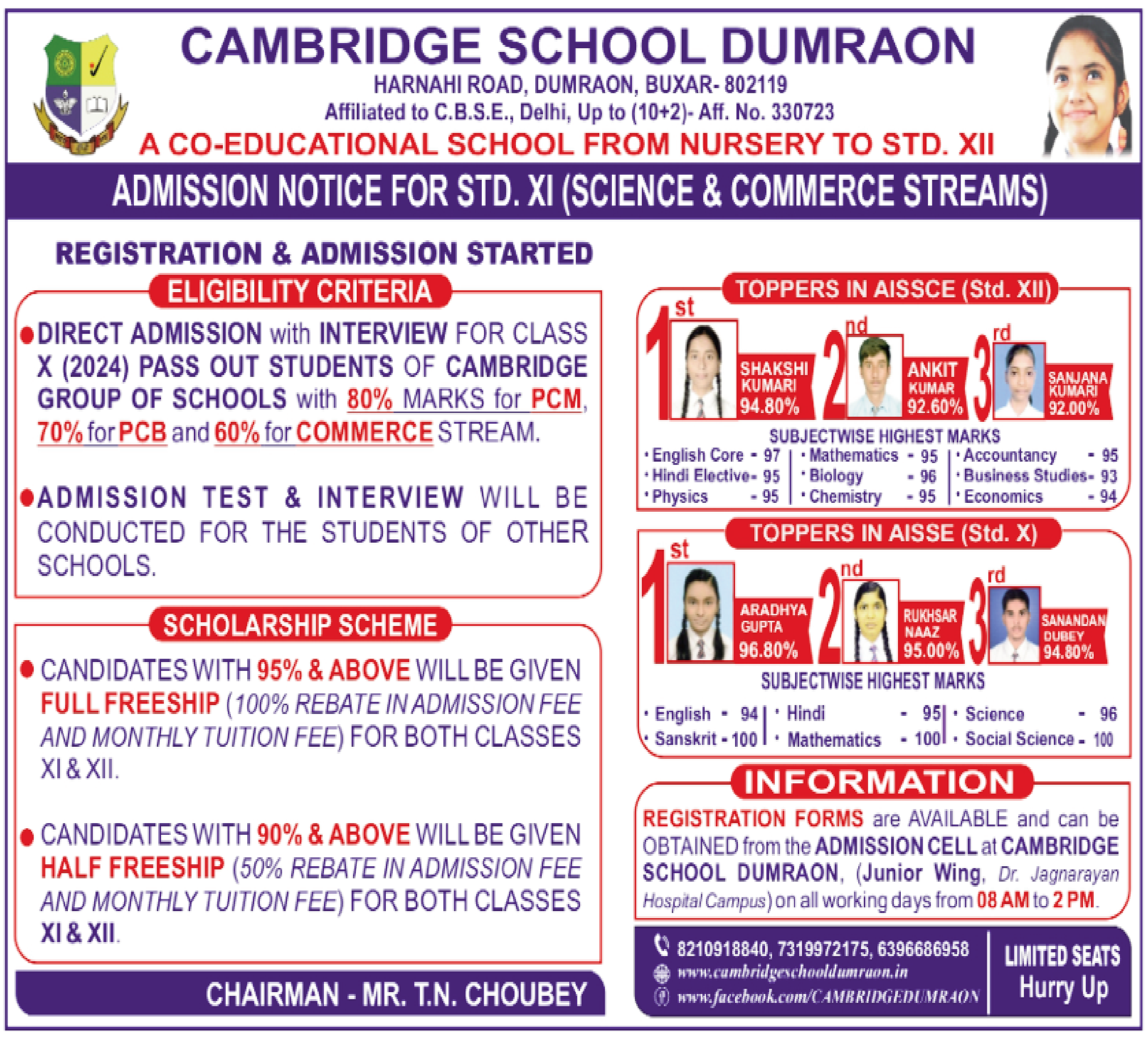

सरकारी विद्यालय के वर्ग 9 से 10 के बच्चे भी कम्प्यूटर का ज्ञान लेकर होंगे दक्ष

- डुमरांव बीआरसी में हाईस्कूल के शिक्षकों के साथ डीपीओ ने बैठक कर कम्प्यूटर पढ़ाने की दी जानकारी
- सिलेबस के अनुसार कम्प्यूटर सिखेंगे विद्यार्थी

केटी न्यूज/डुमरांव

स्कूलों में कम्प्यूटर की पढ़ाई के लिए निचले वर्ग के बच्चों का भी शेड्यूल बनाया जा रहा है। इसके लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी को लेकर डुमरांव बीआरसी में डीपीओ रजनीश कुमार उपाध्याय ने प्रखंड के सभी हेडमास्टरों के साथ बुधवार को बैठक किया। बैठक में शिक्षकों को बताया गया कि वर्तमान समय में 11 और 12 वर्ग के बच्चों को कप्यूटर पढ़ाया जाता है। अब 9 और 10 वर्ग के बच्चे भी कम्प्यूटर की पढ़ाई करेंगे। इसके लिए स्कूलों में कम्प्यूटर भेजने के लिए विभाग से डिमांड किया गया है। कम्प्यूटर शिक्षक उन बच्चों को भी कम्प्यूटर ज्ञान देंगे। इसके लिए अलग से सिलेबस भी रहेगा। बैठक में हाईस्कूल के शिक्षकों को यह बताया गया है कि बच्चों को टारगेट कर पढ़ाना है कि वेल कम्प्यूटर चलाने और पढ़ाई का ज्ञान प्राप्त कर लें। विदित हो कि पहले 11 और 12 वर्ग के बच्चों को ही कम्प्यूटर पढ़ाया जाता है। अब हेडमास्टर अपने स्तर से सिलेबस बनाकर निम्न वर्ग 9 से 10 वर्ग के बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षक से पढ़ाने के लिए कहेंगे। प्रत्येक सप्ताह पढ़ाई की रिपोर्ट को देना अनिवार्य किया गया है। एक सवाल के जवाब में डीपीओ ने बताया की वर्ग 9 और 10 के बच्चों को कम्प्यूटर पढ़ाने में परेशानी आएगी, इसके लिए विभाग से कम्पयूटर का डिमांड भेज दिया गया है। इसी जांच के लिए तीन टीम भी बनाई गई है। विदित हो कि छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए लगातार शिक्षा विभाग की ओर से प्रयास किया जा रहा है। विगत कुछ दिनों में बच्चों को कक्षा में बैठने के लिए बड़े पैमाने पर बेंच डेस्क की खरीददारी की गई है। इसी की कड़ी में यह भी प्रयास हो रहा है।

मरीजों को अत्यधिक सुरक्षित रखने के बताए गए उपाय

डुमरांव। काया कल्प लक्ष्य के तहत डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में जीएनएम के साथ डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने एक बैठक की। बैठक में उपस्थित जीएनएम को बताया गया कि मरीज को अत्यधिक सुरक्षित रखना है। यह तब होगा जब आप अत्यधिक जिम्मेवारी के साथ उसकी देखभाल करेंगे। कोई मरीज इंफेक्शन का शिकार नहीं होए इसलिए सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया की अस्पताल में जीएनएम डाक्टर से पहले मरीज से रूबरू होता है। लिहाजा उसे सावधानी बरतते हुए मरीज और उसके अभिभावक से बात करनी होगी। आपक अच्छे व्यवहार से मरीज और उसके अभिभावक को काफी सकून मिलेगा। यही आप उससे तिखा वचन बोलेंगे आए मरीज के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करेंगे तो इलाज से पहले ही वह टूट जाएगा, इस पर सभी को ध्यान देना होगा। अस्पताल में कोई मरीज भर्ती हो जाता है तो समय-समय पर जाकर उससे मिलना चाहिए। कोई परेशानी हो तो तुरंत डाक्टर कर बताना होगा। बेड पर का चादर बदलाया है कि नहीं सुरक्षा की दृष्टि से इस पर ध्यान देना होगा। मरीज में यही से इंफेक्शन होने का डर बना रहता है।

एक नजर

एनएच 922 पर दो ट्रकों की टक्कर, चालक जख्मी

डुमरांव। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर स्थानीय फ्लाई ओवर ब्रिज पर दो ट्रकों टक्कर हो गई। इस टक्कर में एक ट्रक का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। जिसे डायल 112 की टीम ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव पहुंचाया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए लेकर आरा चले गए है। ट्रक चालक की पहचान धनजी यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार जख्मी ट्रक चालक स्टेयरिंग में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बक्सर की तरफ से तीन ट्रक कतार बद्ध हो आरा की तरफ जा रही थी। तभी कृष्णाब्रह्म ओवर ब्रिज के पास बीच वाले ट्रक चालक के मोबाईल पर किसी का फोन आ गया।

चौसा चेक पोस्ट से जांच में 70 हजार जब्त

चौसा। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चौसा यादव मोड़ स्थित कर्मनाशा सीमा पर बने विशेष चेकपोस्ट पर जांच में 70 हजार रूपए जब्त किए गए। मुफस्सिल पुलिस ने बताया कि उक्त सीमा पर जांच के दौरान यूपी के भांवरकोल थाना के फिरोजपुर गांव निवासी राजेश सिंह यादव के पास से 70 हजार रुपये मिले, जिसके लिए उनसे रुपये के संबंध में पूछताछ की गई तो राजेश यादव ने बताया कि वह मवेशी खरीदने के लिए रुपये लाये थे। जिसके कागजात नहीं रहने पर उक्त राशि को जब्त कर मजिस्ट्रेट के सामने उसे सीज किया गया।

विवाद में दो पक्षों के बीच हाथापाई, चार जख्मी

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने की घटना प्रकाश में आयी है। मारपीट की घटना में दोनों पक्षों के चार लोग जख्मी हो गये। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए नामजद केस दर्ज कराया है। एक पक्ष के नथुनी सिंह ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि वह दोपहर में अपने परिजनों के साथ दरवाजा पर बैठा था। इसी दौरान गोविंद सिंह, सुनील यादव, हरिनारायण यादव सहित अन्य वहां आ धमके और लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इस घटना में दो लोग जख्मी हो गये। वहीं दूसरे पक्ष के गोविंद यादव ने पुलिस को दिए अपने लिखित आवेदन में बताया है कि नथुनी यादव, रिकेश सहित अन्य ने घेरकर लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। पिटाई के दौरान मुझे चोटें आयी है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान एक की मौत

डुमरांव। दानापुर रेल मंडल के डुमरांव-वीवी गिरी हाल्ट के बीच ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान अकालूपुर गांव का रहने वाला सुरेंद्र यादव उम्र 52 वर्ष के रूप में हुई है। घटना मंगलवार की देर शाम की बतायी जाती है। रेल पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया। रेल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मृतक अपने गांव के समीप रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही डुमरांव पोस्ट के जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कर इसकी सूचना परिजनों को दी। पुलिस पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया। रेल पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इधर घटना के बाद से मृतक के घर कोहराम मच गया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

डुमरांव व ब्रह्मपुर में चला संपर्क अभियान

बक्सर। बक्सर संसदीय क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश कुमार तिवारी ने बुधवार को डुमरांव व ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्रों के दर्जनों गांवों में जन संपर्क अभियान चलाया। इस दौरान बगेन मण्डल में प्रत्याशी आपके द्वार कार्यक्रम के सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। वही, डुमरांव कोर्ट, कांट, रहथुआ, रघुनाथपुर, धरौली, कैथी, राजपुर, पोखराहा, इकरासी, वरुहां, बगेन, भादा, बराढ़ी, भदवर तथा कुरुथियां गांवो और पंचायतों में जनसंपर्क कर आशीर्वाद लेने का कार्य किया। गांवो में जगह जगह आयोजित चौपाल कार्यक्रम में शामिल हो कर बड़े बुजुर्ग, माता बहनों को भाजपा प्रत्याशी ने हाथ जोड़कर प्रणाम किया और कहा कि यह प्रणाम मोदीजी ने आपको किया है, और आप सभी से आशीर्वाद मांगा है। सभा को संबोधित करते हुए श्रीतिवारी ने कहा कि जिस तरह अयोध्या, बनारस का विकास मोदीजी के नेतृत्व में हुआ है उसी तरह बक्सर का विकास भी होने वाला है। बक्सर एक ऐतिहासिक, धार्मिक नगरी है। इसका नाम वेद और पुराणों में मिलता है। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि का विकास मोदी जी ने कर दिया है, अब प्रभु श्रीराम की कर्मभूमि बक्सर की बारी है। उन्होंने कहा कि मैं अपनें आप को सौभाग्यशाली समझता हूं कि बक्सर के विकास के लिए मोदी जी ने मुझे आपके बीच भेजा है। जन संपर्क यात्रा में साथ चल रहे भाजपा जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने कहा कि मिथिलेश तिवारी एक कर्मठ, जुझारू और कुशल संगठनकर्ता भी हैं।

प्यास बूझी नहीं, बूझ गई जिंदगी की डोर...परिवार में मचा कोहराम

बलिया में बक्सर के ट्रक चालक समेत तीन युवकों को बेलगाम टेलर ने कुचला, गई जान

- दो युवकों की मौत से नवाडेरा व गोपाल डेरा में पसरा मातमी सन्नाटा
- मंगलवार की रात पौने दो बजे बलिया के मंजू सिंह पेट्रोल पंप के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- प्यास बुझाने ट्रक से उतरे थे तीनों, रौंदती चली गई टेलर, पहचान करना भी हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

बलिया में बक्सर के तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसा मंगलवार की देर रात करीब पौने दो बजे माल्देपुर मोड़ के कुछ आगे मंजू सिंह पेट्रोल पंप के पास की है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतकों के घर कोहराम मच गया है। परिजन दौड़े भागे बलिया गए, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतकों में नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के नवाडेरा गांव के गुड्डु यादव उम्र 25 वर्ष पिता उमेश यादव उर्फ झंगा यादव तथा इसी थाना क्षेत्र के गोपाल डेरा गांव निवासी मोहित कुमार उम्र 24 वर्ष, पिता शिवशंकर यादव उर्फ धुरान यादव तथा सिकरौल थाना क्षेत्र के गड़हिया गांव का जितेन्द्र यादव उम्र 25 वर्ष पिता कामता यादव शामिल है। गुड्डु ट्रक चालक था जबकि मोहित व जितेन्द्र खलासी थे। तीनों दो दिन पहले ट्रक पर बालू लाद यूपी गए थे, वहां बालू उतारने के बाद अपने गाड़ी पर किराना का सामान लोड कर बलिया बाजार के लिए चले थे। रात में गोदाम बंद होने के कारण माल्देपुर मोड़ से आगे मंजू सिंह पेट्रोल पंप के पास अपनी ट्रक खड़ी कर सुबह होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें प्यास लगी तथा वे बगल में स्थित पेट्रोल पंप से आरो का ठंडा पानी लेने के लिए अपनी ट्रक से नीचे उतरे थे, इसी दौरान बलिया की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार टेलर उन्हें रौंदती चली गई। घटना इतना विभत्स था कि तीनों के शव क्षत विक्षत हो गए थे तथा पहचान मुश्किल था। उनके ट्रक में मिले कागजातों, मोबाईल तथा आस पास में मौजूद ट्रक चालकों के सहयोग से बलिया पुलिस उनकी शिनाख्त कर पाई।

हादसें के बाद गांवों में पसरा सन्नाटा, बदहवास हुए परिजन

भीषण सड़क हादसें में तीन युवकों की मौत के बाद बक्सर जिले के नवाडेरा, गोपाल डेरा तथा गड़हिया गांवों में मातमी सन्नाटा पसर गया है। उनके परिजन बदहवास हो गए है। सभी जवान थे तथा कमाउ पूत थे, जिस कारण उनकी मौत ने परिजनों को गहरा सदमा पहुंचाया है। बुधवार को पूरे दिन मृतकों के घर से जहां रोने चिखने की आवाजे आती रही, वही मातमपूर्सी के लिए नाते रिश्तेदारों की भीड़ लगी रही। लेकिन उनके ढांढस का एक भी मरहम पीड़ित परिजनों के जख्मों को भर नहीं पा रहा था।

बीमार मां का सहारा था गुड्डु, चल रही थी शादी की चर्चा

बलिया में काल बनकर आई टेलर में नवाडेरा के उमेश यादव के परिवार को बूरी तरह से तोड़ दिया हैं। जानकारी के अनुसार गुड्डु की मां उषा देवी लंबे समय से बीमार चल रही थी। गुड्डु दो भाईयों में बड़ा, उसकी तीन बहन भी है, जिनकी शादी हो चुकी है। वह ट्रक चलाकर अपने परिवार का जीविकोपार्जन तथा बीमार मां का इलाज कराता था। उसकी मौत की खबर सुनने के बाद से मां गहरे सदमें में चली गई है। यही हाल अन्य परिजनों का है। पिता उमेश यादव को पुत्र की मौत के बाद मानों काठ मार गया है, जबकि छोटा भाई धनजी का भी रो रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की माने तो गुड्डु का परिवार काफी गरीब है तथा वही ट्रक चला परिवार के जरूरतों को पूरा करता था। यही हाल गोपाल डेरा के धुरान यादव के घर का भी था। मोहित की मौत से पूरे परिवार को सदमा पहुंचा है। वह तीन भाईयों में माझिल था। उसकी मौत की खबर मिलने के बाद से ही पिता व मां के साथ बड़े भाई भुअर यादव व छोटे भाई अखिलेश यादव के आंशू थमने के नाम नहीं ले रहे है। जबकि तीसरे मृतक सिकरौल थाना क्षेत्र क गड़हियां के जितेन्द्र यादव के घर से पूरे दिन महिलाओं के रोने चिखने की आवाजें आ रही थी।

बक्सर लोकसभा में अब 15 उम्मीदवार मैदान में, 12 का पर्चा अस्वीकृत, 17 को होगा नाम वापसी

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 1 जून को होने वाले बक्सर संसदीय क्षेत्र के चुनाव के लिए नामांकन का दौर समाप्त होने के बाद बुधवार को नामांकित पर्चे की समीक्षा की गई। जिसमें 12 नामांकित पर्चे विभिन्न त्रुटियों के चलते अस्वीकृत कर दिए गए। इस संसदीय क्षेत्र से 15 उम्मीदवार मैदान में है। हालांकि, अभी 17 मई को नाम वापसी होनी है। यदि कोई प्रत्याशी अपना नाम वापस लेता है तो यह संख्या घट भी सकती है। मिली जानकारी के अनुसार सामान्य प्रेक्षक के रूप में एके जाय व डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में नाम निर्देशन करने वाले कुल 27 अभ्यर्थियों से प्राप्त कुल 44 नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा की गई। समीक्षा के बाद बक्सर संसदीय सीट से कुल 15 अभ्यर्थियों का नाम निर्देशन पत्र सही पाया गया, जिन्हें स्वीकृत किया गया है। जबकि त्रुटिपूर्ण नाम निर्देशन फार्म को अस्वीकृत कर दिया गया है। स्कूटनी में जिन प्रत्याशियों का नामांकन फार्म सही पाया गया है उनमें भाजपा के मिथिलेश कुमार तिवारी, राजद के सुधाकर सिंह, बसपा के अनिल कुमार, निर्दलीय आनन्द मिश्रा, ददन यादव, निरंजन कुमार राय सुधाकर मिश्रा, राम स्वरूप चौहान, अखिलेश कुमार पाण्डेय, निर्भय यादव, भगवान सिंह यादव, आनंद मिश्रा, राजू सिंह, सुनील कुमार दूबे व हेमलता शामिल है। वहीं प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार 17 मई तक नाम वापसी की तिथि रखी है। इस तिथि तक यदि कोई प्रत्याशी नाम वापस लेता है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का यह पूरा प्रयास है कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न हो। वहीं दूसरी ओर जिले में प्रेक्षक ने जांच शुरू कर दिया है।

मतदान प्रक्रिया से रूबरू हुए माइक्रो ऑब्जर्वर, चुनाव प्रेक्षक एके जॉय ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के सफल संचालन को लेकर जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निदेर्शानुसार बक्सर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी माइक्रो ऑब्जर्वर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एमपी हाई स्कूल बक्सर में किया गया। यह प्रशिक्षण सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में लगभग 240 प्रशिक्षुओं को समस्त चुनाव कार्यों की बारीकी से जानकारी दी गई तथा चुनाव के दिन उनके दायित्वों को समझाया गया। माइक्रो ऑब्जर्वर के चुनाव प्रशिक्षण का निरीक्षण भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी तथा बक्सर संसदीय क्षेत्र की प्रेक्षक एके जॉय ने किया। इस दौरान उन्होंने सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। प्रशिक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक द्वारा प्रशिक्षण के सभी कमरों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी माइक्रो ऑब्जर्वर पदाधिकारियों को चुनाव की महत्ता को देखते हुए संपूर्ण मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण पूरी गहनता से प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी को मतदान प्रक्रिया की निगरानी करते हुए जिले में निष्पक्ष एवं त्रुटि रहित मतदान संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। प्रेक्षक ने बताया कि चुनाव के दौरान माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए जरूरी है कि वे अपना प्रशिक्षण पूरी लगन के साथ पूरा करें तथा समस्त चुनावी प्रक्रिया की जानकारी रखें, जो चुनाव के दौरान उन्हें काम आने वाला है। सामान्य प्रेक्षक द्वारा सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को अपना दूरभाष नंबर उपलब्ध कराते हुए चुनाव से संबंधित किसी भी जानकारी को साझा करने का निर्देश दिया। इस दौरान नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग बक्सर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना, जिला स्थापना पदाधिकारी बक्सर, प्रधानाध्यापक एमपी हाई स्कूल, मुख्य मास्टर प्रशिक्षक, अन्य मास्टर प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षण कोषांग के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

नाथ बाबा मंदिर में आयोजित यज्ञ में बह रही है भक्ति रस की सरिता, गोते लगा रहे श्रद्धालु

श्रीरूद्र महायज्ञ, 1008 कमल पुष्पों से किया गया गुरुदेव का अभिषेक, पूर्णाहूति आज

केटी न्यूज/बक्सर

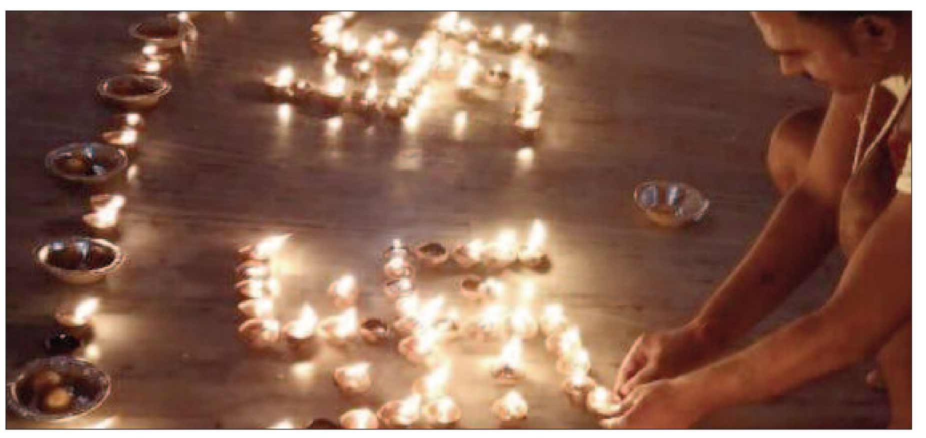

नाथ बाबा मंदिर परिसर में श्रीआदिनाथ अखाड़ा चरित्रवन के तत्वावधान में आयोजित श्रीरूद्र महायज्ञ के छठवें दिन के वैदिक विधानों, मंत्रोच्चार व आहूतियों को पूरा किया गया। वही 1008 कमल के पुष्पों से गुरुदेव महाराज का अभिषेक किया गया। जबकि 5100 दीपों का दीपदान किया गया। सुबह से दोपहर तक महायज्ञ मंडप की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। परिक्रमा करने वालों में महिला श्रद्धालुओं की संख्या अधिक थी। वही शाम में भक्तों को कथामृत का पान कराया गया। गुरुवार को इस महायज्ञ की पूर्णाहूति दी जाएगी। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। भंडारे के बाद महायज्ञ में शामिल होने वाले साधु संतों को दक्षिणा देकर विदा किया जाएगा। महायज्ञ के आयोजन से पूरे बक्सर का माहौल भक्तिमय बन गया है। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, मांगलिक गीतों तथा कथा के आयोजन से गंगा के पावन तट पर पिछले छह दिनों से भक्ति रस की अविरल प्रवाहित हो रही है। कमल पुष्पों से मस्तिकाभिषेक सहित समस्त धार्मिक कार्यक्रम महामंडलेश्वर योगी शीलनाथजी महाराज के नेतृत्व में कराया गया। उनके साथ नाथ संप्रदाय के कई अन्य साधु तथा वैदिक विद्वान उपस्थित थे। शाम में संध्या भजन व आरती के बाद 5100 दीपक जलाकर दीपदान किया गया, जो आकर्षण का केन्द्र बना रहा। जिसके बाद यज्ञ का महत्वपूर्ण आयोजन नवनाथ पूजन किया गया, जिसमें 9 लाख 84 हजार सिद्धों की पूजा की गई। वही वृंदावन से आए संत ने अपने संगीत एवं कथा से उपस्थित भक्तों एवं श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया था। आलम यह था कि उनके साथ भक्त भजन तथा धार्मिक गीतों पर झूमने लगे थे। आयोजन में महामंडलेश्वर योगी शीलनाथजी के साथ-साथ महंत योगी किशन नाथजी, महंत योगी बसंत नाथजी, महंत योगी हनुमान नाथजी, महंत योगी बलवीर नाथ जी, महंत योगी विश्वनाथजी, महंत योगी सोमनाथजी, महंत योगी साधु नाथजी, योगी दिव्य नाथजी, योगी भव्य नाथजी, यति धर्मनाथजी, महंत योगी बाबा गुरुवार को नाथजी के अलावे नाथ संप्रदाय के कई अन्य साधु इस आयोजन को सफल बनाने में लगे है। वहीं दूसरी ओर मंदिर के आसपास के इलाके में मेला जैसा महौल बन गया है। फूटपाथ पर कई दुकानें से सजी हुई है। गांव देहात से आने वाले श्रद्धालु यहां में अपनी मनपसंद की चीजों की खरीददारी कर रहे है। विशेषकर महिलाओं की संख्या अधिक है। वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है।

समय से उपचार मिलने पर पूर्णतः स्वस्थ्य हो जाता है डेंगू का मरीज

केटी न्यूज/डुमरांव

डेंगू दिवस 16 मई को मनाया जाता है। इसको लेकर अस्पताल और पीएचसी में तैयारी चल रही है। इस बीमारी से लोगों को घबड़ाना नहीं चाहिए यह लाइलाज बीमारी नहीं है। डेंगू एवं चिकनगुनिया एक ही तरह की बीमारी है। इस बीमारी से मरीज बिल्कुल ही ठीक हो जाता है। इस बीमारी की पहचान है तेज बुखार आना, त्वचा पर लाल धब्बे चकते का निशान, नाक, मसूड़ो या उल्टी के साथ रक्त स्त्राव, काला पैखाना होना है। इस तरह का लक्षण यदि मरीज में दिखाई पड़े तो तत्काल चिकित्सक के संपर्क करना चाहिए। इस तरह के मरीज को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है। समय पर उपचार होने पर मरीज पूर्णतः ठीक हो जाता है। इस तरह के मरीज की इलाज सरकारी मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों एवं सदर अस्पतालों में जांच एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध है। डेंगू व चिकनगुनिया के मरीज वातावरण से सावधान रहने की जरूरत है। दिन हो या रात सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। मच्छर भगाने वाली दवा का छिड़काव, क्रिम का प्रयोग दिन में भी करें। शरीर को ढक कर रखें। घर के सभी कमरे को साफ-सूथरा एवं हवादार बनाए रखना चाहिए।

आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

- चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव गांव स्थित बागीचे से मंगलवार की देर रात पकड़े गए दोनों बदमाश
- एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन, एक गोली और बुलेट बाइक बरामद

केटी न्यूज/आरा

चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव बागीचे से पुलिस ने हथियार के साथ घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों को मंगलवार की देर रात पकड़ा गया है। उनके पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन, एक गोली और बुलेट बाइक बरामद की गयी है। गिरफ्तार बदमाशों में खनगांव गांव निवासी शिव बचन सिंह का पुत्र रजनीकांत उर्फ राजा और राज किशोर शर्मा का पुत्र राहुल कुमार उर्फ सोनू शामिल हैं।

सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह की ओर से बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात करीब पौने ग्यारह बजे सूचना मिली कि खनगांव गांव के बागीचे में एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। वह किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। उस पर तत्काल कार्रवाई करते अपराध कर्मी की गिरफ्तारी और हथियार बरामदगी को लेकर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की। टीम खनगांव बागीचे में पहुंची, तो बुलेट बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देख भागने लगे। पुलिस बल के सहयोग से दोनों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन और एक गोली बरामद की गयी। बाइक भी जब्त कर ली गयी। दोनों से हथियार लेकर घूमने का कारणों के बारे में पूछताछ की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन लोगों द्वारा हथियार कहां से खरीदा गया है। हथियार खरीद-बिक्री के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। दोनों का आपराधिक इतिहास भी पता किया जा रहा है।

हथियार बरामदगी के मामले में दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। टीम में एएसपी रत्नेश्वर कुमार तिवारी, अमरदीप कुमार, सिपाही अखिलेश कुमार दास, रंजीत कुमार, होमगार्ड के जवान अजय कुमार, चौकीदार कमलेश कुमार और रमेश कुमार शामिल थे।

एक नजर

डीएवी स्कूल सेमरा ने किया दसवीं कक्षा के टॉपर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सम्मानित

बिक्रमगंज। बुधवार को स्थानीय शहर के डीएवी पब्लिक स्कूल सेमरा में सम्मान समारोह आयोजित की गई ।जिसमें सीबीएसई दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्राचार्य श्रीकांत पांडेय द्वारा पुष्पमाला व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया । साथ ही साथ प्राचार्य ने अभिभावकों को भी पुष्पमाला से सम्मानित किया । तत्पश्चात सभी को मुंह मीठा कराया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परीक्षा प्रभारी ने कहा कि इस बार डीएवी सेमरा का परिणाम शत प्रतिशत रहा है । सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 245 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए और सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छे प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए । उन्होंने सभी टॉपर्स को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों के लगन एवं कड़ी मेहनत का यह नतीजा है कि इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम काफी अच्छा रहा । तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्रीकांत पांडेय ने सभी टॉपर्स के अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके बच्चों के प्रति उचित संरक्षण के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी । उन्होंने सभी अभिभावकों को इसके लिए शुभकामनाएं व बधाई दी । पूर्व प्राचार्य पी सी त्रिपाठी ने मेधावी छात्रों एवं शिक्षकों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । स्कूल टॉपर्स बच्चों में मेघा सिंह, मोहित राज, तेजस्वी चौहान, मृदुला, वैष्णवी राय, सोनी कुमारी, रौशन कुमार, वैभव राज , यश गुप्ता, रिया कुमारी उपस्थित थे। वहीं अभिभावकों में मनीष सिंह, किसलय सिंह , भूपेंद्र नारायण सिंह, नीरज राय, प्रमोद रंजन, सुनील प्रसाद, बीरेंद्र प्रसाद, रविकांत, राजेश कुमार रॉय, सुनील कुमार आदि के साथ- साथ विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका भी मौजूद रहे ।

बिक्रमंगज में समाजसेवी ने किया महादेव आरओ प्लांट का उद्घाटन

बिक्रमगंज। नगर परिषद बिक्रमगंज के तेंदुनी चौक पर कोरोना काल में राशन-दुत के नाम से विख्यात युवा समाजसेवी अनुराग आनंद उर्फ सोनु पाण्डेय द्वारा जनहित एवं आमजनों को भीषण गर्मी से निजात दिलाने हेतु निःशुल्क मिनिरल शुद्ध पेय जल की व्यवस्था का शुभारम्भ उनके माता-पिता राजनारायण पाण्डेय एवं माता आशा देवी की शादी के सालगिरह पर उनके करकमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। भगवा परिवार की तरफ से नूतन प्रतिष्ठान महादेव आरओ वाटर प्लांट के द्वारा आज से लगातार पूरे गर्मी स्टाल लगाकर हर रोज आम लोगों के लिए समुचित प्रबंध किया गया। मौके पर मंतोष यादव, गुड्डु कुमार, अविनाश कुशवाहा, रोहन पटेल, अभिषेक सिंह, शास्वत कुमार, मोनू पाण्डेय , आदित्या , दीपक कुशवाहा, मोनू चौरसिया, एस आई सुरेश कुमार , विवेक सिंह, प्रभात सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहे ।

गायत्री परिवार ने दक्षिणी सूर्य मंदिर तालाब परिसर पर चलाया स्वच्छता अभियान

जहानाबाद। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार जहानाबाद द्वारा गंगा सप्तमी, भागीरथी जलाभिषेक दिवस के उपलक्ष में जल स्त्रोत स्वच्छता एवं संरक्षण अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करते हुए काको प्रखंड के दक्षिणी स्थित सूर्य मंदिर तलाव का साफ सफाई किया गया। इस दौरान दर्जनों परिजनों द्वारा तालाब परिसर को स्वच्छ बनाया गया एवं कूड़ा करकट को दूर स्थित गड्ढे में डाला गया।

खबरें फटाफट

देशी शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार भेजा गया जेल

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर एक शराब धंधेबाज को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार शराब धंधेबाज मोहनपुर गांव निवासी विद्या पासवान पिता बलदेव पासवान बताया जाता है । थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि शराब बिक्री की सूचना पर छापेमारी कर शराब धंधेबाज के पास से 4 लीटर देशी शराब बरामद किया गया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज को जेल भेज दिया गया ।

30 लीटर देशी शराब साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

दिनारा। मद्य निषेध अधिनियम के तहत दिनारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो धंधेबाज को देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार शराब धंधेबाज दिनारा थाना क्षेत्र के मेदनीपुर गांव निवासी गुड्डू कुमार एवं चंद्रशेखर कुमार बताया जाता है । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि पूर्व से लगातार शराब बिक्री करने की सूचना मिल रही थी । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों कारोबारी के पास से कुल मिलाकर 30 लीटर देशी शराब बरामद किया गया । साथ ही गिरफ्तार दोनों धंधेबाज के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया ।

12 लीटर देसी शराब बरामद अभियुक्त फरार

दावथ। सूर्यपुरा पुलिस ने देशी शराब बरामद कर लिया। मामले में संलिप्त अभियुक्त फरार हो गया। सूर्यपुरा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा दलित टोला से गुप्त सूचना पर छापेमारी कर 12 लीटर देशी शराब बरामद किया गया है । उन्होंने कहा कि मामले में संलिप्त अभियुक्त भाग निकला । बताया कि फरार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना के पुअनि विजेंद्र राम द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराया गया है।

पढ़ाई करने निकली छात्रा गायब

गया। गया में दसवीं कक्षा की छात्रा अचानक गायब हो गई। वह अपने दोस्तों स्थान पढ़ाई करने के लिए घर से निकली थी। घर से दस किलोमीटर दूर कोसमा पहाड़ी के समीप छात्रा का बैग और चप्पल मिला है। घटना के बाद परिजनों को अनहोनी की आशंका सता रही है।

धोबहां थाना क्षेत्र के भदेया गांव की घटना, खुदकुशी की आशंका

दोस्त के बर्थडे पार्टी में जाने के लिए घर से निकले छात्र का पेड़ से लटका मिला शव

- घर से पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित बागीचे में आम के पेड़ से दुपट्टा के सहारे लटका था छात्र
- गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद उसी के दुपट्टे से खुदकुशी करने की चर्चा, छानबीन में जुटी पुलिस
- छात्र का बक्सर जिले के एक गांव की रहने वाली एक लड़की से था प्रेम-प्रसंग

केटी न्यूज/आरा

धोबहां थाना क्षेत्र के भदेया गांव स्थित बागीचे से बुधवार की सुबह एक छात्र का शव बरामद किया गया। शव आम के एक पेड़ से दुपट्टा के सहारे लटका था। छात्र मंगलवार की शाम अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाने की बात कह घर से निकला था।? उसकी बाइक दरवाजे पर खड़ी मिली। मोबाइल भी क्षतिग्रस्त स्थिति में बाइक के बगल में गिरा था। मृतक भदेया गांव निवासी हरफूल सिंह का 23 वर्षीय पुत्र प्रकाश कुमार सिंह था। वह इंटर का छात्र था।? हालांकि खुदकुशी का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

वैसे गर्लफ्रेंड से झगड़े के बाद खुदकुशी किये जाने की आशंका जताई जा रही है। इधर, बागीचे में पेड़ से लटका शव मिलने से गांव में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पिता हरफूल सिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब सात बजे प्रकाश अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाने की बात कह घर से निकला था। अपनी मां से बोला था कि खाना मत बनाना। तब वह बाइक लेकर घर से गया था। उसके बाद घर के सभी लोग खाकर सो गए। बुधवार की सुबह गांव के एक युवक द्वारा फोन कर सूचना दी गई कि प्रकाश ने गांव स्थित बागीचे में फांसी लगा ली है। उसके बाद वे लोग घर से निकले तो, उसकी बाइक दरवाजे पर खड़ी थी। उसका मोबाइल भी दरवाजे पर क्षतिग्रस्त स्थिति में गिरा था। उसके बाद वे लोग बागीचे में पहुंचे, तो देखा कि प्रकाश दुपट्टा के सहारे आम के पेड़ से लटका है। इधर, सूत्रों के अनुसार छात्र का बक्सर जिले के एक गांव की रहने वाली एक लड़की से प्रेम-प्रसंग था। एक रोज पहले उससे मिलने के लिए उसके गांव गया था। वहां उसका लड़की के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। तब उसने गुस्से में अपना मोबाइल पटक कर फोड़ दिया था और गर्लफ्रेंड का दुपट्टा लेकर गांव आ गया था। उसी गुस्से में मंगलवार की रात उसने बागीचे में गर्लफ्रेंड के दुपट्टे से फांसी लगा ली। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि प्रकाश अपने सात भाई और एक बहन में चौथे स्थान पर था। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां रीता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घर लौट रहे साइकिल सवार अधेड़ की सड़क हादसे में मौत

आरा। कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के बलुआ बाजार स्थित मढिया गांव के समीप मंगलवार की रात सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। बाजार से लौटने के दौरान साइकिल सवार अधेड़ को एक वाहन ने रौंद दिया। उसमें घटनास्थल पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सोहरा गांव निवासी 56 वर्षीय जग नारायण चौधरी थे। भतीजे महेंद्र चौधरी ने बताया कि मंगलवार की शाम वह छेमी के बकाये पैसे देने साइकिल से धोबहां थाना क्षेत्र के अगरसंडा गांव गए थे। पैसा देकर देर रात वह साइकिल से वापस गांव लौट रहे थे। उसी दौरान बलुआ बाजार स्थित मढिया के समीप किसी अज्ञात वाहन द्वारा उन्हें कुचल दिया गया। उससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची कृष्णगढ़ पुलिस की ओर से हादसे की सूचना दी गयी। तब परिजन पहुंचे। उसके बाद पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया ।

गंगा नहाने गयी महिला की डूबने से मौत, एसडीआरएफ ने तीसरे दिन निकाला शव

आरा। सिन्हा थाना क्षेत्र के महुली घाट पर नहाने के दौरान गंगा में डूबी महिला का शव का तीसरे दिन बरामद कर लिया गया। शव बंडल दियारा क्षेत्र में गंगा नदी किनारे से बुधवार की सुबह बरामद किया गया। मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पीपरा जयपाल गांव निवासी विनोद राम की 35 वर्षीया पत्नी लालमुनी देवी थी। विनोद राम ने बताया कि सोमवार की सुबह वह राजमिस्त्री का काम करने गया था। उसी दिन करीब दस बजे उनकी पत्नी लालमुनी देवी गंगा नहाने महुली घाट गई थी। नहाने के दौरान पैर फिसल जाने के कारण वह गंगा में डूब गई। शाम में वह घर लौटा, तो उसके लड़कों ने कहा कि मम्मी नहाने के दौरान गंगा में वहां डूब गई है, लेकिन अंधेरा होने के कारण सोमवार को खोजने नहीं गया। मंगलवार की सुबह वह महुली घाट पर गया, तो मौजूद लोगों द्वारा बताया गया कि सोमवार की सुबह एक महिला नहाने के दौरान डूब गई थी। उसके बाद उसने स्थानीय थाने को सूचना दी। उसके बाद पुलिस पहुंची और एसडीआरएफ की टीम बुलायी गयी। हालांकि मंगलवार को पूरे दिन खोजबीन के बाद भी एसडीआरएफ को शव नहीं मिल पाया। बुधवार की सुबह एसडीआरएफ टीम द्वारा फिर से खोजबीन शुरू की गयी। उस दौरान बंडाल दियारा क्षेत्र के गंगा नदी किनारे से शव बरामद किया। तब पुलिस की ओर से शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि महिला को तीन पुत्र और दो पुत्री है। घटना के बाद उसके के घर में कोहराम मच गया है। मां के वियोग में बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रैली निकाल मतदाताओं को किया गया जागरूक

केटी न्यूज/काराकाट

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रोहतास जिलाधिकारी के दिशा-निर्देश पर काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत करूप बाजार व गांव के हर गली और हर घर में बुधवार को बीडीओ राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई । जिसमें प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी रेणुका कुमारी,प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजय शर्मा,पीओ राजेश कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी अनुज कुमार, श्रम परावर्तन पदाधिकारी देवाशिष सिंह,प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी राज कुमार, प्रखंड बीपीएम जीविका आशा कुमारी, प्रखंड अंकेक्षक अंजू कुमारी,बीटीएम अजीत सिंह सहित प्रखंड के सभी कर्मियों ने भाग लिया । रैली के दौरान पदाधिकारी ने मतदाताओं को निमंत्रण पत्र देकर लोकसभा चुनाव के लिए एक जून को मतदान करने के लिए प्रेरित किया । रैली में शामिल कर्मी पहले मतदान फिर जलपान का नारा लगा रहे थे । अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी बताया और कहा कि किसी के प्रलोभन व धमकी या दबाव में आकर मतदान नहीं करना है। अगर कोई ऐसा करता है, तो इसकी सूचना प्रशासन को तत्काल दें, वैसे लोगों पर तुरंत कार्रवाई होगी । बीडीओ ने कहा कि निर्भीक होकर मतदान करें । बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि करूप बाजार से होते हुए करूप गांव के प्रत्येक घरों में जाकर मतदान के लिए जागरूक किया गया । वही सभी घरों के मुख्य द्वार पर मतदान जागरूकता स्टीकर भी चपकाया गया । मौके पर कृषि समन्वयक ककलेश कुमार ,एलएस मीना,बाली कुमारी, पंचायत सचिव सौरभ कुमार, मनोज कुमार(कचहरी सचिव),अनिल कुमार पासवान (शिक्षक), किशू कुमार,आवास सहायक साजिद हुसैन,किसान सलाहकार मृत्युंजय, जैनेन्द्र, अखिलेश, प्रकाश सहित जीविका सीसी ज्योति कुमारी, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, आशा,जीविका दीदी, विकास मित्र व कर्मी शामिल थे ।

पटना के सीजेएम कोर्ट में दायर परिवाद से बढ़ सकती है दिल्ली के प्रत्याशी की मुश्किलें

भाजपा नेता मनोज तिवारी के खिलाफ परिवाद दायर

- अपने प्रतिद्वंदी व कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर एक जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप

केटी न्यूज/पटना

भाजपा के वरीय नेता व दिल्ली के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से निवर्तमान सांसद और प्रत्याशी मनोज तिवारी की परेशानी बढ़ सकती है। पटना के सीजेएम कोर्ट कोर्ट में उनके खिलाफ परिवाद दायर हुआ है। उनपर आरोप लगा है कि उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी व कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर एक जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसी आरोप के कारण उनके खिलाफ अधिवक्ता अशोक कुमार ने परिवाद दायर किया है।

एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर हुआ मामला: सीजेएम की कोर्ट में परिवाद दायर करने वाले आवेदक की ओर से अधिवक्ता राम संदेश राय और मणिलाल ने दलीलें ली। उनका कहना था कि भाजपा सांसद मनोज तिवारी की टिप्पणी किसी भी सूरज में समाज को स्वीकार्य नहीं है। सीजेएम कोर्ट ने इस परिवाद को स्वीकृत कर लिया। साथ ही इस मामले को सुनवाई के लिए एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में ट्रांसफर किया गया।

मनोज तिवारी एक जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर हैं: इधर, परिवाद स्वीकृत होने के बाद अधिवक्ता अशोक कुमार ने कहा कि भाजपा नेता मनोज तिवारी एक जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर हैं। उन्होंने कन्हैया कुमार के नामांकन को लेकर एक जाति विशेष पर अपमानजनक टिप्पणी की। यह किसी भी कीमत पर समाज को बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने संविधान विरोध बातें कही है। इसलिए कोर्ट से मांग हैं कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ताकि आगे से कोई भी शख्स किसी भी समाज के खिलाफ टिप्पणी करने से पहले सौ बार सोचे।

जेपी ट्रस्ट के व्यवस्थापक को जहरीला इंजेक्शन लगा हत्या करने का प्रयास

- तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज, एक गिरफ्तार

तिलक कुमार/ बैरिया

बैरिया थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नगर ट्रस्ट पर मंगलवार को कमरे में घुसकर ट्रस्ट के व्यवस्थापक अशोक कुमार सिंह को जहरीला सुई लगाकर हत्या करने के प्रयास, मारपीट व गाली गलौज प्रकरण में बैरिया पुलिस ने ओम जी गुप्ता पुत्र लक्ष्मण गुप्ता निवासी गायघाट मुड़ाहीह रुद्रपुर हल्दी, रोशन गुप्त पुत्र पिंटू गुप्त निवासी दुर्जनपुर थाना रेवती व सुशील गुप्त पुत्र नंद जी गुप्त निवासी जमालपुर थाना बैरिया के विरुद्ध धारा 294, 307, 328, 504 व 506 आईपीसी का मुकदमा पंजीकृत किया है। वहीं, पुलिस ने ओम जी गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द कर दिया, जबकि रोशन गुप्त व सुशील गुप्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि अशोक कुमार सिंह 30 वर्षों से जयप्रकाश नगर स्थित जेपी ट्रस्ट पर व्यवस्थापक के रूप में कामकाज देखते हैं। चार दिन पूर्व ओम जी गुप्ता किसी युवती के साथ जयप्रकाश नगर ट्रस्ट पर पहुंचा था, जहां दोनों अश्लील हरकत कर रहे थे। इस पर अशोक सिंह ने आपत्ति जताते हुए वहां से चले जाने को कहा था। इससे खार खाए ओम गुप्ता उक्त दोनों युवकों के साथ मंगलवार को दोपहर बाद लगभग दो बजे जेपी ट्रस्ट पर पहुंचा, तब अशोक सिंह अपने कमरे में आराम कर रहे थे। उनके कमरे में तीनों घुस गए। दो लोगों ने अशोक सिंह को पकड़ लिया।

ओम गुप्ता ने जहरीली दवाई इंजेक्शन में भरकर उनके पेट में लगाने का प्रयास किया। लेकिन हाथापाई में इंजेक्शन की दवा कपड़े में उलझकर रह गई। इसके बाद तीनों उन्हें मारने पीटने लगे। उनके चीखने चिल्लाने पर अन्य कर्मचारी पहुंच गए, जिन्हें देखकर तीनों भागने लगे। ओम गुप्ता को कर्मचारियों ने पकड़ लिया। जबकि रोशन गुप्ता व सुशील गुप्ता भागने में सफल रहे। ओम जी गुप्ता को चांद दियर पुलिस को कर्मचारियों ने सौंप दिया। इसके बाद अशोक सिंह को लेकर सोनबरसा अस्पताल पहुंचे किंतु सोनबरसा के चिकित्सकों ने उन्हें बिना देखे बलिया जाने को कह दिया। बलिया में इलाज के बाद देरात अशोक सिंह से तहरीर प्राप्त कर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। एसएचओ ने बताया कि ओमजी गुप्ता, रोशन गुप्ता, सुशील गुप्ता के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की जा रही है। जल्द उनका अपराधिक इतिहास भी खंगाला जाएगा। लोगों का कहना है कि पिछले 40 वर्षों में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ट्रस्ट पर इस तरह की घटना नहीं हुई है। इससे लोग हातप्रभ हैं। आसपास के लोगों की नजर में यह अत्यंत सुरक्षित स्थान है।

दुबहड़ पुलिस ने चार चोरों को किया गिरफ्तार

बलिया। अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दुबहड़ पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर जनेश्वर मिश्र सेतु से चोरी की घटना में संलिप्त चार चोरों को फर्जी नम्बर प्लेट लगे स्कोर्पियो के साथ गिरफ्तार किया। वही ट्रक व ट्रक पर लदा चोरी का एक बंडल विद्युत तार भी बरामद किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम व पता क्रमशः भानू सिंह पुत्र भोला सिंह निवासी हरपुर थाना एकमा जनपद सारण बिहार, अभिनव कुमार उर्फ अंकित सिंह पुत्र कामेश्वर सिंह निवासी लेजुआर थाना दाउदपुर जनपद सारण बिहार, गनपत लाल परमार उर्फ कबलू पुत्र अशोक सिंह निवासी साधपुर छतर थाना दाउदपुर जनपद सारण बिहार तथा अर्पित राय पुत्र शैलेष राय निवासी माधवपुर थाना रसूलपुर जनपद सारण बिहार बताया। अभियुक्त भानू सिंह के विरुद्ध गोरखपुर जिले के शाहपुर थाने में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पकड़े गए अभियुक्तों ने बताया कि हम लोगो नें बैरिया से ट्रक को 14 हजार रुपए एवं हाईड्रा क्रेन को आठ हजार रुपये में किराये पर ग्राम ब्यासी में सड़क के किनारे रखे गए विद्युत तार के केबल को अपना बताकर उसे लादकर श्याम चौक छपरा बिहार तक पहुँचाने के लिए धोखा देकर लाए थे। जबकि हम लोग स्कोर्पियो से आये थे। स्कोर्पियो को सड़क के किनारे खड़ी कर मौके पर खड़े होकर केबल व तार लदवा रहे थे कि आवाज होने पर ग्राम ब्यासी स्थित गोदाम पर मौजूद चौकीदार जग गया और शोर मचाने लगा। जिसके बाद हम सभी स्कोर्पियो में बैठकर भाग गये थे। आपको बता दे कि 14 मई 2024 को मुन्नी तिवारी पत्नी ओम प्रकाश तिवारी निवासी शिवपुर दियर नई बस्ती व्यासी थाना दुबहड़ जनपद बलिया के स्टोर(गोदाम) के सामने से बिजली का केबिल(तार) अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया था। जिसमें पीड़िता ने दुबहड़ थाने में तहरीर दिया था। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दिया। इसी क्रम में दुबहड़ पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर चार चोरों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

खबरें फटाफट

पॉस्को एक्ट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलिया। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बांसडीह पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर बुधवार को सेन्ट्रल बैंक कैथवली के पास से पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त नितेश साहनी पुत्र स्व दिलीप साहनी निवासी कैथवली थाना बांसडीह जनपद बलिया को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

दुर्घटना में घायल पूर्व प्रधान ने तोड़ा दम

रसड़ा। रसड़ा-नगरा मार्ग के सिंगही चट्टी पर गत 9 मई को सायं सड़क दुर्घटना में घायल खड़सरा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान अशोक कुमार (50) ने बीएचयू के ट्रामा सेंटर में एक सप्ताह तक जिंदगी व मौत से संघर्ष करने के बाद अंततः बुधवार की सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पूर्व प्रधान की मौत से खड़सरो गांव में शोक की लहर दौड़ गई। नौ मई की सायं अशोक कुमार बाइक से रसड़ा से अपने गांव जा रहे थे कि सिंगही चट्टी पर सामने से आ रहे एक बाइक सवार ने इनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके चलते वह गंभीर से घायल हो गए थे और उन्हें रसड़ा सामुदायिक स्वास्थ केंद्र से रेफर कर दिया गया था। स्वजन उन्हें पहले मऊ ले गए और वहां से बीएचयू ले गए जहां उनका आपरेशन भी हुआ और एक सप्ताह बाद वह जिंदगी की बाजी हार गए।

पत्रकार पर हमले की हुई कड़ी निंदा

पीडीडीयू नगर। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व नगर के कई पत्रकार जीटी रोड स्थित सुभाष पार्क में एकत्रित हुए। पत्रकारों ने प्रदेश के बरेली में पत्रकार राघव त्रिवेदी के समाचार संकलन किए जाने के दौरान घातक हमला की निंदा किया। एवं पत्रकार के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई। वहीं जौनपुर में दिवंगत पत्रकार आशुतोष को श्रद्धांजलि दी गई। पत्रकारों ने घायल व दिवंगत पत्रकार को मुआवजा दिए जाने की मांग की। पत्रकारों ने कहा जनमानस ने पत्रकारों को लोकतंत्र के चौथा स्तंभ का सम्मान दिया है। पत्रकार किसी के खिलाफ नहीं, सच दिखाने और लिखने का प्रयास करता है। मौके पर करुणापति तिवारी, एखलाक अहमद, निजाम बाबू, असद इकबाल, अखिलेश श्रीवास्तव, रामअवतार तिवारी, सूर्य प्रकाश सिंह, शाकीर अंसारी व अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

नुसरत के सपा के सिंबल पर दाखिल नामांकन को किया गया निरस्त

नुसरत का पर्चा खारिज, अफजाल अंसारी ही सपा से होंगे उम्मीदवार

- नामांकन पत्रों की जांच के बाद इसमें मिली त्रुटियां और कमियों के कारण 14 उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को निरस्त किया गया
- 11 उम्मीदवारों को चुनाव के लिए पात्र पाया गया

केटी न्यूज/ गाजीपुर

गाजीपुर लोकसभा सीट से अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत का पर्चा खारिज हो गया। इसके साथ ही यह साफ हो गया कि यहां से सपा के टिकट पर अफजाल अंसारी ही उम्मीदवार होंगे। बुधवार को लोकसभा निर्वाचन के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसके बाद नुसरत अंसारी के समाजवादी पार्टी के सिंबल पर दाखिल किए गए नामांकन को निरस्त कर दिया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया कि चुनाव आयोग के नियम के अनुसार जब मुख्य उम्मीदवार का नामांकन पत्र सही पाए जाने पर स्वीकृत कर लिया जाता है, तो ऐसे में वैकल्पिक या सब्स्टिट्यूट कैंडिडेट का पार्टी के सिंबल पर किया गया नामांकन स्वतः निरस्त मान लिया जाता है।

नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया के बाद डीएम आर्यका अखौरी ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच की गई है। कुछ उम्मीदवारों ने एक से ज्यादा सेट में नामांकन किया था। ऐसे में कुल 25 उम्मीदवारों ने 38 सीटों में नामांकन दाखिल किया था। नामांकन पत्रों की विधिवत जांच के बाद नामांकन पत्रों में त्रुटियां और कमियों के कारण 14 उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को समीक्षा के बाद निरस्त कर दिया गया। वहीं कुल 11 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र को जांच के बाद सही पाया गया है। इन सभी 11 उम्मीदवारों को लोकसभा चुनाव के लिए पात्र पाया गया है।

मीडिया ने डीएम अखौरी से नुसरत अंसारी की ओर से समाजवादी पार्टी के सिंबल पर किए नामांकन के निरस्त किए जाने पर भी सवाल किया। अखौरी ने बताया कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार जब मुख्य उम्मीदवार के नामांकन को जांच के बाद स्वीकृत कर लिया जाता है। ऐसी सूरत में वैकल्पिक कैंडिडेट का नामांकन खुद ही निरस्त हो जाता है। इसी के तहत नुसरत अंसारी का समाजवादी पार्टी के सिंबल पर नामांकन रद्द हुआ है। नुसरत अंसारी को इस बाबत जानकारी दे दी गई है।

डीएम अखौरी ने यह भी बताया कि अगर आने वाले दिनों में समय सीमा के भीतर अफजाल अंसारी नामांकन वापस लेते हैं, तब चुनाव आयोग की नियमावलियों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अफजाल अंसारी ने अपने तीनों बेटियों में से सबसे बड़ी नुसरत अंसारी को अपने राजनीतिक वारिस बताया था। 1 मई को हुई इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक में उन्होंने अपनी बेटी का परिचय बैठक में मौजूद लोगों से कराते हुए उनके चुनाव लड़ने को लेकर संकेत दिए थे। इस बीच नुसरत अंसारी ने समाजवादी पार्टी के सिंबल के साथ ही निर्दल प्रत्याशी के रूप में भी नामांकन दाखिल किया था। समाजवादी पार्टी के सिंबल पर नामांकन रद्द होने के बाद चुनावी मैदान में एक निर्दल प्रत्याशी के तौर पर रहेगी।

बदमाशों ने मारपीट कर मोबाइल छीना

चंदौली। पड़ाव क्षेत्र के सुजाबाद चौकी अंतर्गत राजघाट पुल के ढलान पर अवधूत भगवान राम आश्रम के समीप बीती रात बाइक सवार बदमाशों ने ड्यूटी से लौट रहे कुंडाखुर्द गांव निवासी शिवशंकर सिंह नामक युवक को रोक कर मारपीट कर मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पीछा करने के दौरान पेट्रोल पंप के सामने धक्का मार कर भाग निकले। धक्का लगने से शिवशंकर के बाएं हाथ व पैर मे चोट आई। भूक्तभोगी ने सुजाबाद पुलिस चौकी पर जाकर अपनी आप बीती बताई।

कुंडाखुर्द निवासी शिवशंकर सिंह वाराणसी रथयात्रा पर एक कपड़े के शोरूम में कार्य करता है। मंगलवार की रात्रि ड्यूटी से छूटने के बाद घर आ रहा था। जैसे ही राजघाट पुल के ढलान पर अवधूत भगवान राम आश्रम के समीप पहुंचा तभी पीछे से बाइक सवार तीन व्यक्ति आये और मारपीट कर मोबाइल छीन कर लेकर भाग गए। भुक्तभोगी के अनुसार सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट की अपाचे बाइक थी। पीछा करने के उपरांत चौराहे पर पेट्रोल टंकी के समीप धक्का मारते हुए बाइक सवार बदमाश भाग निकले। धक्का लगने से शिव शंकर सड़क पर गिर गया और बाएं हाथ और पैर में चोट लग गया। भुक्तभोगी ने सुजाबाद चौकी पर जाकर अपनी आप बीती बताई।

एक नजर

बिना मान्यता के संचालित नौ विद्यालय संचालकों को बीईओ मनियर ने थमाया नोटिस

बलिया। शिक्षा क्षेत्र मनियर में बिना मान्यता प्राप्त के चल रहे नौ विद्यालयों के संचालकों को खण्ड शिक्षा अधिकारी मनियर पवन कुमार सिहं ने मंगलवार की शाम नोटिस थमाया। नोटिस मिलने के बाद मान्यताविहीन विद्यालय संचालकों में हड़कम्प मंचा हुआ है। बता दे कि खण्ड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षा क्षेत्र मनियर के स्प्रिचुअल माडर्न कान्वेंट स्कुल धसका, पाठशाला चांन्दुपाकड़ मनियर, सरस्वती विद्या मन्दिर बडाप़ोखरा मनियर, हनी कांवेंट स्कूल रामपुर दत्तपुर, फूलमती देवी इण्टर कालेज तथा बड़ागांव में संचालित जीवन ज्योति कान्वेंट स्कूल, एके गार्डन पाब्लिक स्कूल, मां कलावती देवी इण्टर कालेज, एएसडीपी एकेडमी महलीपुर के विद्यालय संचालकों को नोटिस थमाया। नोटिस के माध्यम से संचालकों को अवगत कराया है कि बिना मान्यता के विद्यालय संचालन कर अध्ययनरत छात्र -छात्राओं के भविष्य के साथ आप लोगों द्वारा खिलवाड़ किया जा रहा है। नई शिक्षानीति 2020 एंव बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 में विहित प्राविधानों के अनुसार ऐसे विद्यालयों का संचालन प्रतिबंधित है। निर्देशित किया जाता है कि आप सभी तत्काल मान्यताविहीन विद्यालयों का संचालन बंद करते हुए वहां पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का नामांकन नजदीक के मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कराना सुनिश्चत करें। अन्यथा कि स्थिति में कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिसकी संम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं आपकी होगी।

कायस्थ समाज ने पत्रकार आशुतोष के परिवार के लिए मांगा नौकरी, सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। कायस्थ समाज जौनपुर के लोगों ने आज राज्यपाल को संबोधित एक मांग पत्र जिलाधिकारी महोदय को सौप कर पत्रकार आशुतोष

श्रीवास्तव के हत्यारो की गिरफ्तारी व मुआवजा की मांग की। ज्ञात हो की शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के शबराहद गांव निवासी आशुतोष श्रीवास्तव पत्रकार व भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। जिससे मर्माहत कायस्थ समाज के लोगो ने राकेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक मांग पत्र जिलाधिकारी महोदय की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट को सोपा। जिसमे आशुतोष के परिवार को नौकरी , बच्चो की पढ़ाई फ्री करने व परिवार वालो को भरण पोषण हेतु 50 लाख रुपया सरकार से दिलाया जाय। हत्यारो की शीघ्र गिरफ्तारी की जाय। उपरोक्त लिखित मांग पत्र सौंपा गया। ज्ञापन देने वालों में संजय अस्थाना, श्याम रतन श्रीवास्तव, दयाल शरण श्रीवास्तव, विपिनेश श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, डा संजय श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित तमाम कायस्थ बंधु उपस्थित रहे।

सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा हुई नामांकन पत्रों की जांच

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत नामांकन पत्रों के दाखिल करने की निर्धारित तिथि के उपरांत आज नामांकन पत्रों की जांच सामान्य प्रेक्षक श्री अनिल कुमार सिंह की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण मिश्र द्वारा नामांकन पत्रों की गहन जांच की गई। जांच के उपरांत कुल 34 नामांकन पत्रों में से 05 नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए। जिनका विवरण निम्नलिखित है श्री सुनील राजभर पुत्र श्री रमेश राजभर निवासी ग्राम इसहापुर थाना मोहम्मदाबाद जनपद मऊ राष्ट्रवादी जनशक्ति पार्टी, संतोष जय गोविंद सिंह पुत्र जय गोविंद सिंह नि0 छतैनी थाना रसड़ा जनपद बलिया वर्तमान पता पालघर महाराष्ट नागरिक विकास पार्टी, पंकज मौर्या पुत्र राम बचन मौर्या निवासी ग्राम लखनवार कटनी म0प्र0 राष्ट्र उदय पार्टी, श्री हसरतुल्लाह पुत्र नियामतुल्लाह नि0 इमिलिया थाना बेल्थरारोड़ जनपद बलिया लोकजन समाजवाद भारत, उज्जवल मिश्रा पुत्र धीरेंद्र मिश्रा नि0 केशवपुर सुल्तानीपुर थाना मधुबन मऊ निर्दल का पर्चा निरस्त कर दिया गया। नाम वापसी का तिथि 17 मई 2024 को निर्धारित है।

प्रेक्षक ने चुनाव तैयारियों का लिया जायजा

- स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने का दिया निर्देश

केटी न्यूज / चंदौली

लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत आयोग की ओर से नामित सामान्य प्रेक्षक सिंधु बी. रूपेश(आईएएस) एवं पुलिस प्रेक्षक हितेश चौधरी(आईपीएस) ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। जहां पर अधिकारियों से चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया, ताकि चुनाव स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराया जा सके। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक सिंधु बी रूपेश ने सभी अधिकारियों को आयोग की गाइड लाइन के अनुसार चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को भली भांति समझ कर आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराएं।उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपनी तैयारियों को समय से पूर्ण कर लें जिससे कि किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।पुलिस प्रेक्षक हितेश चौधरी ने कहा कि निर्वाचन के दौरान आने वाली शिकायतों का न सिर्फ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो बल्कि सभी शिकायतों पे त्वरित गति से कार्यवाही की जाए।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्पक्षता के साथ मतदान प्रक्रिया सम्पूर्ण कराएं।किसी अधिकारी को कहीं कोई शंका हो तो वो अपने उच्चाधिकारियों से बात करें साथ ही चुनाव ड्यूटी संबंधित जो भी राइटअप है उसका भली भांति अवलोकन कर लें।जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी. फुंडे ने प्रेक्षक द्वय को आश्वस्त किया कि लोक सभा सामान्य निर्वाचन को सहज,शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभय कुमार पांडेय ने निर्वाचन से संबंधित अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया।उन्होंने कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों का निस्तारण,कार्मिकों एवं ईवीएम का रैंडमाइजेशन,ट्रेनिंग व्यवस्था, पोस्टल बैलेट मतदान,85 वर्ष के ऊपर मतदाताओं का मतदान एवं कम्युनिकेशन प्लान आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी,अपर जिलाधिकारी न्यायिक, एडिशनल एसपी, एआरओ मुगलसराय, सकलडीहा, नौगढ़, अजगरा, शिवपुर सभी सहायक व्यय प्रेक्षक एवं अन्य सभी प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछले वर्ष का पेपर बांटने पर मथुरा पीजी कॉलेज में जमकर हंगामा

केटी न्यूज/रसड़ा

मथुरा पीजी कालेज रसड़ा में बुधवार को उस समय एलएलबी के परीक्षार्थियों ने हंगामा शुरू कर दिया जब उन्हें नवीन प्रश्न पत्र के स्थान पर पिछले वर्ष का पेपर बांट दिया गया। अपरान्ह 3 बजे से सायं 5 बजे तक एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर की विषय प्रोफेशनल इथेंसी एंड प्रोफेशनल एकाउंटिंग के प्रश्न पत्र पांच का पेपर होना निर्धारित था। परीक्षार्थी समय से अपने-अपने कक्षों जाकर बैठ गए और इस बीच उन्हें विद्यालय द्वारा नवीन प्रश्न पत्र दिए जाने के बजाय वर्ष 2022-2023 का पेपर दे दिए जाने से वे आक्रोशित हो उठे। लगभाग सौ की संख्या में परीक्षार्थियों ने जन नायक चंद्रशेखर विश्व विद्यालय व विद्यालय पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परीक्षा कक्षों से बाहर आकर हंगामा शुरू कर दिया। प्रभारी केंद्र व्यवस्थापक डा. बब्बन राम द्वारा परीक्षार्थियों को समझाने का प्रयास किया गया किंतु वे मानने को तैयार नहीं हुए। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी बीबी सिंह द्वारा भी परीक्षार्थियों को काफी समझाने का प्रयास किया जाता रहा। इस बीच केंद्र व्यवस्थापक द्वारा इसकी सूचना विश्व विद्यालय को दी गई तो विश्व विद्यालय ने सक्रियता दिखाते हुए वाट्साप पर नवीन प्रश्न पत्र भेज कर लगभग एक घंटे बाद पुनः परीक्षा प्रारंभ करा दिए जाने से परीक्षार्थी शांत हो सके।

जांच के बादनामांकन पत्रों में मिलीं खामियां के कारण निरस्त किया गया पर्चा

चंदौली के रण में 10 प्रत्याशी, 17 प्रत्याशियों के पर्चे खास्जि

केटी न्यूज/चंदौली

लोकसभा के सातवें और अंतिम चरण के चुनाव के दौरान नामांकन प्रक्रिया मंगलवार को संपन्न हो गई। जिसमें 27 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया । बुधवार को हुए नामांकन पत्रों की जांच में 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए और वहीं 17 प्रत्याशी के पर्चों में खामियां होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की ओर से नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। जांच के बाद 10 प्रत्याशी ही मैदान में है, लेकिन देखना है कि इस चुनावी जंग में कौन प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र वापस लेता है। नाम वापसी 17 मई तक निर्धारित की गई है। जो प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ना चाहता वह अपना नाम वापस ले सकता है।

लोकसभा चंदौली संसदीय क्षेत्र के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया पूरी की गई। जहां चुनावी जंग लड़ने के लिए 27 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था लेकिन इसमें 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए और 17 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र में खामियां मिलने कारण उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी ने खारिज कर दिया। जिन प्रत्याशियों के नामांकन पत्र सही पाए गए हैं। उसमें समाजवादी पार्टी के वीरेंद्र सिंह भारतीय जनता पार्टी के महेंद्र नाथ पांडेय और बसपा प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार मौर्य के साथ अन्य छोटे दल व निर्दल शामिल हैं। छोटे दलों में सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से अरविंद कुमार पटेल, मौलिक अधिकार पार्टी से राजेश विश्वकर्मा, समझदार पार्टी से राम गोविंद, युग तुलसी पार्टी से शेर सिंह,भागीदारी पार्टी पी से शोभनाथ, जय हिंद नेशनल पार्टी से संजय कुमार सिन्हा और संतोष कुमार निर्दलीय शामिल हैं। वही जिनके नामांकन पत्र खारिज किए गए हैं। प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से उर्मिला, राष्ट्रीय जन संचार दल से दीपेंद्र सिंह, भारतीय जवान किसान पार्टी से दिलीप, इंडियन नेशनल पार्टी से पदमा किन्नर, लोकतांत्रिक जनवादी पार्टी से मुरलीधर श्रीवास्तव, जनता राज पार्टी से लक्ष्मी नारायण शामिल हैं। वही निर्दलीय रूप में नामांकन करने वाले गोपाल, देवारु, धर्मेंद्र कुमार सिंह, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, मदन,मृत्युंजय, रजनीश कुमार, रवि शंकर, लक्ष्मण, लियाकत अली व सिद्धार्थ प्राण बाहू शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की माने तो खारिज हुए नामांकन पत्रों में खामियां मिलने के कारण उनके नामांकन पत्र निरस्त किए गए हैं।

परमार्थ का कार्य करना सुंदरः शालिनी त्रिपाठी

चंदौली । परमार्थ सत्य, प्रेम और करुणा का विस्तार है। किसी की पीड़ा को सुनना राम कथा सुनने जैसा परमार्थ है। उक्त बातें मंगलवार को बेन गांव स्थित हनुमान मंदिर पर श्री राम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्री रामकथा के प्रथम निशा पर कथा वाचिका शालिनी त्रिपाठी ने कही।

उन्होंने कहा कि रामचरित मानस एही नामा। सुनत श्रवन पाईऊ विश्रामा। कहा कि रामचरित मानस ही है, जिसके कानों से सुनते ही तुरंत शांति मिलती है। मन रूपी हाथी विषम रूपी दावानल में जल रहा है। वह यदि रामचरितमानस रूपी सरोवर में आ पड़े तो सुखी हो जाता है। कहा कि बाल्मीकि जी को संतों की संगति मिलने के कारण वह

प्रभु की भक्ति में इस कदर लीन हो गए कि आदि कवि बन गए। और रामायण को देव भाषा संस्कृत में लिखकर आदिकवि महर्षि बाल्मीकि कहलाए। इसके पूर्व राम कथा का शुभारंभ शिक्षक राधेश्याम द्विवेदी व चंद्रशेखर पांडेय ने पोथी पूजन से किया। कथा के दौरान प्रताप नारायण द्विवेदी, मनोज तिवारी, शीतला द्विवेदी, सतीश तिवारी,वीरेंद्र द्विवेदी, सर्वेश्वर पांडेय,कंचन तिवारी, माधुरी, सुनैना, राम दुलारे तिवारी सहित श्रोता उपस्थित थे।

लोकसभा का यह चुनाव रामभक्तों और राम द्रोहियों के बीच में हो रहा है: योगी

♦ योगी ने जालौन लोकसभा क्षेत्र के उरई में एनडीए के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में की जनसभा

केटी न्यूज/जालौन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जालौन लोकसभा क्षेत्र के उरई में केंद्रीय मंत्री और भाजपा, अपना दल, राष्ट्रीय लोकदल, निषाद पार्टी, सोहेल देव राजभर पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी भानु प्रसाद वर्मा के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आज सुबह सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान सुन रहा था। उन्होंने कहा कि चुनाव में दो ध्रुवीकरण हो चुके हैं। खड़गे जी से कहना चाहता हूं कि देश का चुनाव ध्रुवीकरण के बीच नहीं, ये चुनाव तो रामभक्तों और राम द्रोहियों के बीच में हो रहा है। एक तरफ सभी रामद्रोही खड़े हैं, रामभक्तों पर गोली चलाने वाले खड़े हैं, देश के साथ गद्दारी करने वाले और पाकिस्तान का राग अलापने वाले खड़े हैं, उन दुर्योधन और दुशासनों के खिलाफ इस महाभारत में आज मोदी

जी भारतीय जनता पार्टी का सारथी बनकर कृष्ण की भूमिका में खड़े हैं। सीएम योगी ने कहा, रामद्रोही हमेशा पराजित हुआ है, पतन को प्राप्त हुआ है। ये जो रामद्रोही हैं, ये केवल अपने परिवार के बारे में सोचते हैं। इनको न जाति की चिंता है, न प्रदेश की चिंता है और न देश की चिंता है, इन्हें न आपकी आस्था की चिंता है, न गरीब की चिंता है, न किसान की चिंता है, न महिलाओं की चिंता है न बेटियों की चिंता है। इनको सिर्फ परिवार की चिंता है। वहीं मोदी जी के लिए 140 करोड़ का भारत ही उनका परिवार है। इस अवसर पर भाजपा की जिलाध्यक्ष उर्मिजा दीक्षित, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान,विधायक गौरी शंकर वर्मा, मूलचंद्र निरंजन, जवाहर सिंह राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष चित्रकूट अशोक जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह जादौन, लोकसभा प्रभारी मदन पांडे, संयोजक श्याम सिंह सिसोदिया आदि उपस्थित थे।

अब पलायन नहीं करेगा बुंदेलखंड का नौजवान

अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि हमारा जालौन डिस्ट्रिक्ट कालपी के कागज और जालौन के मटर के लिए विख्यात है। वन डिस्ट्रिक्ट और वन प्रोडक्ट के आधार पर यह दोनों चीजें आज वैश्विक मान्यता को प्राप्त कर रही हैं। जालौन बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार है। आज से दस साल पहले इसकी स्थिति क्या थी। सपा, बसपा और कांग्रेस ने बुंदेलखंड को माफिया के हवाले कर दिया था। इन्होंने इस पूरे क्षेत्र के संसाधनों को लूटा खसोटा था। इस पूरे क्षेत्र को अराजकता की ओर धकेलने का काम किया था। यहां के विकास को बाधित किया था। जिसका दुष्परिणाम था कि नौजवान पलायन कर रहा था।

एक नजर

सरायलखंसी थाना क्षेत्र में पिकअप की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत

मऊ। जनपद के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के अमारी गांव निवासी 50 वर्षीय शिव कुमार गौंड अपनी साइकिल से बाजार से होकर मंगलवार की देर रात अपने घर जा रहा था। अभी वह राजमार्ग 34 से अपने गांव के रास्ते के मोड़ पर पहुंचा था कि अचानक मुहम्मदाबाद गोहना की तरफ से आ रही अनियंत्रित पिकअप ने टक्कर मार दी। टक्कर होने के बाद घायल का शव पिकअप के अगले हिस्से में फंस गया। चालक सहित एक अन्य व्यक्ति वाहन को सड़क के किनारे खड़ी कर शव को निकालने लगे। इसी बीच किसी राहगीर ने देख लिया। उसने घायल की पहचान करने के बाद परिजनों को जानकारी दी। जब तक परिजन मौके पर पहुंचते वाहन चालक मौके से फरार हो गया। आनन- फानन परिजन घायल को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र जीतेंद्र ने वाहन के नंबर के आधार पर पुलिस से शिकायत की तो पुलिस जांच में जुट गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक पुणे में रहकर किसी निजी कंपनी में काम करता था। कुछ दिन पहले ही वह घर आया था।

मिजार्पुर में ईंट से सिर कूंचकर शख्स की हत्या

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले के कछवां थाना क्षेत्र के गोधना गांव में एक व्यक्ति की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। बुधवार की सुबह शव की शिनाख्त हुई। परिजनों ने पुरानी रंजिश में हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस एक आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। कछवां थाना क्षेत्र के गोधना गांव में बुधवार की सुबह खेत में खून से लथपथ शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की छानबीन में शव की शिनाख्त गोधना गांव निवासी मुन्ना मौर्य (45) के रूप में की गई। परिजनों ने गांव निवासी एक व्यक्ति पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या किए जाने की आशंका जताई है। जिसके बाद पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थाना अध्यक्ष कछवां संजीत बहादुर ने बताया की हत्या मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द खुलासा किया जाएगा।

घोसी में सकुशल चुनाव संपन्न कराने हेतु सामान्य प्रेक्षक का जनपद में हुआ आगमन

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की दृष्टिगत लोकसभा क्षेत्र 70 घोसी को सकुशल एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अनिल कुमार सिंह का जनपद में आगमन हो चुका है। यह 2011 बैच के आईएएस हैं। एजीएमयूटी कैडर के श्री अनिल कुमार सिंह के ठहरने हेतु कुशमौर स्थित गेस्ट हाउस के रूम नंबर वन में व्यवस्था की गई है। आमजन इनसे प्रातः 10:00 से 11:00 बजे के बीच मिलकर चुनाव संबंधित शिकायतें रख सकते हैं, साथ ही इनके मोबाइल नंबर 8737028699 पर भी शिकायतकर्ता चुनाव संबंधित अपनी शिकायत कर सकते है।

पुलिस ने पांच शातिर चोरो को किया गिरफ्तार

जौनपुर। अपराधियो के खिलाफ जनपद पुलिस द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जफराबाद पुलिस ने पांच शातिर अपराधियो को गिरफ्तार किया है।उनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिल,06 मोबाइल,नगदी सहित तमंचा कारतूस बरामद किया है। एसपी सिटी ब्रजेश कुमार गौतम ने बताया कि थाना जफराबाद पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर 05 शातिर चोरो को रात्रि लगभग तीन बजे बेलाव घाट पुल के पास से गिरफ्तार किया है।पकड़े गए शातिर चोरो के पास से पांच चोरी की मोटरसाइकिल,06 मोबाइल,एक तमंचा व 1460 रुपये नगद बरामद किया है।पकड़े गए चोरो को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया है।

खबरें फटाफट

सोनभद्र में अज्ञात अधेड़ का मिला शव

सोनभद्र । सोनभद्र के पन्नूगंज थाना क्षेत्र के करद गांव के पास एक अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। थाना प्रभारी केदारनाथ मौर्य ने बताया कि ग्राम प्रधान लाल बहादुर गौतम द्वारा एक अज्ञात व्यक्ति के शव के करद मोड़ पर होने की सूचना दी गई। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर ग्राम करद पहुंचकर छानबीन शुरू की। उन्होंने बताया कि एक पुरुष जिसकी उम्र लगभग 55 वर्ष नाम पता अज्ञात का शव सड़क के किनारे मोड़ पर पड़ा मिला है। मृतक पुरुष की शिनाख्त करने का हर संभव प्रयास किया गया, परन्तु शिनाख्त नहीं हो सकी।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव

सोनभद्र । सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र के डिबुलगंज के भगतसिंह नगर वार्ड-2 में एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकी हुई घर में मिली। घरवालों को जब इसकी जानकारी हुई तो घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को फंदे से उतारकर पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए दुद्धी भेजवाया। जानकारी के अनुसार डिबुलगंज के भगतसिंह नगर वार्ड 2 निवासी शाहजहां खान की पुत्री अनिशा (16) राम-लखन सत्यनारायण इंटर कॉलेज में 10वीं की छात्रा थी। आज सुबह घरेलू कार्य कर करने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में सीट में लगे लोहे के पाइप में दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे से लटकी हुई मिली।

पानी की टंकी में गिरने से हुई मौत

वाराणसी। वाराणसी जिले के दानगंज चोलापुर थाना क्षेत्र के (दुमितवा) हाजीपुर निवासी सतीश यादव का इकलौता पुत्र नमन यादव (14 माह) घर के भीतर बाउंड्री में अपने दादी के साथ खेल रहा था। इस दौरान दादी घर में कुछ सामान लेने के लिए गई। कुछ देर बाद जब बाहर आई तो नमन आंगन में नहीं दिखा। इस पर परिवार के लोग परेशान होकर खोजबीन करने लगे। काफी देर तलाश करने के बाद आंगन के बाउंड्री के भीतर स्थित पानी की टंकी में डूबा मिला। आनन- फानन उसे पानी से निकालय स्थानीय चिकित्सकों के पास पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे तत्काल सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया।

वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट से जनसभा स्थलों के लिए टच-एंड-गो भी हुआ रिहर्सल

मोदी आज आएंगे पूर्वांचल दौरे पर, ज्ञानपुर जौनपुर और आजमगढ़ में करेंगे चुनावी सभा

♦ गुरूवार को सुबह वराणसी के पहुंचेंगे बाबतपुर एयरपोर्ट कार्यकर्ता करेगें भव्य स्वागत

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी लोकसभा सीट पर नामांकन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय काशी दौरा टल गया। पीएम मोदी आज शाम बनारस पहुंचने का कार्यक्रम था, जिसके लिए प्रोटोकॉल भी जारी हो गया था। हालांकि पीएमओ ने कार्यक्रम में फेरबदल करते हुए मुंबई से दिल्ली वापसी तय कर दी। अब प्रधानमंत्री गुरुवार को दिल्ली से वाराणसी आएंगे, जहां भाजपा नेता और जनप्रतिनिधि उनका स्वागत करेंगे। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद पीएम सेना के हेलीकाप्टर से जनसभा स्थलों के लिए रवाना होंगे। पीएम के आगमन पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने बैठक की, साथ ही एयरपोर्ट से जनसभा स्थलों के लिए टच-एंड-गो रिहर्सल भी हुआ। वाराणसी संसदीय सीट पर 14 मई को नामांकन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी 16 मई को फिर काशी आ रहे हैं। नामांकन के बाद पीएम मोदी 16 मई की सुबह बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। काशी दौरे पर कार्यकर्ता भव्य स्वागत करेंगे। पीएम मोदी एयरपोर्ट से ज्ञानपुर भदोही के लिए रवाना हो जाएंगे।

सभा के बाद पीएम मोदी वापस लौट जाएंगे दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 मई को वाराणसी जोन में कई जनसभाओं को संबोधित करेंगे। वे बाबतपुर एयरपोर्ट से चुनावी जनसभाओं के लिए रवाना होंगे। ज्ञानपुर जिले के ऊंज में जनसभा करेंगे, वहां से जौनपुर और आजमगढ़ की सभाओं में रवाना होंगे। इन सभाओं के बाद भी पीएम वापस बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे फिर वहां से दिल्ली रवाना होंगे।

जौनपुर में होगी सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम

केटी न्यूज /जौनपुर। दोपहर 12 बजे तिलकधारी सिंह महाविद्यालय के परिसर में बने हैलीपैड पर पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर उतरेगा। वहां से सौ मीटर की दूरी पर बने कार्यक्रम स्थल पर जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी जौनपुर लोकसभा से प्रत्यासी कृपाशंकर सिंह और मछलीशहर लोकसभा से बीपी सरोज के पक्ष में वोट करने की अपील करेंगे। जनसभा के बाद कार्यकर्ताओ को जीत का मूल मंत्र देंगे।

जनसभा में लगभग एक लाख लोगों ले भीड़ जुटने की उम्मीद है। कार्यक्रम स्थल से तीन किलोमीटर के दायरे में रहेगा सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। हेलीपैड व मंच के आसपास एसपीजी का सुरक्षा घेरा तैनात रहेगा, जहां उनकी इजाजत के बिना परिंदा भी पर नही मार सकता है। गिनती के लोग ही मंच पर मौजूद रहेंगे। शहर से तीन किलोमीटर पहले ही बड़े वाहनों का अंदर आने पर पाबंदी रहेगा। बड़े वाहनों का रूट डाइवर्जन किया गया है।

बड़े वाहनों का रोड व्यवस्थापन

1. रैली के लिए आजमगढ़ वास शाहगंज रोड से आने वाली बसें रिवर व्यू के निकट माननीय मंत्री के जी के कार्यालय के सामने स्थित बड़े ग्राउंड पर होगी
2. बदलापुर रोड से रैली में आने वाली बसें कुमार पेट्रोल पंप के बाय मछली शहर पड़ाव रोड पर रोड के किनारे खड़ी होगी
3. मछली शहर की ओर से आने वाली बस सीहापुर क्रॉसिंग से पहले रोड की बाई पट्टी पर सिलसिले वर खड़ी होगी
4. मड़ियाहूं रोड से रैली में शामिल होने वाली सभी बसें सिटी स्टेशन फ्लाईओवर से पहले रोड की बाई और सिलसिलेवार खड़ी की जाएगी।
5. वाराणसी रोड से रैली में शामिल होने वाली बसें मातापुर क्रॉसिंग क्रॉस करके जालान मोड़ से अंबेडकर तिराहा तक सिलसिलेवार खड़ी की जाएगी।

छोटी बहनों का प्रबंध

1. बीआरपी ग्राउंड में, प्राइवेट बस अड्डा ग्राउंड में, कमला हॉस्पिटल ग्राउंड में, सिद्धार्थ उपबन के लान में आदर्श डायग्नोसिस के बगल में बनाया हुआ ग्राउंड में खड़ी कराई जाएगी।

पीएम की पांच लेयर सुरक्षा होगी अभेद्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वांचल दौरे में अभेद्य सुरक्षा घेरे में रहेंगे। एसपीजी, आरएएफ-सीआरपीएफ, एनएसजी, स्नाइपर, पुलिस और पीएसी तैनात रहेगी। एडीजी, आईजी, 2डीआईजी समेत 12 आईपीएस अफसर अलर्ट हैं। सभी जनसभा स्थलों पर तीन-तीन हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। 8 एएसपी, 10 डिप्टी एसपी, 18 इंस्पेक्टर, 200 एसआई एवं एएसआई, 552 कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल, 2 कंपनी पीएसी, 3 कंपनी सीआरपीएफ को लगाया गया है। यातायात पुलिसकर्मी, 4 बीडीएस की टीम, दो हिट टीम, तीन डॉग स्कवाइड सहित ईको की आधा दर्जन टीमें तैनात रहेंगी।

मिजार्पुर में मिला मासूम का शव, तीन-दिन से था लापता

♦ परिजनों ने 12 मई को गुमशुदगी का कराया था मामला दर्ज

केटी न्यूज/मिर्जापुर

मिजार्पुर के जिगना थाना क्षेत्र में मुराजपुर गांव में राम मुनीव बिन्द की बेटी आकांक्षा (8) का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मासूम के लापता होने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराया गया था। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे एसपी अभिनंदन ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक एवं डाग स्क्वॉयड ने छानबीन की। इस मामले में परिजनों से संदिग्ध लोगों का नाम मिलने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया गया कि रविवार को

अचानक मासूम बच्ची गायब हो गई थी। परिजनों ने काफी खोजबीन किया। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। उसी दिन 12 मई को थाने में बालिका के गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। एसपी ने बताया कि मासूम के लापता होने की जानकारी पर पुलिस खोज में लगी थी। मंगलवार की शाम भतीजी गायब हो जाने की जानकारी पर मृतका की बुआ जानकी उर्फ लालती अपने ससुराल से मायके आई। घर जाने के पूर्व पास ही स्थित चौरा माई का दर्शन करने पहुंची। इस दौरान चौरी के पास ही अपने मायके के उपली रखने वाले स्थान से आ रहे दुर्गंध को देखने चली गई। वहां दुर्गन्ध तेज होने पर अपने मायके पहुंची। अपने भाइयों को दुर्गंध की जानकारी दी। जिस पर घर के लोग वहां पहुंचकर देखा, तो मासूम बच्ची का शव देख बिलख पड़े। तभी घटना की जानकारी पुलिस को दी। परिजनों की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ एसपी मौके पहुंचे। बताया कि शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का खुलासा होगा। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त किया। गांव के तीन लोगों के खिलाफ षड्यंत्र की आशंका जाहिर की है। तीनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।परिजनों से इसके बाबत पूछताछ की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले का जल्द से जल्द जांच कर खुलासा किया जाएगा। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

तमिलनाडु और अयोध्या के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

विश्वनाथ धाम में गंगा सप्तमी की रात गूंजा शिव धुन

♦ शयन आरती तक थिरकते रहे शिव भक्त

केटी न्यूज/वाराणसी

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में मंगलवार देर रात गंगा सप्तमी की धूम रही। रंग बिरंगे एडवांस लाइट्स और झालरों से सजे बाबा के कॉरिडोर से सुबह से शाम तक गंगा और विश्वनाथ अर्चना सुनाई देती रही। शयन आरती तक मंदिर चौक क्षेत्र में शिवार्चनम पर गंगा भजन और शिव धुन ही गूंजता रहा।गंगा सप्तमी पर इससे पहले सुबह गंगाभिषेक पूजा और शाम को भजन ने भक्तों को विभोर कर दिया। शाम की पहली प्रस्तुति अयोध्या से आए राजन तिवारी और उनके समूह के नाम रही। भगवान राम और लव कुश के प्रसंग ने लोगों को लुभाया। आगे तमिलनाडु से आए नाद स्वरम्-वादकों की

बेजोड़ धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। काशी मराठी सेवा समिति ने रामायण के गीतों की बड़ी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। अंतिम प्रस्तुति अंशुमान महाराज के बैंड के नाम रही। चौक क्षेत्र में बैठे श्रद्धालु गीत संगीत की धुनों पर श्रद्धालु थिरकते रहे। इसी के साथ गंगा सप्तमी का समापन हो गया। पौराणिक कथानक के अनुसार, पांड्य नरेश पुण्यकीर्ति ने गंगा जी से यह वर मांगा था कि उन्हें रोज प्रतिदिन मां का देवी स्वरूप में साक्षात दर्शन करना है। नरेश की जिज्ञासा पर गंगा जी ने यह रहस्य बताया कि उनका गृहनगर काशी है। वह महादेव शंकर की जटाओं से मुक्त हो हिमालय शिखरों से उतर प्रयाग पहुंचीं। प्रयाग में यमुना जी का साथ पाकर विराट स्वरूप में बह रही। जब काशी पहुंची तो पुराधिपति भगवान विश्वनाथ जी ने गंगा जी का प्रवाह काशी सीमा पर कम कर दिया। इससे गंगा जी का सम्राट सगर के पूर्वजों के भस्म होने के स्थल तक जाने का मार्ग बंद हो गया। इससे पहले श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के ललिता घाट पर रंग बिरंगे फूलों से मंडप बनाए गए थे। जहां पर गंगाभिषेक किया गया।

सुभाषितम्

धन के लोभी के पास सच्चाई नहीं रहती और व्यभिचारी के पास पवित्रता नहीं रहती। - चाणक्य

करोड़पति जन सेवक और अधनंगी जनता

- राकेश अचल

` बात राजनीयति के इर्दगिर्द ही रहती है । रहना भी चाहिए,क्योकि मुद्दा है जहाँ ,राजनीति है वहां। आज का मुद्दा है कि दो जून रोटी के लिए सरकार पर निर्भर 85 करोड़ कि आबादी वाले विश्व के सबसे बड़े लोकतनगर में जनसेवक किसे होना चाहिए और किसे नहीं? क्या आजादी के ७७ साल बाद भी ये लोकतंत्र केवल और क्वेल धनपतियों के लिए ह। आम आदमी की इसमें हिस्सेदारी की मुमानियत है? लोकसभा चुनाव के चार चरणों के बाद प्रत्याशियों की मालिई हालत के बारे में पढ़-सुनकर मन हुआ कि आज इसी मुद्दे पर बात की जाए । हम हैरान हैं ,जग हैरान है कि पिछले एक दशक से देश के भाग्यविधाता बने काशी यानि बनारस के भाजपा प्रत्याशी के पास कुल जमा ले-देकर ३ करोड़ की सम्पत्ति है। जिला निर्वाचन अधिकारी के यहां नामांकन पात्र के साथ नास्ति किये गए हलफनामे के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी श्री नरेंद्र मोदी जी के पास 2022-23 में कुल आमदनी 23 लाख 56 हजार 080 रुपये थी। मोदी की कुल संपत्ति 3 करोड़ 02 लाख 06 हजार 889 है। जाहिर है कि मोदी जी ने दस साल में खुद कुछ नहीं खाया भले ही तमाम लोगों को खाने दिया और देश से बाहर जाने दिया मोदी जी के प्रमुख प्रतिद्वंदी और रायबरेली से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे राहुलगांधी के पास 20 करोड़ रुपए कि सम्पत्ति है। अकेले वित्त वर्ष 2022-23 के दौरानकुल आमदनी 1 करोड़ 2 लाख और 78 हजार रुपये थी। राहुल गांधी के पास 9 करोड़ से अधिक की चल संपत्ति और 11 करोड़ से अधिक की अचल संपत्ति है। निश्चित तौर पर मोदी जी कि विरासत राहुल की विरासत से न केवल सियासत के मामले में बल्कि पैसे के मामले में भी कमजोर है, फिर भी देश-दुनिया में मोदी जी का जोर है। मजे की बात ये है कि एक आदमी पिछले दस साल में हवाई जहाज से नीचे नहीं उतरा और दुसरे ने पूरा मुल्क पैदल नापने के अलावा कोई काम नहीं किया फिर भी दोनों करोड़पति है। भारत के लोकतंत्र में ही ये मुमकिन है। मेरे पास हालाँकि देश के तमाम नाम-चिन्ह नेताओं यानि जनसेवकों की सम्पत्ति का व्यौरा है। लेकिन मै सबका जिक्र नहीं कर सकता। आपकी दिलचस्पी है तो आप केंचुआ की वेबसाइट पर जाकर सभी कि कुंडली हंगाल सकते हैं। मै तो केवल उन प्रत्याशियों का हवाला दे रहा हूँ जो अकूत सम्पत्ति के मालिक हैं फिर भी चुनाव लड़कर जनता की सेवा करना चाहते हैं। इन करोड़पति जनसेवकों के प्रति हम गरीबों का मन कृतग्यता से लबालब है। सोचता हूँ कि यदि ये अरबपति, करोड़पति और लखपति जनसेवक न होते तो इस देश के लोकतंत्र का जनता का क्या होता? जनसेवा का व्रत लेकर रजतपट की बदनाम दुनिया से सियासत में कदम रखने वाली कंगना रनौत को उसी तरह वालीवुड की क्वीन कहा जाता है जैसे किसी जमाने में फूलनदेवी को बैंडिट क्वीन कहा जाता था। दोनों कि अपनी सुंदरता है और अपनी-अपनी फैन फॉलोइंग है। फूलन को जाने दीजिये क्योंकि वे अब किसी स्वर्ग में विराजती हैं लेकिन हिमाचल के मंडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना जी कम से कम 90 करोड़ रुपए की मालकिन है। इतना धन लोकतंत्र में लोकसेवा किये बिना भी कमाया जा सकता है ,वो भी केवल अपनी कला के बूते पर। कंगना राजनीति में आकर घाटे का सौदा कर रहीं है या नहीं ये भगवान जाने लेकिन देश को जानना चाहिए कि कंगना के पास क्या है और क्या नहीं है? 12वीं पास बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी कैंडिडेट कंगना रनौत के पास कैश 2 लाख रुपये है और तमाम बैंक खातों, शेयरों-डिबेंचर्स और ज्वैलरी समेत अन्य को जोड़कर आलीशान घर, गाड़ियां और जूलरी के अलावा एक्ट्रेस के पास बैंक में भी करोड़ों रुपए जमा हैं. कंगना के कुल 8 बैंक अकाउंट हैं। लेकिन आजतक किसी ईडी या सीबीआई ने कंगना के बैंक खाते नहीं खंगाले क्योंकि उन्होंने राजनीयति से नहीं अपने परिश्रम से कमाया है। कंगना ने हलफनामा देकर जिला निर्वाचन अधिकारी को बताया है कि उनके पास 91.50 करोड़ रुपए की संपत्ति है। आलीशान घर, गाड़ियां और जूलरी के अलावा एक्ट्रेस के पास बैंक में भी करोड़ों रुपए जमा हैं. मुंबई में कंगना के अलग-अलग बैंक खाते में ढाई करोड़ से ज्यादा रुपए मौजूद हैं। कंगना रनौत के पास मुंबई में 7 और मंडी में एक, यानी कुल आठ बैंक अकाउंट हैं, जिनमें कुल मिलाकर 2 करोड़ 55 लाख 86 हजार 468 रुपए जमा हैं. आईडीबीआई बैंक में एक्ट्रेस के दो खाते हैं जिनमें से एक में एक करोड़ सात लाख और दूसरे में 22 लाख जमा है। कंगना का बैंक ऑफ बड़ौदा में भी एक खाता है जिसमें 15,189,49 रुपए जमा हैं। हमारे लोकतंत्र में जनसेवा के लिए चुनाव लड़ने वाले तमाम ऐसे प्रत्याशी हैं जिनके पास मोदी ,राहुल या कंगना से भी सौ गुना ज्यादा समपत्ति है। हमारा लोकतंत्र किसी धनकुबेर को चुनाव लड़ने से नहीं रोकता । किसी की सम्पत्ती की जांच नहीं करता ,फिर भी देश को लूटने या बनाने के आरोपी अमीरों की उदारता है कि वे सीधे चुनाव नहीं लड़ते। वे इलेक्टोरल बांड के जरिये पैसा देकर लोगों को ,पार्टियों को चुनाव लड़वाते हैं। ये वे लोग हैं जो बकौल मोदी जी राहुल गांधी के यहां टेम्पो में भर -भरकर रुप्या पहुंचते हैं। अभी तक उपलब्ध जानकारी के मुताबिक अकूत सम्पत्ति के मालिकों के बीच सबसे गरीब उम्मीदवार कट्टा आनंद बाबू हैं, जो कि आंध्र प्रदेश के बापटला संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। 32 साल के आनंद बाबू पोस्ट ग्रेजुएट है। इनके खिलाफ कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। इनकी कुल चल संपत्ति 7 रुपये है, जबकि अचल संपत्ति के नाम पर कुछ भी नहीं है। इसके अलावा इनके ऊपर 2.5 लाख रुपये का कर्ज भी है। मुझे पता है कि ये देश कभी भी आनंद बाबू को अपना जन प्रतिनिधि नहीं चुनेगा । इस देश में आंध्र प्रदेश की गुंटूर सीट से टीडीपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ही चुने जायेंगे। चंद्रशेखर पेम्मासानी के पास कुल संपत्ति 5,705 करोड़ रुपये से अधिक की है। भारत के इस अजब-गजब लोकतनत्र में प्रत्याशी जितने अजब-गजब हैअन मतदाता भी उतने ही अजब-गजब है। वे आनंद जैसों को नहीं पेम्मासानी जैसों को ही चुनते हैं। मतदाता कभी किसी से ये सवाल नहीं पूछता कि उसके पास आखिर अकूत दौलत आई तो आई कहाँ से? वैसे भी लोकतांत्र के ताजा दौर में सवाल करने की इजाजत किसी को है नहीं।

जनता परेशान, कंपनियां मालामाल महंगाई ने बनाया रिकॉर्ड

थोक महंगाई पिछले 13 महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है। पिछले महीने के मुकाबले थोक महंगाई तीन गुना बढ़ गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को जो आंकड़े जारी किए हैं उसके अनुसार पिछले बार की तुलना में थोक महंगाई की दर 1.26 फीसदी बढ़ गई है। मार्च के महीने में यह 0.53 फीसदी थी। पिछले 1 महीने में महंगाई की दर 0.79 फीसदी बढ़ी है। पिछले 13 महीनो में महंगाई का यह सबसे उच्चतम स्तर है। खाद्य पदार्थों की महंगाई 4.65 फीसदी से बढ़कर 5.32 फीसदी हो गई है। रोजाना उपयोग में आने वाली खाद्य पदार्थ, तेल साबुन एवं रोजमर्रा के समान की कीमत 4.1 फीसदी से बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गई हैं। खाने-पीने के उत्पाद की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। अप्रैल के महीने में प्याज की कीमतें 59.5 फीसदी बढ़ गई है। आलू के थोक एवं फुटकर भाव बढ़ते ही जा रहे हैं। खाद्य पदार्थ और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमत लगातार बढ़ रही है। इस कारण जनता महंगाई की मार से परेशान है। वहीं कंपनियां मालामाल हो रही हैं। सरकार कहती है, कि खुदरा महंगाई दर में नरमी आ रही है। जब थोक बाजार भाव में लगातार महंगाई बढ़ रही है तब खुदरा कीमतें कैसे कम होंगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। उत्पादक कंपनियां महंगाई बढ़ने पर उत्पाद का वजन घटाकर पैकेट की कीमत उतनी ही रखती हैं, जिस कारण लगता है, कि खुदरा महंगाई नहीं बढ़ रही है। लेकिन उपभोक्ता के पास उसी कीमत पर कम वजन का समान पहुंचता है। पैसे ज्यादा लगते हैं और वस्तु कम मात्रा में मिलती है। किसानों का भी यही रोना है। खाद की बोरी में वजन कम हो गया, लेकिन कीमत उतनी ही है। महंगाई बढ़ने के बाद कंपनियों की कमाई और भी बढ़ जाती है। जनता परेशान होती रहती है। दूध-दही से लेकर हर खाद्य पदार्थ के रेट लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं।

सरकार का प्रचार तंत्र हमेशा जनता को यह बताने की कोशिश करता है, कि खुदरा महंगाई दर नहीं बढ़ रही है। पूंजीवाद के इस युग में पूंजीवादियों ने इसका नया रास्ता निकाल लिया है। पैकेट बंद उत्पाद की कीमत उतनी ही रखी जा रही है, लेकिन उसका वजन लगातार घटाया जा रहा है। इस कारण उपभोक्ताओं को माल कम मिलता है, और उपभोक्ता को कीमत वजन की तुलना में ज्यादा चुकाना पड़ती है। महंगाई बढ़ने से सरकार की कमाई तेजी के साथ बढ़ रही है। महंगाई बढ़ाने में सरकार का भी बहुत बड़ा योगदान है। सरकार की जीएसटी की आय लगातार बढ़ती जा रही है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों से सरकार की आय निरंतर बढ़ रही है। जो भी टैक्स लगता है, वह वस्तु की कीमत पर लगता है। महंगाई बढ़ने से सरकार के सभी विभागों की आय कर के रूप में लगातार बढ़ती ही जा रही है। जीएसटी में रिकॉर्ड तोड़ वसूली सरकार कर रही है। गरीब हो या अमीर सभी को जीएसटी में 12 से 28 फीसदी तक टेक्स देना पड़ रहा है। गरीबों की संख्या ज्यादा है। गरीबी ही सबसे ज्यादा टैक्स देता है। गरीब और मध्यम वर्ग इस महंगाई से सबसे ज्यादा परेशान है। इसका सही फायदा कंपनियों और सरकार को हो रहा है। महंगाई बढ़ने से इन्हीं दोनों को सबसे ज्यादा फायदा होता है। हर कंपनी का तिमाही और वार्षिक मुनाफा पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ता जाता है। लेकिन गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दबता जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग की आय नहीं बढ़ती है। उसे अपने खर्च को पूरा करने के लिए समान पर कटौती करना पड़ती है। लोगों को पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण बीमारी का शिकार भी होना पड़ रहा है। महंगाई बढ़ने से सरकार की कमाई निरंतर बढ़ रही है। सरकार ज्यादा से ज्यादा राजस्व प्राप्त करने के लिए महंगाई के प्रति आंख मूंदकर बैठी हुई है। लोकसभा का चुनाव चल रहा है। सरकार को इस बात की भी चिंता नहीं है, बढ़ती हुई महंगाई से कहीं मतदाता नाराज ना हो जाए। जिस तरह के हालात वर्तमान में बन गए हैं, वह गरीब, निम्न एवं मध्यम वर्ग के लिए काफी दुखदाई साबित हो रहे हैं।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

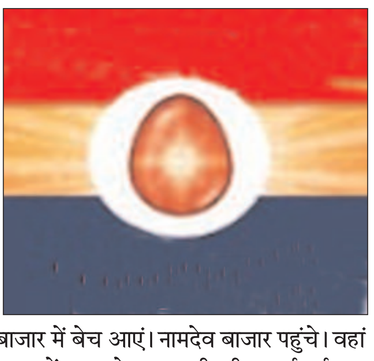

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

मोदी बनाम मुद्दा बना चुनावी विमर्श

-तनवीर जाफरी

देश में 18 वीं लोकसभा निर्वाचित करने का चुनावी दौर जैसे जैसे आगे बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे चुनावी माहौल में भी तल्खी बढ़ती जा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से ऐसी तमाम बातें सुनी जा रही हैं जिसकी देश के प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति से उम्मीद भी नहीं की जा सकती। वैसे तो प्रधानमंत्री पद पर बैठते ही मोदी ने अपने बड़पोलेपन और झूठ से देश और दुनिया को आश्चर्य चकित करना शुरू कर दिया था। परन्तु उससे भी बड़े आश्चर्य की बात तो यह कि उन्होंने अपने इस बड़पोलेपन,झूठ और अवैज्ञानिक बातों पर विराम लगाने के बजाये इसे और भी बढ़ाना शुरू कर दिया। शायद उन्होंने देश की जनता को मूर्ख और अनपढ़ समझ रखा था। नाली से गैस निकालकर चाय बनाना,ट्रैक्टर के ट्यूब में गोबर गैस भरकर उससे इंजन चलाकर खेतों की सिंचाई करना, बादल में रडार का काम न करना जैसी अनेक बेतुकी व तथ्यविहीन बातें बोलकर प्रधानमंत्री ने अपने पद की गरिमा को दागदार किया। इसके अतिरिक्त उनका दूसरा प्रिय मिशन रहा गांधी नेहरू परिवार का निम्न स्तर तक विरोध,कांग्रेस मुक्त भारत की उनकी दिली मनोकामना, मुसलमानों का हद दर्जे तक विरोध और विपक्षी नेताओं विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा बोली गयी बातों को अपनी सुविधा के हिसाब से ट्विस्ट देना और बात का बतंगड़ बना देना। मिसाल के तौर पर राहुल गाँधी ने 21 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित करते हुये कहा था, कि हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। बाद में उन्होंने शक्ति शब्द की और व्याख्या करते हुये कहा कि - वह शक्ति क्या है? हमारी लड़ाई नफरत भरी आसुरी शक्ति के खिलाफ है। हमारी आसुरी शक्ति से लड़ाई हो रही है, नफरत भरी आसुरी शक्ति से। परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शक्ति शब्द का प्रयोग अपनी सुविधानुसार करते हुये कहा कि उनके लिए हर मां-बेटी शक्ति का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिससे यह साबित होता है कि मोदी सिर्फ फुजूल की बातों में लोगों को उलझाकर जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। परन्तु 2024 के इस ऐतिहासिक चुनाव में इंडिया गठबंधन के नेता विशेषकर राहुल व प्रियंका गांधी अपने चुनाव प्रचार अभियान को जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित करने में पूरी तरह सफल रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि कांग्रेस नेता, मोदी की घटिया व निम्नस्तरीय बातों से भी लोगों को अवगत कराकर यह बताने में भी सफल रहे हैं कि जनता से मोदी का निरर्थक इकतरफा संवाद दरअसल जनता का ध्यान भटकाने के लिये है। और यह भी कि प्रधानमंत्री कि इस तरह की संवाद शैली देश के प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अशोभनीय है तथा देश की बदनामी का सबब भी है। साथ ही विपक्ष जनता को यह बताने में भी कामयाब हुआ है कि किस तरह मोदी फुजूल की बातों में लोगों को उलझाकर और लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ कर जनसरोकार से जुड़ी वास्तविक समस्याओं से लोगों का ध्यान भटकने की कोशिश कर रहे हैं। जब मोदी कहते हैं कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में देश के लिये कुछ बनाया ही नहीं तो प्रियंका गाँधी उसके जवाब में मोदी से ही पूछ रही हैं कि जिन दर्जनों सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी एस यू) को आप अपने चंद मित्रों के हवाले कर रहे हैं वह कांग्रेस के नहीं तो किसके बनवाये हुये हैं ? विपक्ष मोदी से उन्हीं के वादों को याद दिलाते हुये यह भी पूछ रहा है कि 10 साल पहले आपने लोगों के खाते में 15 लाख रुपये डालने को कहा था, वह क्यों नहीं आये ? जबकि चंद पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये कर्ज मुआफ कर दिये गये ? कहाँ हैं आपके वादे के 10 वर्ष पूर्व घोषित किये गये 100 स्मार्ट सिटी ? कहाँ हैं आपके वादों के 2 करोड़ रोजगार ? 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वचन कहां गया ? आर जे डी नेता तेजस्वी यादव ने तो अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक नये तरीके का प्रयोग किया। उन्होंने पूर्व में नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से किये गए वादों का एक ऑडियो उन्हीं की आवाज में अपनी जनसभा में सुना डाला। अपनी तरह का यह अनूठा प्रयोग था। मोदी को उन्हीं के वादों की याद दिलाकर उन्हें कटघरे में खड़ा करना कितना विपक्ष के लिये कितना कारगर साबित हो रहा है इसका अंदाजा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे लहजों व उनके द्वारा उठाये जा रहे निरर्थक व बचकाना किस्म के मुद्दों से लगाया जा सकता है। कभी कहते हैं कि कांग्रेस के लोग मटन बनाने का मौज ले रहे हैं। कभी बोलते हैं कि अगर आपके पास दो भैंस है तो कांग्रेस उसमें से एक भैंस छीन कर ले जाएगी। कभी कांग्रेस व विपक्षी गठबंधन को हिन्दू विरोधी बताते हुये कहते हैं कि यह हिन्दू धर्म को खत्म करना चाहते हैं। तो कभी यह कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो क्रिकेट टीम में मुसलमानों को भर देगी। यहाँ तक कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो बहनों का मंगल सूत्र छीन लेगी और आपका सोना ले लेगी। यानी अजीब अजीब सी बदहवासी भरी बातें जिसका राजनीति से कोई वास्ता ही नहीं, इसतरह की बातें कर वह उन सवालों से बचना चाहते हैं जो जनता के वास्तविक सवाल हैं। नरेंद्र मोदी के फुजूल, निम्नस्तरीय, गैर राजनैतिक व साम्प्रदायिक विद्वेष से भरे बयान निश्चित रूप से इस बात का सुबूत हैं कि वे विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों के सामने बौखला से गए हैं। जब कांग्रेस व इण्डिया गठबंधन सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना खत्म कर सैनिकों की पूर्ववत भर्ती करने की बात करती है तो देश के युवाओं में उम्मीद जगती है। किसानों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाने की बात कर विपक्ष किसानों में आस जगाता नजर आता है। कांग्रेस पार्टी की 5 गारंटी ने तो नरेंद्र मोदी को इतना असहज कर दिया है कि वह बौखला कर कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बताने लगे हैं। बेशक यह हालात इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनावी विमर्श को मोदी बनाम मुद्दा बनाने में पूरी तरह कामयाब रहा है।

शिक्षा को प्राथमिकता देना चाहिए

- संजय गोस्वामी

शिक्षा समाज के भीतर व्यक्तित्व का यह विकास नई अवधारणाओं और तकनीकों को सीखने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिकों के विकास को बढ़ावा मिलता है। शिक्षा ऐसे अवसर प्रदान करती है जो जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायता करती है, जिसका लक्ष्य न केवल किताबी ज्ञान प्रदान करना है बल्कि विश्लेषणात्मक समझ और ज्ञान विकसित करना भी है। यह व्यक्तियों को जीवन में समाधान खोजने और प्रगति के लिए अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। शिक्षा, आय स्तर और गरीबी के बीच संबंध दुनिया भर में स्पष्ट है, शिक्षा में भारी निवेश करने वाले देशों में गरीबी का स्तर कम है। गरीबी के चक्र को तोड़ने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षित व्यक्तियों के गरीबी से बाहर निकलने और दोबारा उसमें गिरने से बचने की संभावना अधिक होती है। अनुसंधान इंगित करता है कि शिक्षा न केवल बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करती है बल्कि व्यक्तियों को समाज में सकारात्मक योगदान देने, समृद्धि और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में भी मदद करती है। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देकर, देश गरीबी से लड़ सकते हैं और सामाजिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे अंततः जीवन स्तर में सुधार और सामाजिक प्रगति हो सकती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षा तकनीकी नवाचारों और सांस्कृतिक प्रगति के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दुनिया शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो व्यक्तियों को विशिष्ट ज्ञान, कौशल, मूल्य और व्यवहार प्रदान करता है, जिससे बौद्धिक, नैतिक और शारीरिक आत्मविश्वास बढ़ता है। भर में सार्वभौमिक और गैर-सार्वभौमिक शिक्षा दोनों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने से न केवल आर्थिक आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि गरीबी उन्मूलन की दिशा में भी काम होगा। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष जो बच्चा स्कूल में बिताता है, उसकी औसत आय 10 प्रतिशत बढ़ जाती है। इससे न केवल घरेलू आय बढ़ती है बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक आत्मविश्वास भी बढ़ता है। शिक्षा व्यक्तियों को बेहतर रोजगार के अवसर सुरक्षित करने, नवोन्वेषी बनने, व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से बढ़ने और आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। 2024 में जनसंख्या, शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के साथ-साथ शिक्षा और गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण के बीच एक संबंध है। अध्ययनों से पता चलता है कि अनिवार्य शिक्षा की अवधि और सेमेस्टर की लंबाई बढ़ाने से सापेक्ष गरीबी का अनुभव करने की संभावना 6-8% तक कम हो सकती है। सापेक्ष गरीबी को दूर करने और अंतर-पीढ़ीगत संचार को बढ़ावा देने में शिक्षा महत्वपूर्ण है। हालाँकि, गरीबी स्वयं शिक्षा तक पहुंच में बाधा बन सकती है, जिससे शैक्षिक उपलब्धियों, आय, स्वास्थ्य और समग्र कल्याण में असमानता पैदा हो सकती है। भारत में गुणवत्ता, क्षमता और शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार के लिए शिक्षा में निवेश करना आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को उनकी आर्थिक, सामाजिक या जातिगत स्थिति की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करके सामाजिक असमानताओं को दूर करना भी होना चाहिए। अंततः, शिक्षा आर्थिक विकास, सामाजिक परिवर्तन और गरीबी उन्मूलन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे समग्र रूप से समाज की प्रगति और समृद्धि होती है। सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ावा देने और इसे सभी के लिए सुलभ बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए, जिससे एक सर्वांगीण और शिक्षित समाज की नींव तैयार की जा सके।

आज का राशिफल

मेष आज आपका दिन शुभ कार्य में बीतेगा। आपके लिए भाग्य में वृद्धि के योग बन रहे हैं।

तुला आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आज ग्रहों के योग से आपका दिन शुभ रहेगा।

वृषभ दिन लाभ से भरा होगा। ऑफिस में लोग आपसे आगे निकलने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

वृश्चिक कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।

मिथुन आर्थिक मामलों में सामान्य बीतेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे।

धनु आज आपके लिए भाग्य में वृद्धि के योग बन रहे हैं। आपको सरकारी कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क आज शुभ कार्य में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा।

मकर आज धन में वृद्धि होगी और आपका भाग?य आपको सफलता प्रदान करेगा।

सिंह आपका भाग्य हर मामले में साथ देगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कुंभ आज का दिन सम्मान से भरा होगा और आज आप सभी कार्य समय से पूरे कर लेंगे।

कन्या दिन चुनौतियों से भरा होगा। आपके सामने आज ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी होंगी।

मीन आज का दिन हर मामले में मिलाजुला रहेगा। आज पूरे दिन आय के नए स्रोत सामने आएंगे।

विशेष

परिवार के लिए नहीं भारत के लिए जीतें है मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले कहा था, भारत में रहने वाले सभी लोग मेरा परिवार है। में परिवार के लिए ही काम करता हूं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गिरिडीह की सभा में कहा है, मैं परिवार के लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए जीता हूं। मैं एक गरीब मां का बेटा हूं। लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर दिन नया-नया बयान देते हैं। जो पुराने बयान से अलग होता है। अब लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं,कि वह मोदी के परिवार के सदस्य हैं या नहीं हैं।

पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी गिरफ्तार

भगवा वस्त्र पहनकर अपराध करना आसान होता है। भगवा वस्त्रों पर लोग जल्दी विश्वास कर लेते हैं। जब महामंडलेश्वर जैसी पदवी हो,साध्वी हों,तो अपराध करना और भी आसान हो जाता है। पुलिस ने निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकिनी देवी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगी के आरोप में इन्हें गिरफ्तार किया गया है। निरंजनी अखाड़े ने अब इन्हें महामंडलेश्वर के पद से अलग कर दिया है। मध्य प्रदेश से लेकर राजस्थान,उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश में इन्होंने लोगों को मनो कामना पूरी करने के लिए हर तरह से ठगा है। करोड़ों रुपयों की कमाई की है। दो राज्यों में उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज हो गए हैं। ठगी के अपराध और गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाने का भी नाटक किया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1568: स्काट्स की रानी मेरी ने इंग्लैंड में शरण ली. 1770: मेरी एंटोनियो का विवाह फ्रांस नरेश लुई 16वें से हुआ. 1811: निकोलस सोल्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को ब्रिटिश फौजों ने अल्बुहेरा में रोक दिया. 1929: हालीवुड में अकादमी पुरस्कारों की शुरूआत हुई थी जिन्हें 1931: में आस्कर नाम दिया गया. 1932: जापान के प्रधानमंत्री सुयोसी इनुकाई की हत्या 1960: भारत और इंग्लैंड के बीच टेलेक्स सेवा शुरू हुई. 1963: अमरीकी अंतरिक्ष यात्री मार्डन कूपर अंतरिक्ष में 22 चक्कर लगाने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे. 1967: ब्रिटेन के यूरोपीय आर्थिक समुदाय में शामिल होने के मुद्दे पर फ्रांस में वोटो किया. 1969: सोवियत अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह पर उतरा. 1975: सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य बना. 1975: जापान की जुंको ताबेई एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला बनी.

दैनिक पंचांग

16 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

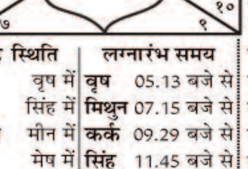

गुरुवार 2024 वर्ष का 137 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 06.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 18.14 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 08.23 बजे को समाप्त।
करण बव 06.23 बजे तदनन्तर बालव 19.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871981
जूलियन दिन 2460446.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्काद
तारीख 07
विशेष सीता नवमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.13 बजे से
चंद्र	सिंह में	मिथुन	07.15 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.29 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.45 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	13.57 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	16.07 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.22 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.38 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.43 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	00.30 बजे से
		मीन	02.02 बजे से
		मेष	03.33 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पिछड़े वोटों की लड़ाई में किसकी होगी जीत

वास्तव में 2014 के पहले अति पिछड़ा और अति दलित मतदाता बिखरा हुआ था, किसी एक को वोट नहीं कर रहा था। लेकिन, मोदी के आने के बाद यह वर्ग एकजुट हुआ है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपने इस वोट बैंक को कैसे बचाए। लेकिन, विपक्ष के सामने चुनौती और भी बड़ी है। उसे सोचना है कि कैसे अति पिछड़े मतदाताओं को अपने साथ जोड़े।

(बृजेश शुक्ल)

पिछड़े, अति पिछड़े और दलित वोटों के लिए एनडीएम और इंडिया. गठबंधन के बीच जंग और भी तीखी होती जा रही है। वास्तव में पिछड़ा, अति पिछड़ा और अति दलित वोट से ही चुनावी लड़ाई का फैसला होगा। विपक्षी दलों को भी इस बात का अहसास है कि अति पिछड़े वोटों के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता।

लड़ाई क्यों

विपक्षी गठबंधन इंडिया. के लगभग सभी बड़े नेता भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह यदि सत्ता में आई तो आरक्षण खत्म कर देगी। उधर, भाजपा ने यह कहकर मोर्चा खोल दिया है कि कांग्रेस पिछड़ों का आरक्षण मुसलमानों को देना चाहती है। आखिर अति पिछड़े और अति दलित वोटों के लिए यह जंग क्यों हो रही है? इस आम चुनाव में यह वर्ग किसके साथ है?

बंटी हुई राय

बरेली से 15 किलोमीटर दूर पड़ता है गांव परसा खेड़ा। यहां के मोहन पाल अति पिछड़े हैं और उनका कहना है कि अगर मोदी को आरक्षण खत्म ही करना होता तो 10 साल में ऐसा कुछ दिखता जरूर। लेकिन, लखनऊ के बख्शी का तालाब के राम सिंह यादव कहते हैं, 'आरक्षण खत्म करने की पूरी तैयारी हो रही है, इसीलिए माहौल अखिलेश यादव के पक्ष में लग रहा है।'

कैसे पलटी बाजी

वास्तव में अति पिछड़े और अति दलित चुनाव के केंद्र में आ गए हैं। यह लड़ाई इसलिए भी तीखी हो रही है, क्योंकि विपक्षी दल समझ चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की असली ताकत अति पिछड़े और अति दलित ही हैं। इस वोटबैंक में सेंध लगाए बिना चुनावी लड़ाई नहीं जीती जा सकती। 2014 के पहले पिछड़ा वर्ग के बीच समाजवादी पार्टी ज्यादा मजबूत थी और दलित, अति दलित वोटर्स के बीच बसपा प्रमुख मायावती का गहरा प्रभाव था। लेकिन, स्थितियां इस तरह पलटीं कि यह वर्ग मोदी के पीछे खड़ा हो गया।

एनडीए और इं..डि..या.. के बीच जंग

एकता में ताकत

2014 के बाद से यह साफ हो चुका है कि पिछड़ों का मतलब केवल संख्या की दृष्टि से ज्यादा बड़ी और सशक्त जातियां नहीं, बल्कि वे तमाम जातियां हैं जो बिखरी हुई रही हैं, लेकिन एकजुट होकर बड़ी ताकत बन गई हैं। अब वे किसी को भी हरा और जिता सकती हैं। राहुल गांधी हों, तेजस्वी यादव या फिर अखिलेश यादव सभी समझ चुके हैं कि अति पिछड़ा और अति दलित के समर्थन के बिना वे चुनावी जंग नहीं जीत सकते।

समाजवादी पार्टी का संघर्ष

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस बार पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा दिया है। क्या इससे उन्हें कामयाबी मिलेगी? इसमें कोई दो राय नहीं कि भाजपा के किले को भेदने की अखिलेश हर संभव कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। जमीन पर देखने से साफ हो जाता है कि अति पिछड़ों में अब भी मोदी का प्रभाव है और सपा उसमें सेंध नहीं लगा पाई है।

भाजपा की चुनौती

2014 से लगातार चुनावी मात खाने वाला विपक्ष समझ चुका है कि उसे किसी भी तरह से उस अति पिछड़े वर्ग को साथ लाना होगा, जो उससे दूर चला गया है। वास्तव में 2014 के पहले अति पिछड़ा और अति दलित मतदाता बिखरा हुआ था, किसी एक को वोट नहीं कर रहा था। लेकिन, मोदी के आने के बाद यह वर्ग एकजुट हुआ है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपने इस वोट बैंक को कैसे बचाए। लेकिन, विपक्ष के सामने चुनौती और भी बड़ी है। उसे सोचना है कि कैसे अति पिछड़े मतदाताओं को अपने साथ जोड़े।

निर्णायक स्थिति

मोदी जानते हैं कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में यूपी और बिहार में उन्हें जो भारी सफलता मिली, उसके पीछे इसी वर्ग का समर्थन था। यह मतदाता वर्ग कितना निर्णायक है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मोदी के सामने सबसे कठिन चुनौती 2019 के लोकसभा चुनाव की थी। यूपी में सपा, बसपा और राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) ने गठबंधन किया था। आंकड़ों में इस गठबंधन का वोट प्रतिशत 50 से ज्यादा जा रहा था। इसके बावजूद उस चुनाव में विपक्षी गठबंधन को बुरी हार का सामना करना पड़ा। 2019 में यूपी से जो परिणाम आए, उसने बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के होश उड़ा दिए।

यूपी का रण

अब आते हैं साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव पर। तब बड़ी संख्या में अति पिछड़े नेताओं ने भाजपा का साथ छोड़ा और सपा के साथ जा खड़े हुए। लेकिन, महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अति पिछड़ा मतदाता भाजपा के साथ डटा रहा। तमाम आकलन को झुठलाते हुए भाजपा भारी बहुमत के साथ फिर यूपी की सत्ता में आ गई।

असंतोष की वजह

अति पिछड़े और अति दलित के भाजपा से जुड़े होने का कारण क्या है, इसे समझना होगा। यह धारणा रही है कि पिछड़ा वर्ग में कुछ बड़ी जातियां अति पिछड़ों का हिस्सा हजम कर जाती हैं। इसे लेकर काफी असंतोष भी रहा। जब मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई तब पिछड़ा एक वर्ग था, लेकिन जब पिछड़ों में एक तबके को उसका कोई लाभ नहीं मिला तो उस वर्ग में असंतोष पैदा हुआ। वही मतदाता 2014 में मोदी के पीछे खड़ा हो गया।

हक की लड़ाई

पिछले चुनावों में भाजपा को अति पिछड़ा और अति दलित वर्ग के बड़े हिस्से का साथ मिला। वहीं, राहुल गांधी भी साबित करना चाहते हैं कि कांग्रेस और उनका गठबंधन अति पिछड़े और अति दलित के साथ है। इसीलिए राहुल जाति जनगणना का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन, पिछले चुनावों में उन्हें इस सिलसिले में कुछ राज्यों को छोड़ दें तो बड़ी कामयाबी नहीं मिली।

इंडिया शाइनिंग' बनाम 'चार सौ पार'

(संजय तिवारी)

उत्साह हमेशा अच्छा होता है लेकिन अति उत्साह अक्सर काम बिगाड़ देता है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ताकतवर मंत्री और तब की भाजपा के रणनीतिकार प्रमोद महाजन को यही अति उत्साह भारी पड़ा था। 2004 के आम चुनाव में उन्होंने अटल सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए 'इंडिया शाइनिंग' का नारा दिया था। चुनावी रणनीति के अनुसार देश के हर चौराहे, गली-मुहल्ले को इंडिया शाइनिंग के पोस्टरों और बैनरों से पाट दिया गया था। इन पोस्टरों में अटल सरकार की स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी उपलब्धियां गिनाई गयी थीं। लेकिन जब चुनाव परिणाम आये तो सभी प्रकार से अच्छे काम करने के बावजूद भाजपा कांग्रेस सहित क्षेत्रीय पार्टियों के सामने धराशायी हो गयी। उसे 138 सीटें मिलीं जबकि कांग्रेस को 145 सीटें। इसके अलावा सीपीआईएम, डीएमके, समाजवादी पार्टी तथा राजद क्षेत्रीय ताकतें बनकर उभरीं और कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बना ली गई। बाद में जब उस आम चुनाव का खुद भाजपा के लोगों ने विश्लेषण किया तो उन्हें समझ में आया कि प्रमोद महाजन का अति उत्साह भाजपा को भारी पड़ गया। इसके दस साल बाद 2014 में ही भाजपा दोबारा सत्ता में लौट पायी जब नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में उसने प्रचंड बहुमत हासिल कर लिया। लेकिन सवाल यह है कि प्रचंड बहुमत के साथ अपना दो कार्यकाल पूरा कर चुके नरेन्द्र मोदी ने भी 2024 में अति उत्साह में वही गलती तो नहीं कर दी है जो 2004 में प्रमोद महाजन ने की थी?

आम चुनाव की घोषणा होने के पहले से ही 2024 के चुनाव को लेकर जो नरेन्द्र मोदी दिख रहे हैं, वह उसके पहले के दो आम चुनावों में नहीं दिखे थे। मसलन, इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने खुद कभी अपने मुंह से यह मांग या दावा नहीं किया था कि अगली बार वो सरकार बनाना चाहते हैं या सरकार बनाने जा रहे हैं। यहां तक कि 2014 के चुनाव में पहली बार भाजपा को पूर्ण बहुमत से भी अधिक सीट दिलानेवाले नरेन्द्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो अपना काम करते हैं, परिणाम की चिन्ता नहीं करते। उस समय उन्होने यह भी कहा था कि वो कभी एक्जिट पोल की भी चिंता नहीं करते कि कौन क्या कह रहा है। बकौल मोदी के वो तो परिणाम वाले दिन भी रिजल्ट में रुचि दिखाये बिना अपनी सामान्य दिनचर्या अनुसार काम करते हैं। किसी के भी द्वारा बोली जानेवाली यह भाषा उसके आत्मविश्वास को दर्शाती है कि वह जो कर रहा है उसकी सफलता को लेकर उसे रंचमात्र भी संदेह नहीं है। 2002 से 2019 तक नरेन्द्र मोदी का यही आत्मविश्वास दिखा और उन्हें लगातार जीत भी मिली है। भाजपा के लिए मोदी एक ऐसा खरा सिक्का बन गये कि चुनाव जीतने के लिए जिनका नाम ही काफी है। लेकिन इस बार मोदी के व्यवहार में बदलाव दिख रहा है। पहली बार मंचों से वो खुद न केवल जनता से अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांग रहे हैं बल्कि लगभग हर मंच से कांग्रेस के सत्ता में लौटने का डर भी दिखा रहे हैं। 2014 से 2024 में फर्क यह आया है कि मोदी के लिए जो बातें उनके समर्थक, उनका प्रचारतंत्र और उनकी पार्टी बोलती थी इस बार वो सारी बातें मोदी खुद बोल रहे हैं। मसलन पहली बार का नारा 'अबकी बार मोदी सरकार' हो या फिर दूसरी बार का नारा 'आयेगा तो मोदी ही' को खुद मोदी ने कभी मंच से नहीं दोहराया था। यह काम जमीन पर उनके समर्थक कर रहे थे। लेकिन अब तीसरे कार्यकाल के लिए जब वो चुनाव मैदान में हैं तब उनके समर्थकों में ही वह उत्साह नहीं दिख रहा है जो बीते दो चुनावों में दिखता था। मानों समर्थकों ने भी मान लिया है कि जब मोदी अपनी योजना से चार सौ पार जा रहे हैं तो फिर उसको सक्रिय होने की क्या जरूरत है? अभी तक उत्तर भारत की जिन सीटों पर वोटिंग हुई है वहां मोदी चर्चा के केन्द्र में नहीं दिखाई दिये हैं। चुनाव के मुद्दे और चर्चाएं या तो हैं नहीं और अगर हैं भी तो स्थानीय हैं। 2014 के मोदी के प्रचार अभियान से इस बार एक और अंतर दिख रहा है कि वो अभी तक अपना वह चुनावी एजंडा सेट नहीं कर पाये हैं जिससे उनके समर्थकों और पार्टी वर्कर में जोश भर जाए। 'अबकी बार चार सौ पार' से उनके चुनावी अभियान की जो शुरुआत हुई वह मुस्लिम आरक्षण से होते हुए कांग्रेस, पाकिस्तान, चिट्ठी लिखकर हर बूथ पर कांग्रेस को हराने तक पहुंच गयी है। मोदी जो भी बोल रहे हैं या जो मुद्दे उठा रहे हैं उसमें कुछ भी ऐसा नहीं है जो नया हो। बीते दो चुनाव उन्होंने इन्हीं शब्दों के सहारे लड़ा था लेकिन तीसरी बार फिर से उन्हीं शब्दों को दोहराने से न तो विरोधियों को कोई खास फर्क पड़ रहा है और न ही समर्थकों में कोई उत्साह नजर आ रहा है। इस बार एक बात और गौर करने लायक है कि राहुल गांधी जहां स्वतंत्र रूप से मुद्दे उठा रहे हैं, वहीं मोदी या तो उन मुद्दों का जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं या फिर पूरे चुनाव को राहुल बनाम मोदी करने का प्रयास करते दिख रहे हैं। राहुल गांधी इस बार ज्यादा मैच्योर तरीके से प्रचार अभियान में हैं और मजाक बनने से अब तक बचे हुए हैं। वो इस तरह से मुद्दा उठा रहे हैं कि खुद मोदी को जवाब देना पड़ रहा है। यह राहुल गांधी द्वारा उठाये गये सवाल का ही असर है कि ऐन चुनाव के बीच राष्टपति द्रौपदी मुर्मू अयोध्या में रामलला का दर्शन करने पहुंच गयीं। आखिरकार घूम फिरकर मोदी और भाजपा ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाने की बजाय दस साल से सत्ता से बाहर बैठी कांग्रेस की नाकामियां गिनाना शुरु कर दिया है। वो कांग्रेस के सत्ता में लौटने का डर दिखा रहे हैं जिसकी फिलहाल 2024 में तो कांग्रेस को ही उम्मीद नहीं है। फिर भी चार सौ पार के जिस नारे से चुनाव अभियान की शुरुआत हुई थी वही भाजपा के गले की फांस बनता जा रहा है। अब अगर एनडीए को इससे कम सीटें आती है तो यही मोदी की हार घोषित हो जाएगी भले ही भाजपा-एनडीए को इतनी सीटें मिल जाएं कि वह सरकार बना ले।

कैसे 'इंडिया' के गढ़ में भी सपा के बागी गेम बिगाड़ने में लगे थे

(अंजन कुमार चौधरी)

उत्तर प्रदेश में वैसे भी कुछ ही लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जो इंडिया ब्लॉक के लिए दावे के साथ मजबूत कही जा सकती हैं। अगर उन सीटों पर भी सहयोगी दलों के बागियों की वजह से ही खेल खराब हो रहा है तो चिंता होनी ही चाहिए। यूपी में कई सीटों पर यही स्थिति बन रही है, जहां सपा के बागी विधायक बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन, इंडिया ब्लॉक के लिए सबसे बड़ी परेशानी की वजह ये है कि उनमें से कुछ सीटें ऐसी हैं, जो परंपरागत रूप से उसके लिए संभावित मानी जा सकती हैं।

ये सपा के वैसे विधायक हैं, जो राज्यसभा चुनावों में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए क्रॉस-वोटिंग कर चुके हैं। लेकिन, तकनीकी रूप से यह अभी भी समाजवादी पार्टी के सदस्य हैं। फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी के 8वें उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए कम से कम 7 विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग की थी। तब यूपी में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए चुनाव करवाए गए थे।

पिछले एक महीने में इन विधायकों के परिवार के कई सदस्य औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल भी हो चुके हैं। मंगलवार यानी 7 मई को तीसरे चरण में जहां चुनाव हुए हैं, उसमें बदायूं भी शामिल था। यह सीट समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाती है। बिसौली विधानसभा सीट से सपा एमएलए आशुतोष मौर्य की पत्नी और बहन पिछले महीने लखनऊ में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हो गई थीं। उन्होंने भाजपा के पक्ष में ओबीसी वोट जुटाने के लिए काम किया है। रायबरेली में भी राहुल के लिए 'बागी' संकट इसी तरह से रायबरेली लोकसभा सीट कांग्रेस की गढ़ है और इस बार इसे बचाने की जिम्मेदारी राहुल गांधी ने खुद अपने ऊपर ली है। उनके मुताबिक वह अपनी मां की कर्मभूमि की सेवा के लिए आए हैं। लेकिन, यहां की ऊंचाहार सीट से तीन बार के सपा विधायक मनोज पांडे बीजेपी के लिए प्रचार कर रहे हैं। पांडे क्षेत्र के कद्दावर ब्राह्मण चेहरा हैं और रायबरेली लोकसभा सीट पर इस वोट बैंक का अपना एक महत्त्व रहा है। मनोज पांडे का ऐसा ही दबदबा रहा है कि मोदी लहर में भी वह अपनी सीट जिताकर सपा को देते रहे हैं और सोनिया गांधी तक को लोकसभा पहुंचाने में मददगार बन चुके हैं। इसी तरह से इंडिया ब्लॉक के लिए एक और अहम सीट कही जा सकती है अमेठी। हालांकि, 2019 में राहुल गांधी यहां बीजेपी की स्मृति ईरानी से हार चुके हैं। लेकिन, इस बार भी यहां सपा के एक दिग्गज एमएलए राकेश प्रताप सिंह की वजह से कांग्रेस पार्टी की चुनावी जमीन और भी कमजोर होती नजर आ रही है। सिंह गौरीगंज विधानसभा सीट से एमएलए हैं और उनके भाई औपचारिक तौर पर बीजेपी का कमल थाम चुके हैं। यूपी की 80 लोकसभा सीटें देश में सरकार बनने का रास्ता तैयार करती हैं। यहां सभी 7 चरणों में मतदान हो रहा है और चार चरण के चुनाव अभी बाकी हैं। मतगणना 4 जून को होगी।

टनल इंजीनियर बनें, देश के साथ विदेशों में भी है अच्छी अपॉर्चुनिटी

अगर टनल इंजीनियर शब्द आपके लिए नया है, तो बता दें हम आपको इस फील्ड से संबंधित सारी जानकारी देने जा रहे हैं। टनल इंजीनियरिंग का कोर्स कर आप महीने के लाखों रुपए कमा सकते हैं।

दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले लोगों का टनल से तो वास्ता जरूर होता होगा। टनल ट्रांसपोटेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का हमेशा से एक अभिन्न अंग रहा है। इंजीनियर और एक्सपर्ट्स मिलकर टनल को तैयार करते हैं। सिविल इंजीनियरिंग का ही एक पार्ट टनल इंजीनियरिंग है। यह जियोटेक्निकल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग का एक कॉम्बिनेशन होता है। बता दें कि टनल इंजीनियर को चट्टानों व मिट्टी की काफी अच्छी समझ होती है। आपको बता दें कि आप टनल इंजीनियरिंग कर अपने भविष्य को एक दिशा दे सकते हैं। अगर टनल इंजीनियर शब्द आपके लिए नया है, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि टनल इंजीनियर कैसे बनते रहैं, इसके लिए कौन सा कोर्स करना चाहिए और इसमें जॉब की क्या संभावनाएं होती हैं।

योग्यता

यदि कोई युवा इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहता है, तो उसको सबसे पहले सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री प्राप्त करनी होगी। इसके बाद वह टनल कंस्ट्रक्शन में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। वहीं सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक या एमटेक करने के बाद आप टनल बोरिंग की तकनीकों में जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालय टनल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेशन कोर्स ऑफर करते हैं। इसके अलावा बीटेक-एमटेक करने के बाद भी आप टनल इंजीनियर बनने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

भारत देश में एक टनल इंजीनियर की एवरेज सैलरी करीब 1,73,615 रुपए के महीने के आसपास होती है। हांलाकि नॉलेज, स्किन और एक्सपीरियंस के हिसाब से ग्रोथ मिलती रहती है। ऐसे में युवा इस फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

ई-मेल मार्केटिंग का कोर्स कर कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में कंपनियां बड़ी संख्या में डिजिटल कंटेट राइटर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर और लीड ईमेल कंटेंट मार्केटर हायर करती हैं। ऐसे में आप भी इस क्षेत्र में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

वर्तमान समय में ईमेल के जरिए हर कंपनी मार्केटिंग अभियानों को कस्टमर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। आपको बता दें कि ग्राहकों के लिए ई-मेल मार्केटर ऐसी कॉपी लिखते हैं। जो कस्टमर को कंपनी के साथ इंगेज कर सके। इसके लिए ईमेल मार्केटर हर ईमेलर के लिए स्ट्रैटली तैयार करते हैं। वह कंटेट से लेकर ग्राफिक्स तक तैयार करवाते हैं। इस काम के लिए कंपनियां बड़ी संख्या में डिजिटल कंटेट राइटर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर और लीड ईमेल कंटेंट मार्केटर हायर करती हैं।

ऐसे में आप भी इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाकर घर बैठे काम सीख सकते हैं। इसके जरिए कंपनियां हफ्ते भर में होने वाली गतिविधियां न्यूजलेटर के जरिये ग्राहकों को हर हफ्ते भेजती रहती हैं। जिस कारण ईमेल मार्केटिंग आज एक बड़ी फील्ड के तौर पर उभरा है। ऐसे में अगर आप भी ईमेल मार्केटिंग करना जानते हैं, तो आप इस फील्ड में आसानी से लाखों का पैकेज उठा सकते हैं। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए आप डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको इस फील्ड से संबंधित सारी जानकारी देने का प्रयास कर रहे हैं।

क्या होती है ई-मेल मार्केटिंग

आपको बता दें कि यह एक कमर्शियल मैसेज की तरह होता है, जिसके इस्तेमाल से कंपनी सीधे तौर पर कस्टमर को टारगेट करती है। इसकी मदद से कंपनी कस्टमर को अपने उत्पाद के बारे में जानकारी देने के साथ उसकी उपयोगिता और विश्वसनीयता को बढ़ाने का काम करती है। यही कारण है कि ई मेल मार्केटिंग का कन्वर्जन रेट बाकी मार्केटिंग तरीकों की तुलना में ज्यादा होता है। वहीं कुछ टूल्स और सॉफ्टवेयर की मदद से आप इस काम को घर बैठे भी कर सकते हैं। ई-मेल मार्केटिंग में आप एक साथ सैकड़ों लोगों को कंपनी का मेल भेज सकते हैं।

ई-मेल मार्केटिंग का लक्ष्य

- अपने बिजनेस वेबसाइट को प्रमोट करना
- नए ऑफर्स की जानकारी कस्टमर्स को देना
- अपने उत्पादों को उपभोक्ता तक पहुंचाना
- अपने वेबसाइट का ट्रैफिक बढ़ाना

कैसे करें ई-मेल मार्केटिंग

अगर आप भी इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो आपके पास ई-मेल अकाउंट होना चाहिए। वर्तमान समय में तमाम कंपनियां ई-मेल के जरिए अपने मार्केटिंग अभियान को चलाती हैं। इस फील्ड में जाने के लिए आपके पास ई-मेल लिस्ट, मार्केटिंग टूल्स सेटअप होने के साथ ई मेल टेम्प्लेट भी होना भी जरूरी है।

ई-मेल मार्केटिंग कोर्स के लाभ

- ई-मेल मार्केटिंग के जरिए आप अपने बिजनेस या उत्पाद को प्रमोट कर सकते हैं।
- एक ही समय में आप कई लोगों को ई-मेल भेजने का काम कर सकते हैं।
- साथ ही आपके मेल को किसने देखा और किसने स्पैम किया, आप इसकी भी जानकारी ले सकते हैं।
- बता दें कि इसका कनवर्जन रेट काफी ज्यादा है।
- आप बेहद कम बजट के साथ यह मार्केटिंग कर सकते हैं।
- इसमें कस्टमर डायरेक्ट कंपनी से संवाद कर सकते हैं।

सैलरी

आपको बता दें कि इस फील्ड में कॅरियर बनाने वाले युवाओं को सालाना 6 लाख रुपए तक का पैकेज मिलता है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ ही सैलरी में इंक्रिमेन्ट होता रहता है।

कोर्स की खासियत

- गूगल सर्टिफाइड अनुभवी फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
- 100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेस
- एक्सपर्ट्स के साथ मास्टर क्लास
- 100 फीसद प्लेसमेंट असिस्टेंस
- 20 से ज्यादा लर्निंग टूल्स
- 8+ लाइव प्रोजेक्ट्स
- कम्प्लीमेंट्री कोर्स-सॉफ्ट स्किल्स

कॅरियर को मिलेगी नई दिशा

युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट, प्रोफेशनल और और लॉन्ग टर्म कोर्सेज की शुरुआत की गई है। बता दें कि डिजिटल मार्केटिंग के अलावा कई ऐसे कोर्स हैं, जिनको करके युवा अपने कॅरियर को नई दिशा दे सकते हैं।

कंटेंट मार्केटिंग के जरिए हर कंपनी बन रही बेस्ट युवाओं के लिए हैं कई अवसर

कोई भी कंपनी अपने प्रोडक्ट का प्रचार करने के लिए कंटेंट का सहारा लेती है। कंपनी द्वारा अपने प्रोडक्ट के लिए प्रचार करने का एक हिस्सा होता है। जिसे कंपनी के लिए काम करने वाले कंटेंट राइटर्स द्वारा किया जाता है।

अगर आप भी हर रोज अपने मोबाइल में तमाम विभिन्न कंपनियों द्वारा भेजे गए दर्जनों मैसेज, नोटिफिकेशन्स और व्हाट्सअप मैसेज और ईमेल्स को देखते होंगे। यह कंपनी द्वारा अपने प्रोडक्ट के लिए प्रचार करने का एक हिस्सा होता है। जिसे कंपनी के लिए काम करने वाले कंटेंट राइटर्स द्वारा किया जाता है। एक सर्वे के मुताबिक किसी भी कंपनी को तेजी से ग्रोथ पाने के लिए कंटेंट की जरूरत होती है। कंटेंट के जरिए ही बिजनेस लोगों के बीच पहचाना जाता है, जो धीरे-धीरे ब्रांड बन जाता है। यही कारण है कि साल 2026 तक कंटेंट मार्केटिंग का सेक्टर अपने वार्षिक रिवेन्यू को डबल करने जा रहा है। वहीं अगर साल 2022 के कंटेंट मार्केटिंग रिवेन्यू की बात की जाए, तो सिर्फ कंटेंट मार्केटिंग कंपनियों ने 66 बिलियन यूएस डॉलर गेन करने का काम किया है। ऐसे में अगर आप भी ग्रेजुएट हैं और अपने के लिए एक अच्छी नौकरी की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

कंटेंट मार्केटिंग में स्कोप

- वर्तमान समय में कंटेंट ही किंग है।
- हर फील्ड की कंपनियां अपने कस्टमर से कनेक्ट करने के लिए कंटेंट का सहारा लिया जाता है।
- साल 2019 से 80% कंपनियां कंटेंट के जरिए मार्केटिंग कर रही हैं।
- साल 2021 में 97% कंपनियां कंटेंट के माध्यम से मार्केटिंग करना शुरूकर चुकी हैं।
- वहीं साल 40% मार्केटर्स ने साल 2022 में कंटेंट मार्केटिंग का बजट बढ़ाया है।
- जो युवा इस फील्ड में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उनको आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती रहती है।
- बता दें कि कंटेंट मार्केटर की शुरूआती सैलरी 25,000 रुपए महीना होती है।

कस्टमर को कैसे दें प्रोडक्ट की जानकारी

हर फील्ड में कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में ग्राहकों को कई तरीके से जानकारी दी जाती है। आप वीडियो, जीआईएफ, ब्लॉग पोस्ट, इंफोग्रॉफिक, ईमेल न्यूजलेटर के जरिए कस्टमर को प्रोडक्ट की जानकारी दे सकते हैं। वहीं कस्टमर को जागरुक करने का सबसे प्रभावी तरीका प्रोडक्ट के बारे में तैयार किया गया ऑडियो विजुअल फॉर्मेट है। जोकि सबसे ज्यादा प्रचलन में है।

डिजिटल मार्केटिंग प्रोग्राम की खूबी

डिजिटल मार्केटिंग कोर्स बाकी संस्थानों की अपेक्षा कम कीमत में मिलता है। इस फील्ड में आपको 40 से अधिक टूल्स और मॉड्यूल्स के बारे में सिखाया जाता है। इसके अलावा आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, कंटेंट राइटिंग, गूगल एड, ई-मेल मार्केटिंग, फेसबुक एड, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ग्रॉफ़िक्स डिजाइन, एंटरप्रेंन्योरशिप स्किल भी सिखाई जाती हैं। इसमें कैंडिडेट को स्पोकन इंग्लिश की ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही कैंडिडेट को 2 महीने की ऑन जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है।

जॉब

- पे पर क्लिक एक्सपर्ट्स
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन
- सोशल मीडिया मैनेजर
- एफिलिएट मार्केटिंग
- गूगल एड एक्सपर्ट्स
- ई-मेल मार्केटिंग

मेधावी छात्रों को कोलगेट दे रहा बंपर स्कॉलरशिप

कोलगेट सीएसआर यानी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत खेल, शिक्षा व अन्य कई क्षेत्रों में योगदान के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम ऑफर करता है। इन स्कॉलरशिप के लिए चयनित उम्मीदवारों को 2 से 3 साल की अवधि तक हर साल 75,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे।

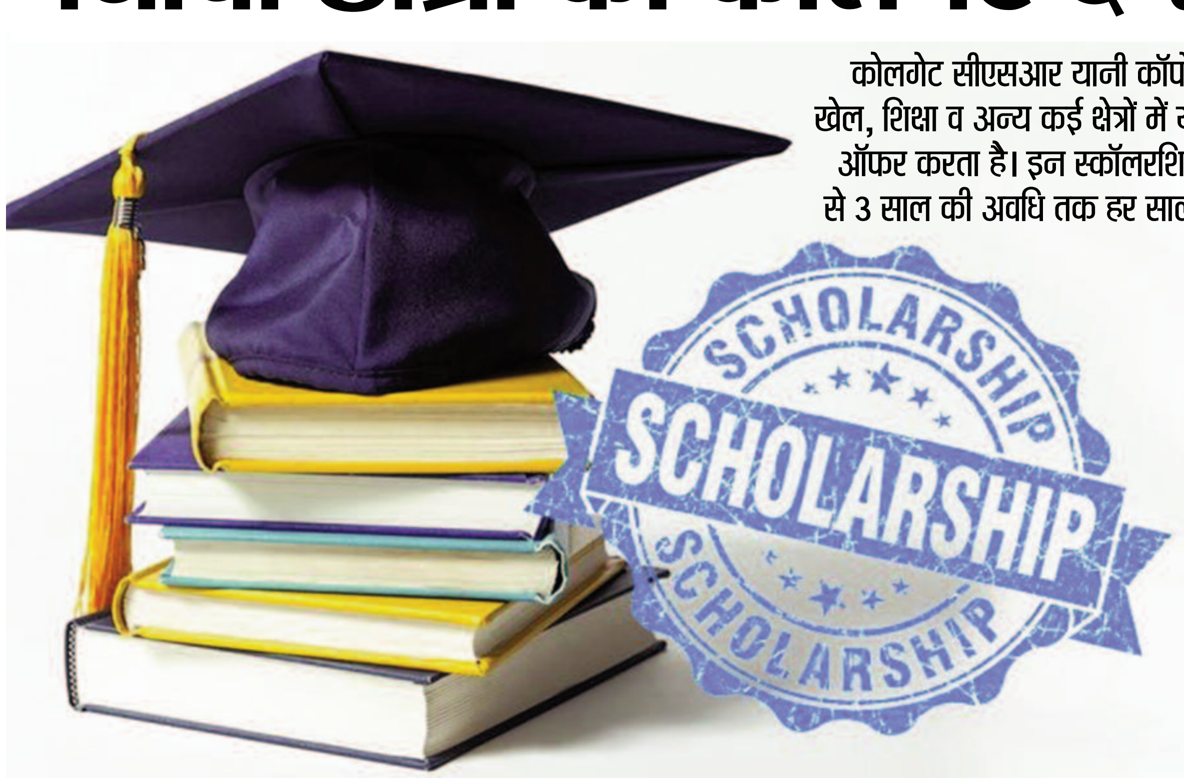

कोलगेट देश की सबसे बड़ी दंत मंजन कपनियों में से एक है। यह कंपनी सीएसआर यानी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत खेल, शिक्षा व अन्य कई क्षेत्रों में योगदान के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम ऑफर करता है। इस प्रोग्राम का नाम कोलगेट कीप इंडिया स्माइलिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम है। इस योजना के तहत मेधावी छात्रों को अपने सपने को पूरा करने की दिशा में प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा मेधावी छात्रों को उचित मेंटरशिप भी प्रदान करता है।

आपको बता दें कि कोलगेट कीप इंडिया स्माइलिंग फाउंडेशन के तहत उम्मीदवारों का चयन विभिन्न स्कॉलरशिप के लिए किया जाता है। इन स्कॉलरशिप के लिए चयनित उम्मीदवारों को 2 से 3 साल की अवधि तक हर साल 75,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए 11वीं कक्षा से लेकर ग्रेजुएशन तक के छात्र आवेदन कर सकते हैं। हांलाकि अलग-अलग क्लास के लिए अनिवार्य शैक्षिक योग्यताएं हैं।

क्वालिफिकेशन

- इस स्कॉलरशिप का लाभ वर्तमान में बीडीएस पाठ्यक्रम के किसी भी वर्ष में नामांकित छात्र ले सकते हैं।
- छात्रों को न्यूनतम 60% अंकों के साथ कक्षा 12 की परीक्षा पास होना अनिवार्य है।
- आवेदन के इच्छुक उम्मीदवारों का किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी या प्राइवेट स्नातक बीडीएस संस्थान में नामांकित होना चाहिए।
- छात्र के परिवार की सालान वार्षिक आय 8 लाख से कम होनी चाहिए।
- यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम का लाभ सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है।

डॉक्यूमेंट्स

- आवेदक का पासपोर्ट आकार का फोटो
- आय प्रमाण (फॉर्म 16ए/सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र/बीपीएल प्रमाण पत्र/वेतन पर्ची, आदि)
- छात्रवृत्ति आवेदक का बैंक खाता विवरण (रद्द चेक/पासबुक कॉपी)
- प्रवेश का प्रमाण (कॉलेज आईडी कार्ड/बोनाफाइड प्रमाणपत्र, आदि)
- पिछली कक्षा की मार्कशीट या ग्रेड कार्ड
- वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की शुल्क रसीद
- फोटो पहचान प्रमाण (आधार कार्ड)
- विकलांगता प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)

स्कॉलरशिप का लाभ

इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 11वीं के छात्रों को 2 साल तक 20,000 रुपए, ग्रेजुएशन व डिप्लोमा धारक छात्रों को तीन सालों तक 30,000 रुपए, अंडरग्रैजुएट/इंजिनियरिंग के स्टूडेंट्स को 4 सालों तक 30,000 रुपए, वोकेशनल कोर्स कर रहे छात्रों को 1 साल तक 20,000 रुपए और स्पोर्ट्सपर्सन को 3 सालों तक 75-75 हजार रुपये मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

बोइंग पर संकट गहराया, अमेरिका बोला– दो 737 मैक्स हादसों के लिए कंपनी पर चलाया जा सकता है मुकदमा

नईदिल्ली, एजेंसी। पांच साल पहले हुए दो अलग-अलग बोइंग 737 मैक्स विमान हादसे में बोइंग पर मुकदमा चलाया जा सकता है। इन हादसों में 346 लोगों की जान गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग के अधिकारियों ने टेक्सास में एक संघीय अदालत को लिखे पत्र में कहा कि बोइंग ने एक समझौते के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण दुर्घटनाओं के लिए उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। दूसरी ओर, बोइंग ने एक समाचार एजेंसी से कहा, हम मानते हैं कि हमने उस समझौते की शर्तों का सम्मान किया है। बोइंग ने कहा है कि वह खुद का बचाव करने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने पत्र में कहा कि बोइंग ने अपने संचालन के दौरान अमेरिकी धोखाधड़ी कानूनों के उल्लंघन को रोकने और पता लगाने के लिए मौजूदा निर्देशों को लागू करने में विफल रहकर अपने दायित्वों का उल्लंघन किया है। अमेरिकी न्याय अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के उल्लंघन का मतलब है कि बोइंग पर दुर्घटनाओं से संबंधित संघीय कानून के किसी भी उल्लंघन के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। सरकार इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि मामले में कैसे आगे बढ़ना है। इस मामले में बोइंग को 13 जून तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने लॉयन एयर फ्लाइट 610 और इथोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 के दुर्घटनाग्रस्त होने में मारे गए लोगों के परिवारों से भी मिलने की योजना बनाई है। दूसरी बोइंग एक समाचार एजेंसी को दिए बयान में कहा, हम पूरी पारदर्शिता के साथ विभाग के साथ सहयोग करेंगे, जैसा कि हमने समझौते की पूरी अवधि में किया है। इसमें अलास्का एयरलाइंस 1282 दुर्घटना के बाद उनके सवालों के जवाब देना भी शामिल है।

एफ एंड ओ में बेलगाम तेजी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जताई चिंता, जोखिमों को लेकर किया आगाह

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को खुदरा निवेशकों को वायदा एवं विकल्प कारोबार के जोखिमों को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इसमें बेलगाम तेजी भविष्य में परिवारों की जमा-पूंजी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई के एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि इस खंड में खुदरा कारोबार में कोई भी बेलगाम तेजी न केवल बाजार के लिए बल्कि निवेशकों की भावनाओं के लिए भी समस्याएं पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि पारिवारिक बचत में एक पीढ़ीगत बदलाव हुआ है। हम उसे सुरक्षित रखना चाहते हैं। बाजार नियामक सेबी के एक अध्ययन से पता चला है कि 10 में से नौ खुदरा निवेशकों को वायदा और विकल्प कारोबार में नुकसान होता है। वित्त मंत्री ने बीएसई से कड़े अनुपालन और मजबूत रेगुलेटरी मानकों के जरिये निवेशकों का भरोसा बढ़ाने के लिए सेबी के साथ मिलकर काम करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि बीएसई और एनएसई को प्रणालीगत जोखिम को कम करना चाहिए तथा बाजार की स्थिरता सुनिश्चित करनी चाहिए। अप्रैल में दो सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा था कि सेबी डेरिवेटिव बाजारों में उछाल से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का आकलन करने और यदि आवश्यक हो तो नीति में बदलाव का सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन करेगा।

बाजार में उतरते ही 150 रुपये पर पहुंचा टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रीकल्चरल प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी एक छोटी कंपनी टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस की शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के शेयर 61 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे के साथ 150 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के शेयर निवेशकों को 93 रुपये में मिले थे। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस की शुरुआत साल 2014 में हुई थी। कंपनी फल और सब्जियों के बिजनेस से जुड़ी है। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस अनार, ड्रैगन फ्रूट की खेती करने के साथ ही सागौन का प्लांटेशन करती है। इसके अलावा नींबू, तरबूज और मिर्च की भी खेती करती है।

शानदार लिस्टिंग के ठीक बाद टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के शेयर लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट की गिरावट के साथ 142.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस गिरावट के बाद भी निवेशक 93 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले हर शेयर पर करीब 50 रुपये फायदे में हैं। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 6.39 करोड़ रुपये का था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 8 मई को ओपन हुआ था और यह 10 मई 2024 तक खुला रहा। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्स्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के आईपीओ पर टोटल 37.13 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 32.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, अदर्स कैटेगरी में 35.35 गुना दांव लगा। टीजीआईएफ एग्रीबिजनेस के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे।

आईपीओ के एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को कंपनी के आईपीओ में 111600 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। कंपनी के आईपीओ में हाई नेटवर्थ इंडीविजुअल्स 2 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ के 2 लॉट में टोटल 2400 शेयर हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 99.80 पर्सेंट थी, जो कि अब 73.28 पर्सेंट रह जाएगी।

टाटा पावर के शेयर फिर दिखाने लगे दम, 3 दिन में 37 रुपये चढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर के शेयरों में लगातार दूसरे दिन भी तेजी जारी है। मंगलवार को इसमें तीन दिन की गिरावट थामने के बाद आज फिर से उछाल है। आज स्टॉक सुबह 433.80 रुपये पर खुला और देखते-देखते 438.95 रुपये पर पहुंच गया। घरेलू ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 490 रुपये प्रति शेयर के टार्गेट के साथ काउंटर पर कवरेज फिर से शुरू कर दिया है। टाटा पावर के शेयर 13 मई को 400 के करीब थे। आज 437 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे हैं। इन तीन दिनों में हर शेयर पर 37 रुपये का रिटर्न मिला है। केवल छह महीने में ही इसने करीब 70 फीसद का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में टाटा के इस शेयर ने करीब 110 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का हाई 464.20 रुपये और लो 201.80 रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अपने एक नोट में कहा है, टाटा पावर ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 800 करोड़ रुपये (साल-दर-साल 5 प्रतिशत अधिक) और वित्त वर्ष 24 में 3,200 करोड़ रुपये (साल-दर-साल 3 प्रतिशत अधिक) एडजस्टेड प्रॉफिट दर्ज किया। कम अंतरराष्ट्रीय कोयले की कीमतों के कारण प्रॉफिट में बढ़ोतरी कम हुई। ब्रोकेज ने कहा, टाटा पावर सर्वश्रेष्ठ आरई (रिन्युएबल) प्लेटफार्मों में से एक का निर्माण कर रहा है। टाटा पावर 3,000 करोड़ रुपये के ईबीआईटीडीए के साथ 4.5जीडब्लू आरई एसेट्स का संचालन कर रहा है। पिछले दो साल में कंपनी ने अपने निर्माणाधीन पोर्टफोलियो को बढ़ाकर 5.5जीडब्लू कर दिया है आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा , भारत अगले कुछ वर्षों में उच्च सब्सिडी और 40जीडब्लू लक्ष्य के साथ सोलर रूफटॉप सेगमेंट को बढ़ावा देने के लिए नीतियों में सुधार कर रहा है। हमें उम्मीद है कि टाटा पावर को इस अवसर से लाभ होगा। अनुमान है कि 2जीडब्लू रूफटॉप बाजार और 700 करोड़ रुपये का लाभ होगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिटेल रिसर्च) रवि सिंह ने कहा, तकनीकी सेटअप के आधार पर स्टॉक डेली चार्ट पर मजबूत दिख रहा था। निकट अवधि में काउंटर 444 रुपये के ऊपरी लक्ष्य तक पहुंच सकता है। स्टॉप लॉस 420 रुपये पर रखें।

केनरा बैंक के शेयर के होंगे 5 टुकड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। सुबह फोकस में रहेंगे, क्योंकि स्टॉक स्प्लिट होने से इस पर आज निवेशकों की नजर रहेगी। ब्रोक्रेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने 650 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ स्टॉक पर अपनी बी4 की सिफारिश बरकरार रखी है। एक अन्य ब्रोक्रेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने स्टॉक पर 530 रुपये का टार्गेट दिया है। पीएसयू बैंक ने बैंक के शेयरों के सब डिविजन के उद्देश्य से शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए बुधवार, 15 मई को रिकॉर्ड तिथि के रूप में भी तय किया है। 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक इक्विटी शेयर को पांच इक्विटी शेयरों में बांटा गया है। इनमें से प्रत्येक का फेस वैल्यू 2 रुपये है। स्टॉक स्प्लिट में शेयरों को छोटे फेस वैल्यू के शेयरों में विभाजित किया जाता है। इससे शेयर पूंजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। यह बोनस शेयर से अलग है। बोनस शेयर में शेयरों की संख्या के आधार पर मौजूदा शेयरधारकों को मुफ्त अतिरिक्त शेयर दिए जाते हैं। शेयरधारकों को नकद पेमेंट किए बिना बोनस शेयरों की घोषणा की जाती है। इससे रिजर्व कम हो जाता है और नए शेयर जारी होने पर पैसा शेयर कैपिटल में ट्रांसफर हो जाता है। केनरा बैंक के शेयरों के प्रदर्शन की बात करें तो पिछले एक साल में इनमें 87 फीसद की तेजी आई है। मार्च तिमाही के अंत में सरकार के पास इस पीएसयू बैंक में 62.93 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। केनरा बैंक ने हाल ही में मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। बैंक ने तिमाही के लिए स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,757 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। यह सालाना आधार पर 3,174 करोड़ रुपये थी। इसकी शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 11 फीसद बढ़कर 9,580 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इसका एनपीए अनुपात क्रमिक रूप से 4.39 से घटकर 4.23 फीसद हो गया। एनॉलिस्टों ने कहा है कि फंड की लागत में वृद्धि के बावजूद इस पीएसयू बैंक के चौथी तिमाही शुद्ध ब्याज मार्जिन में मामूली वृद्धि हुई है, जिसका श्रेय बैंक द्वारा पुराने कम यील्ड वाले कॉरपोरेट बुक के एक्सपोजर को या तो मौजूदा यील्ड पर नवीनीकृत करके या उन्हें बदलकर करने के क्रमिक प्रयासों के कारण है। विश्लेषकों ने कहा कि सभी की निगाहें आगे चलकर प्रावधानों में बदलाव पर होंगी।

यात्री वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड 3.35 लाख के पार, कारों की 23 प्रतिशत घटी

नईदिल्ली, एजेंसी। यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर 1.3 फीसदी बढ़कर 3,35,629 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में देशभर में 3,31,278 यात्री वाहन बिके थे। हालांकि, पिछले माह कारों की बिक्री 23 फीसदी घटकर 96,357 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,25,758 था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, देशभर में अप्रैल में 1,79,329 यूटिलिटी वाहन बिके थे। यह अप्रैल, 2023 में बिके 1,48,005 यूटिलिटी वाहनों की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत मोटर वाहन उद्योग के लिए काफी अच्छी रही है। सभी सेगमेंट ने अप्रैल, 2023 की तुलना में इस साल अप्रैल में वृद्धि दर्ज की है। मानसून में अधिक बारिश, चुनाव बाद नीतिगत निरंतरता, विनिर्माण व बुनियादी ढांचे पर सरकार के जोर से उद्योग को गति मिलेगी।

एसबीआई ने कुछ टेन्योर के एफडी पर ब्याज बढ़ाया

दो करोड़ तक रिटेल डिपॉजिट पर ज्यादा मिलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट बढ़ा दिया है। यह बढ़ोतरी दो करोड़ रुपये तक के रिटेल डिपॉजिट और दो करोड़ रुपये से अधिक के बल्क डिपॉजिट पर की गई है। एफडी पर इंटरेस्ट के नए रेट आज से प्रभावी हो गए हैं। बैंक ने 46 दिन से 179 दिन के बीच मैच्योर होने वाले डिपॉजिट्स पर एफडी इंटरेस्ट रेट में 75 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की है। अब इसे 4.75 फीसदी से बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया गया है। सीनियर सिटीजंस के लिए बैंक ने इस टेन्योर के लिए एफडी पर इंटरेस्ट रेट 5.25 प्रतिशत से बढ़कर छह परसेंट कर दिया गया है। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक बैंक ने 180 दिन से 210 दिन के टेन्योर के लिए इंटरेस्ट रेट में 25 बीपीएस की बढ़ोतरी की है। आम लोगों के लिए ब्याज की दर 5.75 फीसदी से बढ़ाकर छह फीसदी कर दी गई है। 211 दिन से लेकर एक साल से कम अवधि के लिए एफडी पर अब छह फीसदी के बजाय 6.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। सीनियर सिटीजंस के लिए इसे 6.50 परसेंट से बढ़ाकर 6.75 फीसदी कर दिया गया है।

बल्क डिपॉजिट

बैंक ने सात से 45 दिन के टेन्योर के लिए बल्क डिपॉजिट पर ब्याज दर 25 परसेंट बढ़ा दिया है। अब उन्हें पांच फीसदी के बजाय 5.25 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। सीनियर सिटीजंस के लिए ब्याज 5.50 फीसदी से बढ़ाकर 5.75 फीसदी हो गया है। इसी तरह 46 दिन से 179 दिन के टेन्योर के लिए 5.75 परसेंट के बजाय 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। बैंक ने सीनियर सिटीजंस के लिए ब्याज 6.25 परसेंट से बढ़ाकर 6.75 परसेंट कर दिया है।

आलू, प्याज और टमाटर ने दिया टेंशन

नईदिल्ली, एजेंसी। आलू, प्याज और टमाटर टेंशन देने लगे हैं। पिछले एक महीने में आलू का औसत भाव 25.71 रुपये किलो से 12.72 पर्सेंट बढ़कर 28.98 रुपये पर पहुंच गया है। प्याज भी 6.41 फीसद चढ़कर 29.79 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 31.70 रुपये पर पहुंच गया है। टमाटर पहले से अधिक लाल हुआ है। यह भी 30.48 रुपये प्रति किलो के औसत भाव से उछल कर 32.51 रुपये पर पहुंच गया है। आंकड़े उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट से लिए गए हैं।

दूसरी ओर सरकार द्वारा जारी डेटा के अनुसार अप्रैल में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 6.88 प्रतिशत थी। यह चार माह के उच्च स्तर पर है। फरवरी में खाद्य महंगाई 7.07 और जनवरी में 6.91 फीसदी पर थी।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों की महंगाई दर 23.60 प्रतिशत रही, जो मार्च में 19.52 प्रतिशत थी। सबसे ज्यादा आलू-प्याज की कीमतों में इजाफा हुआ है। आलू की महंगाई दर मार्च में 52.96 प्रतिशत थी, जो अप्रैल में बढ़कर 71.97 प्रतिशत हो गई। प्याज की महंगाई दर भी बढ़कर 59.75 प्रतिशत रही, जो मार्च में 56.99 प्रतिशत थी। इसी तरह ईंधन और बिजली की महंगाई दर अप्रैल में 1.38 प्रतिशत रही, जो मार्च में -0.77 प्रतिशत थी। यानी इसमें तेज बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, थोक मुद्रास्फीति सूचकांक में शामिल 17 वस्तुओं में से 11 के दाम घटे हैं, बावजूद इसके थोक महंगाई में इजाफा हुआ है। इसका कारण बिजली, कच्चे पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पाद विनिर्माण, अन्य विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों के दाम बढ़ने को बताया जा रहा है। जिन वस्तुओं के दाम घटे हैं, उनमें दालें, गेहूं, दूध, अनाज आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति की दिशा तय करने में मौसम एक महत्वपूर्ण कारक है। पिछले साल मानसून बहुत अनुकूल नहीं था और इस साल देश के कुछ हिस्सों में लू चल रही है। गर्मी की शुरुआत के साथ, जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतें ऊपर की ओर बढ़ रही हैं। नायर ने अनुमान जताया कि अगले दो महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ेगी और फिर जैसे ही आधार प्रभाव सहायक हो जाएगा। इस साल जुलाई-अगस्त में अस्थायी रूप से गिरावट देखने को मिल सकती है। इक्रा ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए औसत थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 3.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

अमीरों की लिस्ट में अडानी का जलवा, दुनियाभर के अरबपतियों को पीछे छोड़ा

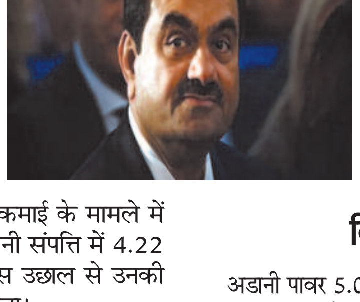

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को आए उछाल से न केवल गौतम अडानी की दौलत में इजाफा हुआ बल्कि निवेशकों के चेहरे भी खिल उठे। इसकी वजह से दुनिया भर के अमीरों को अडानी ने मंगलवार को पीछे छोड़ दिया। कमाई के मामले में अडानी टॉप पर रहे। उन्होंने अपनी संपत्ति में 4.22 अरब डॉलर जोड़े। हालांकि, इस उछाल से उनकी पोजीशन पर कोई असर नहीं पड़ा।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के ताजा अपडेट के मुताबिक गौतम अडानी की संपत्ति अब 99.1 अरब डॉलर हो गई है। अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 15वें स्थान पर हैं। मंगलवार की कमाई में दूसरे नंबर पर लैरी एलिसन रहे। इनके नेटवर्थ में 4.05 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। एलिसन 10वें नंबर पर हैं। एलन मस्क भी 4.05 अरब डॉलर जोड़कर कमाई में तीसरे स्थान पर रहे। इनकी कुल संपत्ति 190 अरब डॉलर है और यह अरबपतियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। दुनिया के सबसे अमीर बर्नार्ड अर्नाल्ट की दौलत मंगलवार को 2.94 अरब डॉलर बढ़ी। अब इनकी कुल संपत्ति 222 अरब डॉलर हो गई है। 11वें नंबर पर काबिज मुकेश अंबानी के नेटवर्थ में कल 1.58 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और अब उनके पास 109 अरब डॉलर की संपत्ति है।

अडानी ग्रुप के शेयरों ने दिखाया दम

अडानी पावर 5.09 फीसद ऊपर 625.20 रुपये पर बंद हुआ। अडानी एंटरप्राइजेज भी 5.40 फीसद की उछाल के साथ 3035 रुपये पर पहुंच गया। अडानी ग्रीन एनर्जी में 4.13 फीसद की उछाल रही और यह 1786.05 रुपये पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स भी करीब दो फीसद ऊपर 1332.35 रुपये पर बंद हुआ। अडानी टोटल गैस में 5.70 पर्सेंट की तेजी रही और यह 911 रुपये पर पहुंच गया। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन में भी 3.72 फीसद की तेजी रहा और 1027.95 रुपये पर जा पहुंचा। एसीसी भी 4 पर्सेंट से अधिक उछलकर 2462.50 रुपये पर पहुंचने में कामयाब रहा। एनडीटीवी, अंबुजा सीमेंट और अडानी विल्मर में भी बढ़त रही। अंबुजा सीमेंट में 3.88 फीसद, अडानी विल्मर में 2.45 फीसद और एनडीटीवी में 2.15 पर्सेंट की बढ़त रही।

वैश्विक कीमतें घटने से 34 प्रतिशत बढ़ा पाम तेल आयात

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर कीमतें घटने से अप्रैल में भारत का पाम तेल आयात सालाना आधार पर 34.11 फीसदी बढ़कर 6.84 लाख टन पहुंच गया।सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने मंगलवार को कहा, अप्रैल में भारत के कुल 13,04,409 टन खाद्य तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी 52 फीसदी रही।इसमें सूरजमुखी और सोयाबीन तेल का आयात 6,20,315 टन था। गैर-खाद्य तेलों सहित कुल वनस्पति तेल आयात पिछले महीने 26 फीसदी बढ़कर 13,18,528 टन पर पहुंच गया।यह एक साल पहले की समान अवधि में 10,50,189 टन था।

स्कूल ड्रॉपआउट जिन्होंने कभी भीख मांगकर खाया खाना, आज करोड़ों की कंपनी के मालिक !

नईदिल्ली, एजेंसी। गरीबी से अमीरी तक की कहानियां सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, बल्कि हकीकत में भी देखने को मिलती हैं। ये कहानियां हमें सिखाती हैं कि जहां चाह होती है, वहां राह निकल ही आती है। ऐसी ही एक कहानी रेणुका आराध्या की है। रेणुका बेंगलुरु के पास एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखते हैं। उनका जन्म एक गरीब पुजारी परिवार में हुआ था। इस कारण उनका बचपन बेहद गरीबी में बीता। उनके पिता का निधन जल्दी हो गया था। उनकी मां ने उन्हें अकेले ही पाला था। कभी उन्होंने भीख मांगकर खाना खाया। आज वह करोड़ों की कंपनी के मालिक हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

घर-घर जाकर भीख मांगते थे

रेणुका बेंगलुरु के पास एक छोटे से गांव से हैं। उनका जन्म गरीब पुजारी परिवार में हुआ था। रेणुका का बचपन बेहद गरीबी में बीता। उन्होंने मुश्किल हालातों का सामना करते हुए भी 10वीं की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने पास के एक मंदिर में पुजारी का काम करना शुरू कर दिया। पूजा-अर्चना के बाद रेणुका और उनके पिता घर-घर जाकर चावल, आटा और दाल मांगते थे।

घरों में काम करना शुरू किया

बाद में रेणुका आराध्या ने दूसरों के घरों में घरेलू काम करना शुरू कर दिया। 20 साल की उम्र में रेणुका आराध्या की शादी हो गई। इस बीच वह सुरक्षा गार्ड और मजदूर के तौर पर काम करते रहे। फिर उन्होंने एक प्लास्टिक फैक्ट्री में काम किया। प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करते हुए रेणुका को अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की प्रेरणा मिली। खास तौर से सूटकेस कवर का व्यवसाय करने का आइडिया उन्हें यहीं से आया। लेकिन, कारोबार में 30,000 रुपये का घाटा होने के बाद वह फिर से सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करने लगे। बाद में वह करीब 4 साल तक एक ट्रैवल एजेंसी में ड्राइवर रहे। इसके बाद अपनी बचत और बैंक से लोन लेकर रेणुका ने पहली कार खरीदी। साथ ही प्रवासी कैब्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी की नींव रखी। बाद में रेणुका ने करीब 6 लाख रुपये में एक और कैब कंपनी खरीद ली।

संक्षिप्त समाचार

डोपिंग

वेटलिफ्टिंग में दस लिफ्टर डोप में फंसे

- पदक के लिए प्रतिबंधित शक्तिवर्धक ड्रग्स का प्रयोग किया ग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने भी राष्ट्रीय शिविर के बाहर बढ़ते डोप के मामलों पर संज्ञान लेते हुए 10 प्रशिक्षकों पर तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। ये उन 10 लिफ्टरों के प्रशिक्षक हैं, जो 2023 की नागरकोइल राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग में डोप में फंसे थे। पदक और नौकरी के लिए खेलों में प्रतिबंधित शक्तिवर्धक ड्रग्स का चलन कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस वर्ष जनवरी में ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में हुई राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक या दो नहीं 10 वेटलिफ्टर डोप पॉजिटिव पाए गए हैं। ये सभी पदक विजेता हैं। इनमें सात पुरुष और तीन महिलाएं हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से कुछ लिफ्टरों के सैंपल में तीन से चार तरह के प्रतिबंधित ड्रग्स का कॉकटेल मिला है। इनमें स्टेरायड, सार्म, स्टीमुलेंट सभी कुछ है। नाडा ने इन लिफ्टरों को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है।

कम उम्र के हैं लिफ्टर

हरियाणा के सोमनाथ और अनुष ने ईटानगर में 109 और 67 किलो में कांस्य पदक जीता। दोनों की उम्र 18 से 20 के बीच है, लेकिन इनका केस खेलों में घुसी डोपिंग की जड़ों और इसकी गंभीरता को बयां करता है। सोमनाथ के सैंपल में एनाबॉलिक स्टेरायड मिटेंडियोनॉन, ड्रॉस्टेनोलॉन, लिगेंड्रॉल (सार्म) और स्टीमुलेंट मिफेनटरमाइन पाया गया है। हाल-फिल्हाल में एक सैंपल में इतने प्रतिबंधित ड्रग्स मिलते नहीं देखे गए हैं। वहीं अनुष के सैंपल में टेंबोलॉन, ओस्टारिन (सार्म), मिफेनटरमाइन मिले हैं। अन्य पॉजिटिव खिलाडियों में देवीश्री (आंध्र प्रदेश), सागर (बिहार), मृणमय गोगोई (असम), गौरव (पुलिस बोर्ड), राखी पुरोहित (राजस्थान), शीतल भाटी (हरियाणा), सुमित राजपूत (मध्य प्रदेश), सचिन पंवार (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं।

मनिका ने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने मंगलवार को जारी नई आईटीटीएफ रैंकिंग में विश्व नंबर 24 की नई करियर उच्च रैंकिंग हासिल की। मनिका ने 15 पायदान की छलांग लगाई और 39वें से 24वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा, उन्होंने श्रीजा अकुला से अपना भारत का नंबर एक स्थान पुनः प्राप्त किया।

इस प्रक्रिया में 25 वर्षीय पैडलर शीर्ष 25 एकल रैंकिंग में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने 2019 में जी सत्यन (वर्तमान में विश्व नंबर 65) द्वारा हासिल की गई विश्व नंबर 24 रैंकिंग की भी बराबरी की, जो एकल में किसी भारतीय द्वारा प्राप्त सर्वोच्च रैंक है। मनिका की रैंकिंग में उछाल पिछले हफ्ते सऊदी स्मैश इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद आया, जहां उन्होंने राउंड 32 में शीर्ष चीनी खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता वर्ल्ड नंबर 2, वांग मन्यु पर उलटफेर भरी जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने वर्ल्ड नंबर 14 जर्मनी की नीना मित्तेलहम को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां मनिका अंततः जापान की वर्ल्ड नंबर 5 हिना हयाता से हार गईं।पुरुष एकल रैंकिंग में अनुभवी अचंत शरत कमल तीन स्थान गिरकर 40वें स्थान पर आ गए और सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हुए हैं। मानव ठक्कर और हरमीत देसाई क्रमशः 62वें और 63वें स्थान पर हैं।महिला युगल में सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि पुरुष युगल चार्ट में ठक्कर और मानुष शाह तीन स्थान गिरकर 15वें स्थान पर आ गए।मिश्रित युगल में मनिका और सत्यन एक स्थान गिरकर 24वें स्थान पर हैं।

लॉर्ड्स में जेम्स एंडरसन के टेस्ट संन्यास के लिए यह सही समय है: रॉब

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रबंध निदेशक रॉब की का मानना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का अपने टेस्ट करियर को खत्म करने का फैसला देश के लिए सही समय पर आया है। पिछले हफ्ते एंडरसन ने घोषणा की थी कि वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में 10 जुलाई से शुरू होने वाला पहला टेस्ट देश के लिए उनका आखिरी रेड-बॉल मैच होगा। 41 वर्षीय तेज गेंदबाज के रूप में टेस्ट क्रिकेट में 187 मैचों में 700 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज की, मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स के साथ चर्चा पैनल का हिस्सा थे, जिसके कारण तेज गेंदबाज को संन्यास लेना पड़ा। रॉब की ने टेस्ट मैच स्पेशल काउंटी क्रिकेट पॉडकास्ट को बताया, हमने कहा, हमें लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है, हमें भविष्य की ओर देखना शुरू करना होगा। की ने कहा कि एंडरसन के साथ चर्चा डेढ़ घंटे तक चली और तेज गेंदबाज को उम्मीद नहीं थी कि इससे उनका लाल गेंद का भविष्य खत्म हो जाएगा। एंडरसन ने कहा कि जब हमने निर्णय लिया और सोचा कि हमें भविष्य पर चर्चा करने के लिए जिमी से मिलने की जरूरत है, तो ब्रेंडन ने निष्कर्ष निकाला कि इंग्लैंड के लिए उड़ान भरना सही काम होगा।

हमने लगभग डेढ़ घंटे तक बातचीत की, जिसका नेतृत्व बाज़ ने किया। मुझे नहीं लगता कि जिमी को इसकी उम्मीद थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह पूरी तरह से अप्रत्याशित था। हमें लगा कि जिमी और जनता के बीच अलविदा कहने का यह सही अवसर था। हमने उस पर यह प्रभाव नहीं डाला कि उसे वहीं निर्णय लेने की जरूरत है, बहुत समय पहले उसने तय नहीं किया था कि लॉर्ड्स का मैच उसका आखिरी मैच होगा। इंग्लैंड के दो दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ों - एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की अनुपस्थिति में, की इसे युवाओं के लिए जगह बनाने का द्वार मानते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को नई गेंद से गेंदबाजी करना सीखने, टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर चाहिए। अब समय आ गया है कि लोग इसे सीखना शुरू करें। वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में टी20 विश्व कप 2024 के समापन के बाद, इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जिसके मैच क्रमशः लॉर्ड्स, नॉटिंघम और बर्मिंघम में निर्धारित होंगे।

आईपीएल 2024 में बन गया नया महारिकॉर्ड

17 साल के इतिहास में पहली बार लगे इतने छक्के

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल का मौजूदा सीजन बल्लेबाजों के नाम रहा है। इस सीजन कई हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिले हैं। एक पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी इसी साल बना है। वहीं, अब छक्के जड़ने का महारिकॉर्ड भी टूट गया है।

आईपीएल 2024 में अभी तक इतने छक्के लग चुके हैं, जितने अभी तक किसी भी सीजन में देखने को नहीं मिले थे। चौंकाने वाली बात ये है कि इस सीजन में अभी भी 6 लीग मैच बाकी है और फिर प्लेऑफ के मैच खेले जाएंगे। ऐसे में ये आंकड़ा अभी और बढ़ने वाला है।

आईपीएल 2024 में बना छक्कों का नया महारिकॉर्ड

सीजन के 64वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें आमने-सामने थीं।

इस मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 20 छक्के जड़े। इसी के साथ आईपीएल 2024 में अभी तक कुल 1125 छक्के लग चुके हैं, जो एक सीजन में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्कों का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले आईपीएल 2023 में 1124 लग थे। लेकिन इस बार लीग स्टेज में ही ये आंकड़ा पार हो गया है। वहीं, आईपीएल के 17 सीजन में ये सिर्फ तीसरा ही मौका है जब 1000 से ज्यादा छक्के लगे हैं।

भारतीय गेंदबाजों का दमदार प्रदर्शन

हमारे लिए सबसे सकारात्मक बात: कोच प्रवीण आमरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना कम होने के बावजूद सहायक कोच प्रवीण आमरे टीम के भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन से काफी संतुष्ट है। दिल्ली कैपिटल्स ने मौजूदा सत्र के अपने आखिरी लीग मुकाबले में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को 19 रन से शिकस्त दी। टीम की यह 14 मैचों में सातवीं जीत थी लेकिन खराब नेट रन रेट के कारण उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम है। आमरे ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टीम के पास जो संसाधन था उसमें उसने से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस मामले में पिछले चार-पांच मैचों में टीम के भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। आमरे ने कहा, 'पिछले चार-पांच मैचों में हमारे सभी भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा काम किया है। मेरा मानना है कि यह हमारे लिए काफी जरूरी था। जिस तरह से खलील (अहमद), मुकेश (कुमार), इशांत (शर्मा) ने गेंदबाजी की हमारे लिए सबसे सकारात्मक पहलू था। दिल्ली ने अभिषेक पोरेल (58 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 57) के आक्रामक अर्धशतकों से चार विकेट पर 208 रन बनाने के बाद इशांत की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी के दम पर एलएसजी को नौ विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। इशांत तीन विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच चुने गये। उन्होंने इशांत की तारीफ करते हुए कहा, 'उन्होंने पावर प्ले में तीन विकेट चटकाये और वह सभी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के विकेट थे। वह ऐसे गेंदबाज है जिन्होंने 100 टेस्ट खेले है और उन्हें दिल्ली की विकेट (पिच) के बारे में अच्छी जानकारी है। मैं उनके लिए काफी खुश हूं उन्हें जो भी मौका मिला उन्होंने उसका फायदा उठाया। उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आमरे ने कहा कि इस सत्र में घरेलू मैदान पर पांच मैच जीतना टीम के लिए बड़ी सफलता है।। उन्होंने कहा, 'मैं इस फ्रेंचाइजी के साथ नौ साल से हूं लेकिन पिछले दो साल और खास यह साल हमारे लिए काफी अच्छा रहा है क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर पांच मैच जीतने में सफल रहे है। हमने विशाखापत्तनम में चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया: 2-1 से सीरीज जीती; बाबर-रिजवान के बीच शतकीय साझेदारी

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज में आयरलैंड से पहला मैच गंवाने के बाद लगातार दोनों मैच जीतकर सीरीज को अपने नाम किया। पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 मैच में आयरलैंड को 6 विकेट से हराकर टी-20 सीरीज 2-1 से जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 7 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। वहीं 179 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने 4 विकेट के नुकसान पर 181 रन बना कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं पहला टी-20 मैच आयरलैंड ने जीता था।

आयरलैंड के लिए लोर्कन टकर ने बनाए सबसे ज्यादा रन- पाकिस्तान ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसे पहला झटका 15 रन के स्कोर पर लगा। उसके ओपनर रॉस अडायर शाहीन अफरीदी की गेंद पर बोल्ड हो गए। उसके बाद एंड्रयू बालबर्नी और कप्तान लोर्कन टकर ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 49 गेंदों पर 85 रन की पार्टनरशिप हुई।

इरफान पठान की वाइफ सफा बेग के हाथ का खाना खाकर मास्टर हुए मस्त, सचिन तेंदुलकर ने यूं की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटरों में इरफान पठान का नाम बेहद शानदार मेजबानों में शामिल है। वह और उनकी फैमिली अच्छे खाने के शौकीन है। अक्सर जब वह क्रिकेट टीम का हिस्सा थे तो महान सचिन तेंदुलकर सहित अपने साथियों को घर पर बुलाया करते थे। वह सचिन के लिए घर की स्पेशल बिरयानी लेकर भी आते थे। यह क्रम आज भी जारी है। पठान ने क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन को घर पर दावत के लिए इनवाइट किया। इरफान पठान ने तस्वीरें शेयर कीं तो सचिन खाने और सफा बेग की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके। इरफान पठान ने दावत की

तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- सचिन तेंदुलकर पाजी, कहानियां, हंसी और आपके आसपास रहने की खुशी ने कल रात को खास बना दिया! ऐसी कई और रातों का इंतजार है। तस्वीर में इरफान पठान के पिता के अलावा उनके और युसूफ पठान के बच्चे दिख रहे हैं, जबकि कुछ अन्य सदस्य भी हैं।

सचिन तेंदुलकर ने की इरफान पठान की वाइफ की तारीफ- इस पर महान क्रिकेटर ने रिप्लाई करते हुए लिखा- रोशनी के नीचे क्या रात है... इरफान! उन समयों में से एक जब कोई भी इसे स्टंप्स (खत्म करने) कहने को तैयार नहीं था। इसके बाद सचिन ने इरफान पठान की वाइफ सफा के हाथ के खाने की तारीफ में लिखा- सफा के लजीज व्यंजनों, आपके पिता की मनोरंजक कहानियां और आपके बच्चों की दौड़-भाग के बीच हम सभी ने बहुत अच्छा समय बिताया। हम जल्द ही कुछ समय बाद ऐसे समय को फिर जिएंगे...।

बॉक्सिंग : भारत को मुक्केबाजी में बड़ा झटका

शिवा एलोरडा कप से बाहर, गौरव सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना (कजाखस्तान), एजेंसी। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिवा को कजाखस्तान के अब्दुआली अलमात ने 63.5 किलोवर्ग में 4-1 से मात दी। भारत के गौरव चौहान एलोरडा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट में मंगलवार को पुरुषों के 92 प्लस किलो सेमीफाइनल में पहुंच गए जबकि शिवा थापा पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। गौरव ने स्थानीय मुक्केबाज डेनियल सापारबे को 3-2 से हराया। वहीं, छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिवा को कजाखस्तान के अब्दुआली अलमात ने 63.5 किलोवर्ग में 4-1 से मात दी। संजय (80 किलो) भी एशियाई खेलों के चैंपियन चीन के टी टांगलाटिहान से 0-5 से हारकर बाहर हो गए।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 16 मई 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

अनुष्का और विराट ने

वामिका और अकाय की प्राइवेसी रखने के लिए पापराजी को दिया धन्यवाद

बेटी वामिका और नवजात बेटे अकाय के गौरवान्वित माता-पिता अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने बच्चों की गोपनीयता की रक्षा के प्रति उनकी विचारशीलता के लिए पापराज़ी का आभार व्यक्त किया है। मीडिया को एक सुन्दर नोट भेजते हुए उसमें, जोड़े ने लिखा, हमारे बच्चों की गोपनीयता का सम्मान करने और हमेशा सहयोग करने के लिए धन्यवाद !

विरुष्का एक लो-प्रोफाइल जीवन जीते हैं ताकि वे और उनके बच्चे लगातार मीडिया की नजरों से बच सकें और एक सामान्य पारिवारिक जीवन जी सकें। वे इस तथ्य के बारे में बेहद विचारशील हैं कि उनकी गोपनीयता की रक्षा करने से उनके परिवार और वे अपने बच्चों की परवरिश पर अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं।

77वें कान फिल्म फेस्टिवल में

वुमेन इन सिनेमा डिनर में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी कियारा आडवाणी

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मंगलवार से फ्रेंच रिवेरा में आयोजित होने वाले कान फिल्म फेस्टिवल के 77वें एडिशन में रेड सी फिल्म फाउंडेशन वीमेन इन सिनेमा गाला डिनर में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। वैनिटी फेयर द्वारा आयोजित यह समारोह दुनिया भर से 6 महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करेगा।

कियारा ने 2014 में फगली से अपनी शुरुआत की, इसके बाद उन्हें अलग-अलग किरदार निभाते हुए देखा गया। जिसमें जुगजग जीयो में नैना से लेकर गिल्टी में ननकी और कबीर सिंह में प्रीति जैसे रोल शामिल हैं। इसके बाद कियारा ने शेरशाह और सत्यप्रेम की कथा जैसी फिल्मों में काम किया, जहां उन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से अपना लोहा मनवाया।

सैफ अली खान ने Kareena का नाम हटवाकर बनवाया नया टैटू

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और करीना कपूर खान की गिनती इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल्स में से एक हैं। दोनों अक्सर एक साथ नजर आते हैं और वह कपल गोल्स देते नजर आते हैं। शादी के इतने साल बाद भी दोनों रोमांटिक पोज देना नहीं भूलते। हाल ही में करीना-सैफ का एक वीडियो वायर हुआ था, जिसमें दोनों बिल्डिंग के बाहर लिपलॉक करते नजर आए। हालांकि इस वीडियो पर दोनों को काफी ट्रोल भी किया गया। इसी बीच सैफ अली खान का एक ऐसा वीडियो सामने आया है कि कपल की तलाक की बातें होने लगी हैं।

सैफ अली खान के हाथ पर बदला टैटू

दरअसल सैफ अली खान को हाल ही में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जहां से उनका एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक्टर के हाथ पर बने करीना के नाम वाले टैटू की जगह दूसरा टैटू नजर आ रहा है। जिसे देखने के बाद फैंस ने कमेंट करना शुरू कर दिया है कि सैफ अली खान और करीना का तलाक होने वाला है।

यूजर्स की प्रतिक्रियाएं

सैफ अली खान के वायरल वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि 'तीसरी बीवी की लाने की तैयारी में सैफ।' एक यूजर ने लिखा कि 'इन दोनों के बीच कुछ हुआ है क्या' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'भाई तीसरी शादी करने वाला है क्या' एक यूजर ने लिखा कि 'भगवान करे इनके बीच सब ठीक हो जाए।' एक यूजर ने लिखा कि 'अभी टैटू बदला है अब घरवाली बदलेगा।' एक यूजर ने लिखा है कि 'कुछ दिनों रुको बीवी भी बदल जाएगा।' एक यूजर ने लिखा है कि 'सैफ हैट्रिक मारने की तैयारी में हैं।'

करीना से की थी दूसरी शादी

बता दें कि सैफ अली खान ने साल 2012 में करीना कपूर से शादी की थी। दोनों ने फिल्म टशन के दौरान एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था। इस कपल के दो बेटे तैमूर अली खान और जेह अली खान हैं।

बढ़ती उम्र को अपनाओ इसमें शर्मिंदगी कैसी

निया शर्मा

टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा ने बढ़ती उम्र को अपनाने के बारे में बात की और साझा किया कि इसको लेकर शर्मिंदगी की कोई आवश्यकता नहीं है। निया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कैमरन डियाज और ड्रू बैरीमोर की एक पोस्ट शेयर की। एक्ट्रेस ने पोस्ट को कैप्शन के साथ साझा किया और लिखा, हम क्यों चौंक जाते हैं, जब मशहूर हस्तियां अपनी झुर्रियों वाली फोटो शेयर करती हैं।

आखिर बढ़ती उम्र को दिखाने में शर्मिंदगी कैसी निया ने बढ़ती उम्र को अपनाने के बारे में अपनी दो बातें साझा कीं, क्योंकि यह आप हैं। उन्होंने आगे कहा, फिलर्स ऑप्शन होना चाहिए, न कि आपके डेली प्रोटीन की तरह आवश्यकता...आप बहुत खूबसूरत हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, निया अपकमिंग सुपरनेचुरल शो सुहागन चुड़ैल में एक नेगेटिव किरदार निभाएंगी। कलाकारों में जैन इबाद खान, सचिन खुराना, सुभलक्ष्मी दास और अराधना शर्मा जैसे नाम भी शामिल हैं।

इश्क विश्क रिबाउंड

आ गई ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना के डेब्यू फिल्म की पहली झलक

ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन की डेब्यू फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड के चारों लीड एक्टर्स का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। साल 2003 में आई इश्क विश्क के इस सीक्वल फिल्म में कभी खुशी कभी गम वाले जिबरान खान, मिसमैच्ड वाले रोहित सराफ और मामला लीगल है वाली नाइला ग्रेवाल भी हैं। इश्क विश्क प्यार व्यार... फिल्मी पर्दे पर साल 2003 पहले शाहिद कपूर और अमृता राव ने इश्क विश्क फिल्म से डेब्यू किया था। कॉलेज लाइफ रोमांस पर बनी यह फिल्म हिट साबित हुई थी, जबकि इसके गाने सुपरहिट। अब 21 साल बाद प्यार का यह खुमार फिर से लौट रहा है। इश्क विश्क रिबाउंड फिल्म के किरदारों का फर्स्ट लुक पोस्टर आ गया है। जाहिर तौर पर इसमें हर किसी की नजर ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन पर टिकी है। म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मीना इस फिल्म से डेब्यू कर रही हैं। मेकर्स ने इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। निपुण अविनाश धर्माधिकारी के डायरेक्शन बनी इश्क विश्क रिबाउंड अगले महीने 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में पश्मीना रोशन के किरदार का नाम सान्या है। जबकि उनके साथ रोहित सराफ की जोड़ी है, जो राघव का किरदार निभा रहे हैं।

ये शर्त मान ली तो मामला खत्म !

काला हिरण केस में सलमान खान को माफ करने के लिए तैयार हुआ बिश्नोई समाज

सलमान खान के घर पर फायरिंग केस में रोज नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। मुंबई की पुलिस इस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। भाईजान को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई ने खुली धमकी दी है कि अगली बार गोली घर पर नहीं चलेगी। इसके बाद सलमान खान की पूर्व प्रेमिका सोमी अली ने बिश्नोई समाज से माफी मांगी थी और अपील करते हुए सलमान को माफ करने को कहा था। इस मामले में बिश्नोई समाज ने उनकी माफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

मामला साल 1998 में सलमान खान के काले हिरण शिकार से जुड़ा है। इसे लेकर बिश्नोई समाज सलमान से नाराज है और ये ही कारण है कि लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से लगातार उन्हें धमकियां मिल रही हैं। सोमी अली ने सलमान की तरफ से बिश्नोई समाज से माफी मांगी थी जिसके बदले में उन्होंने कहा है कि वो नहीं सलमान खान माफी मांगे।

क्या है शर्त

अखिल भारतीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया ने कहा है कि सलमान खान अगर माफी मांग लें तो मामला खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा है कि अगर सलमान ऐसा करते हैं तो समाज के लोग बैठकर इसपर कोई निर्णय ले सकते हैं।

बताया जा रहा है कि बिश्नोई समाज के 29 नियम हैं, जिनमें से 10वें नियम में माफी का प्रावधान है। इसके मुताबिक सलमान खान को हमेशा के लिए माफी मिल सकती है, अगर वह ऐसा करें तो।

आपको बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई इस वक्त पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के कत्ल के आरोप में जेल में बंद है। वहां से भी वह सलमान खान के बारे में कई बार बात कर चुका है। उसने कहा था कि सलमान अगर बिश्नोई समाज के मंदिर में जाकर माफी मांगें तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग के कई दिनों बाद सोमी अली ने इस मामले में रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, सलमान से ब्रेकअप के बाद मैं 24 साल की उम्र में अमेरिका आ गई। पूरी दुनिया जानती है और मैं इसे बार-बार दोहराना नहीं चाहती।

खतरनाक बीमारी एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही शमिता शेट्टी, करानी पड़ी सर्जरी

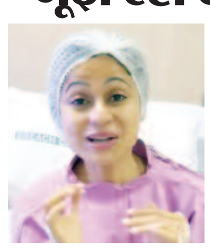

बॉलीवुड एक्ट्रेस शमिता शेट्टी एंडोमेट्रियोसिस नामक गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। बीमारी का पता चलते के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया और उनकी सर्जरी भी की गई। शमिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह एंडोमेट्रियोसिस के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। आपको बता दें कि एंडोमेट्रियोसिस एक ऐसा चिकित्सकीय विकार है, जिसमें यूट्रस के अंदर पाए जाने वाले टिश्यू एंडोमेट्रियोसिस टिश्यू की तरह ही बढ़ते हैं और ये टिश्यू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगते हैं। जिससे ज्यादा पीरियड होने के साथ-साथ फर्टिलिटी संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

बहन शिल्पा शेट्टी द्वारा कैप्चर किए गए वीडियो में शमिता अस्पताल के बिस्तर पर हैं और वह कहती हैं, क्या व्यू है वाह... क्या हुआ है। शमिता ने जवाब दिया, मुझे एंडोमेट्रियोसिस है, मुझे तो पता भी नहीं था कि यह क्या होता है। कृपया सभी महिलाएं गूगल पर एंडोमेट्रियोसिस के बारे में जरूर सर्च करें।

ओवरएक्टिंग की दुकान

ट्रोलर्स के निशाने पर आई अंकिता

अंकिता लोखंडे आए दिन किसी न किसी वजह से ट्रोलर्स के निशाने पर आ जाती हैं। एक बार फिर अंकिता ट्रोलर्स के निशाने पर आई हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखर यूजर्स उन्हें ओवरएक्टिंग की दुकान कह रहे हैं।

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। आए दिन उन्हें किसी न किसी कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक बार फिर अभिनेत्री ट्रोलर्स के निशाने पर आई हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मुंबई में आई धूल भरी आंधी को देखकर हैरान होती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उनके ऐसे हाव-भाव देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ओवरएक्टिंग की दुकान कह रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा की है। इसमें वह मुंबई में अपने अपार्टमेंट की बालकनी में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह तूफानी बारिश और बाहर के दृश्य की ओर इशारा करती हुई नजर आ रही हैं। उनके वीडियो में मुंबई की धूल भरी आंधी साफ दिख रही है। वीडियो में अभिनेत्री कहती दिख रही हैं, ये क्या हो रहा है यार ये क्यों हो रहा है ऐसे ये क्या है क्या बकवास है. अभिनेत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो गया है। अंकिता के इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

- साभार एजेंसी

भिडू बोलने पर हो सकती है जेल

- बिना इजाजत नहीं कर पाएंगे भिडू शब्द का इस्तेमाल !
- जैकी श्रॉफ ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

अभिनेता जैकी श्रॉफ के नाम, तस्वीरों और उनके व्यक्तित्व से जुड़ी चीजों का बिना इजाजत इस्तेमाल करना आपको कानूनी मुसीबत में डाल सकता है। अभिनेता ने इसके लिए हाईकोर्ट का रुख अपनाया है। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपनी पहचान और प्रचार से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है। इसके लिए अभिनेता ने अदालत का रुख किया है। जैकी श्रॉफ ने दिल्ली हाईकोर्ट में

एक याचिका दायर की है। बिना अनुमति के कोई भी अभिनेता के नाम, फोटो, उनकी आवाज और यहां तक कि भिडू शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। ऐसा करने वाली विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ जैकी श्रॉफ ने याचिका दायर की है।

लेनी होगी इजाजत

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। वहां उन्होंने याचिका दायर कर अपनी तस्वीरों, आवाज, नाम और भिडू शब्द पर सुरक्षा की मांग की है। ऐसे में अगर कोई जैकी श्रॉफ की नकल करना चाहेगा और ऐसा करते हुए भिडू बोलेगा तो उसे पहले बाकायदा इजाजत लेनी होगी।

लोगों को गुमराह करने की संभावना

इस याचिका के जरिए जैकी श्रॉफ ने कहा कि वे अपने नाम, तस्वीरों और आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य विशिष्ट चीजों पर संरक्षण चाहते हैं, जिससे कोई तीसरा पक्ष इनका अनधिकृत इस्तेमाल न कर सके।